राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर।

र्पै॥ लिता ॥ ॥ संयोगाविप्पमुक्कस्स। अणगा
रस्स भिक्खुणो। विणयं पाउकरिस्सामि। आणुपुव्विं सुणेह
मे॥१॥ आणानिद्देसकरे। गुरुणमुववायकारए। इंगियागा
रसंपन्ने। से विणीए त्ति वुच्चइ॥२॥ आणानिद्देसअक
रे। गुरूणमणुववायकारए। पडिणीए असं बुद्धे।
अविणीए त्ति वुच्चइ॥३॥ जहा सुणी पूइक
ण्णी। निक्कसिज्जइ सव्वसो। एवं दुस्सीलपडि
णीए। मुहरी निक्कसिज्जइ॥४॥ कणकुंडगं चइत्ताणं। वि
ट्ठं भुंजइ सूयरे। एवं सीलं चइत्ताणं। दुस्सीले रमई मि
ए॥५॥ सुणियाभावं साणस्स। सूयरस्स नरस्स य। वि
णए ठविज्ज अप्पाणं। इच्छंतो हियमप्पणो॥६॥ तम्हा वि



णयमेसिज्जा। सीलं पडिलभे जओ। बुद्धपुत्त नियागट्ठी। न निक्कसिज्जइ कण्हुई॥७॥ निसंते सिया मुह
री। बुद्धाणं अंतिए सया। अट्ठजुत्ताणि सिक्खिज्जा। निरट्ठाणि उ वज्जए॥८॥ अणुसासिओ न कुप्पिज्जा। खं
तिं सेविज्ज पंडिए। खुड्डेहिं सह संसग्गिं। हासं कीडं च वज्जए॥९॥ मा य चंडालियं कासी। बहुयं मा य आ
लवे। कालेण य अहिज्जित्ता। तओ झाइज्ज एगओ॥१०॥ आहच्च चंडालियं कट्टु। न निण्हविज्ज कयाइ
वि। कडं कडे त्ति भासिज्जा। अकडं नो कडे त्ति य॥११॥ मा गलियस्सेव कसं। वयणमिच्छे पुणो
पुणो। कसं व दट्ठुमाइन्ने। पावगं परिवज्जए॥१२॥ अणासवा थूलवया कुसीला। मिउं पि चंडं प
करंति सीसा। चित्ताणुया लहु दक्खोववेया। पसायए ते हु दुरासयं पि॥१३॥ नापुट्ठो वागरे
किंचि। पुट्ठो वा नालियं वए। कोहं असच्चं कुव्विज्जा। धारिज्जा पियमप्पियं॥१४॥ अप्पा चेव दमेय
व्वो। अप्पा हु खलु दुद्दमो। अप्पा दंतो सुही होइ। अस्सिं लोए परत्थ य॥१५॥ वरं मे अप्पा दंतो। संज
मेण तवेण य। माहं परेहिं दम्मंतो। बंधणेहिं वहेहि य॥१६॥ पडिणीयं च बुद्धाणं। वाया अदुव कम्मु
णा। आवी वा जइ वा रहस्से। नेव कुज्जा कयाइ वि॥१७॥ न पक्खओ न पुरओ। नेव किच्चाण पिट्ठओ। न जुं

डकम्मणा उद्दे॥ सआणणा ... ...
नविछेयुकणंतिए। आर्वेऽ... ... ...
उछेनुके सया। आल... ... ...
हिस्सुणा॥ आलणगेअनछिहिज्जा नेव ... ... कहन्जि माणे ...
डलीर्डडा॥ ...णवविणयज्ञत्तस्स स्मेहज्ज ... ... बुद्धमाणस्स सीसस्स वागरे
इज्जासुयं॥ ... संपडिहारेजिक्खना। ... ... नासादमंपडिहारेसा
धंए॥ ... ... वइसयत्तं ... ...
ता॥ ... ...
नवविछलसलाए॥ ... ...
पडिस्सारा॥ ... ...
डणा॥ ... ...

पडिग्गहण॥ आसणाउवविट्ठिया॥ अणुवइअअक्कापछिरे। अफ्फलाईनिक्खगाई॥ निसीइज्जप्पकुक्कुए॥ ३॥ कालेण
णनिक्खमेभिक्खू। कालेणयपडिक्कमे। अकालंचविवज्जित्ता। कालेकालंसमायरे॥ ४॥ परिवाडीपनवि
ठिज्जा। भिक्खूदत्तेसणाचरे। पडिरूवेणएसित्ता। मिअंकालेणभक्खए॥ ५॥ ... ... नाणेसि
भक्खू॥ ... ... तमइक्कमे॥ ... ...
एगफासुयं ... पडिगाहेज्ज संजए॥ ... अप्पपाणेप्पबीयम्मि पडिच्छन्नंमि संवुडे। स
मयं संजए भुंजे ... ...
... ...
... ...
... ...
... ...
... ...

ङ्जार ऊछ्र त्रायें ऽषमध्या । तमायर ताववदाणं । गवंतामिर हर्ड ।४७। समणेणं वकमणं डाणि
ना ॰रिय [illegible] तर्पलिप्रवायाण कम्मुणा उववायए ॥ ॥ 'हत्त ख्रह्मोऽणतिहं' वियदवइसुत्ता
ऽपु ज्ञदोतइछसुकङ्गं हि ब्राणंकवइसया ।४८। तहाणमड महावी लापकिनीयज्ञावड लवर्ड
हि ॰णमरणोत्त्ववाणऊयइजन्ना ॥ ॥तुज्ञा ॥ ज्ञम्मयवंयति। मत्तुणाउवभत्तया। दसणोला
न॰ मति। विउलउहियसुत्र ॥ ॥ लोउलम लहसुतिणीयं'। समणमणोकडविठइकंममं।
णमा। नवीसमायारिसमादि पत्तडमरम कइंपवटयाऽपालिया ॥ ॥ सदवगंध
लग॰ ण्मप्रइवस्त्र हंतमतुपकरहयं ।सि छवादवइमासया। दावदासप्पररमहिद्दि।
धहि।ऊमि॥ [illegible] ॥ ॥ सुयं मे आउसं तेणं भगवया एवमक्खायं इ
ह खलु बावीसं परीसहा समणेणं भगवया महावीरेणं कासवेणं पवेइया जे भिक्खू सोच्चा नच्चा जिच्चा
अभिभूय भिक्खायरियाए परिव्वयंतो पुट्ठो नो विहन्नेज्जा कयरे ते खलु बावीसं परीसहा समणेणं
भगवया महावीरेणं कासवेणं पवेइया जे भिक्खू सोच्चा नच्चा जिच्चा अभिभूय भिक्खायरियाए

परिव्वयंतो पुट्ठो नो विहन्नेज्जा इमे ते खलु बावीसं परीसहा समणेणं भगवया महावीरेणं कासवेणं पवेइया जे भिक्खू सोच्चा नच्चा जिच्चा अभिभूय भिक्खायरियाए परिव्वयंतो पुट्ठो नो विहन्निज्जा तंजहा ॥ दिगिंछापरीसहे १ पि
वासापरीसहे २ सीयप॰ ३ उसिणप॰ ४ दंसमसयप॰ ५ अचेलप॰ ६ अरइप॰ ७
इत्थीप॰ ८ चरियाप॰ ९ निसीहियाप॰ १० सिज्जाप॰ ११ अक्कोस॰ १२ वहप॰ १३ जायणाप॰ १४
अलाभप॰ १५ रोगप॰ १६ तणफासप॰ १७ जल्लप॰ १८ सक्कारपुरक्कारप॰ १९ पन्नाप॰ २०
अन्नाणप॰ २१ दंसणपरीसहे २२ ॥ परीसहाणं पविभत्ती कासवेणं पवेइया तं भे उ
दाहरिस्सामि आणुपुव्विं सुणेह मे ॥१॥ दिगिंछापरिगए देहे तवस्सी भिक्खु थामवं न
छिंदे न छिंदावए न पए न पयावए ॥२॥ कालीपव्वंगसंकासे किसे धमणिसंतए मायन्ने
असणपाणस्स अदीणमणसो चरे ॥३॥ तओ पुट्ठो पिवासाए दोगुंछी लज्जसंजए सीओदगं न
सेविज्जा वियडस्सेसणं चरे ॥४॥ छिन्नावाएसु पंथेसु आउरे सुपिवासिए परिसुक्कमुहादीणे
तं तितिक्खे परीसहे ॥५॥ चरंतं विरयं लूहं सीयं फुसइ एगया नाइवेलं मुणी गच्छे सोच्चाणं जि
णसासणं ॥६॥ न मे निवारणं अत्थि छवित्ताणं न विज्जई अहं तु अग्गिं सेवामि इइ भिक्खू न चिंतए



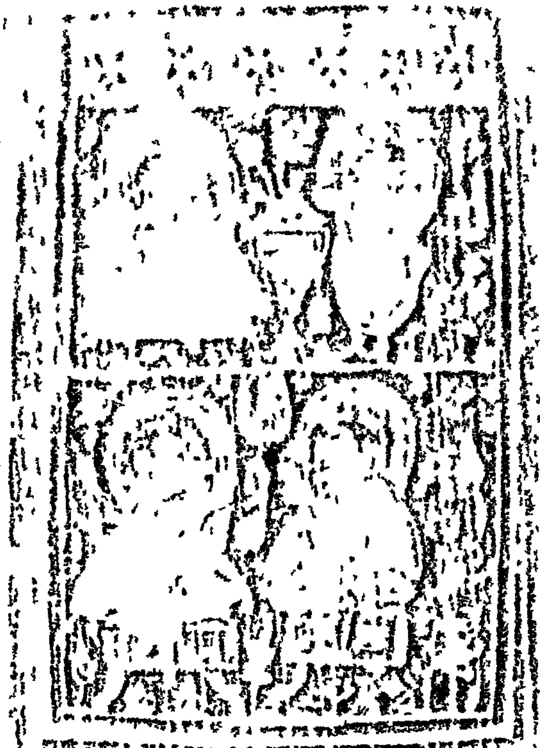
उसिणप्परियावेणं परिदाहेण तज्जिए घिंसु वा परितावेण सायं नो
परिदेवए ॥८॥ उण्हाहितत्तो मेहावी सिणाणं नो वि पत्थए गायं नो
परिसिंचेज्जा न वीएज्जा य अप्पयं ॥९॥ पुट्ठो य दंसमसएहिं सम
रेव महामुणी नागो संगामसीसे वा सूरो अभिहणे परं
॥१०॥ न संतसे न वारेज्जा मणं पि न पओसए उवेहे न हणे पाणे
भुंजंते मंससोणियं ॥११॥ परिजुन्नेहिं वत्थेहिं होक्खा
मि त्ति अचे लए अदुवा सचेलए होक्खं इइ भिक्खू न चिं
तए ॥१२॥ एगया ऽचेलए होइ सचेले आवि एगया एयं धम्महि
यं नच्चा नाणी नो परिदेवए ॥१३॥ गामाणुगामं रीयंतं अणगारं अ
किंचणं अरई अणुप्पविसे तं तितिक्खे परीसहं ॥१४॥ अरइं पिट्ठओ
किच्चा विरए आयरक्खिए धम्मारामे निरारंभे उवसंते मुणी चरे ॥

॥१५॥ संगो एस मणूसाणं जाओ लोगंमि इत्थिओ जस्स एया परिन्नाया सुकडं तस्स सामन्नं ॥१६॥ एयमादाय
मेहावी पंकभूयाउ इत्थिओ नो ताहिं विणिहन्नेज्जा चरेज्जत्तगवेसए ॥१७॥ एग एव चरे लाढे अभि
भूय परीसहे गामे वा नगरे वा निगमे रायहाणिए ॥१८॥ असमाणे चरे भिक्खू नेव कुज्जा परिग्गहं
असंसत्तो गिहत्थेहिं अणिकेओ परिव्वए ॥१९॥ सुसाणे सुन्नगारे वा रुक्खमूले व एगओ अकुक्कु
ओ निसीएज्जा न य वित्तासए परं ॥२०॥ तत्थ से अच्छमाणस्स उवसग्गाभिधारए संकाभीओ
न गच्छिज्जा उट्ठित्ता अन्नमासणं ॥२१॥ उच्चावयाहिं सेज्जाहिं तवस्सी भिक्खु थामवं न
इवेलं विहन्निज्जा पावदिट्ठी विहन्नइ ॥२२॥ पइरिक्कुवस्सयं लद्धुं कल्लाणं अदुव पावगं
किमेगराइं करिस्सइ एवं तत्थ ऽहियासए ॥२३॥ अक्कोसिज्ज परो भिक्खुं न तेसिं पडिसंजले
सरिसो होइ बालाणं तम्हा भिक्खू न संजले ॥२४॥ सोच्चाणं फरुसा भासा दारुणा गामकंटया तुसिणी
ओ उवेहेज्जा न ताओ मणसीकरे ॥२५॥ हओ न संजले भिक्खू मणं पि न पओसए तितिक्खं परमं नच्चा
भिक्खुधम्मं विचिंतए ॥२६॥ समणं संजयं दंतं हणिज्जा कोइ कत्थइ नत्थि जीवस्स नासो त्ति ए

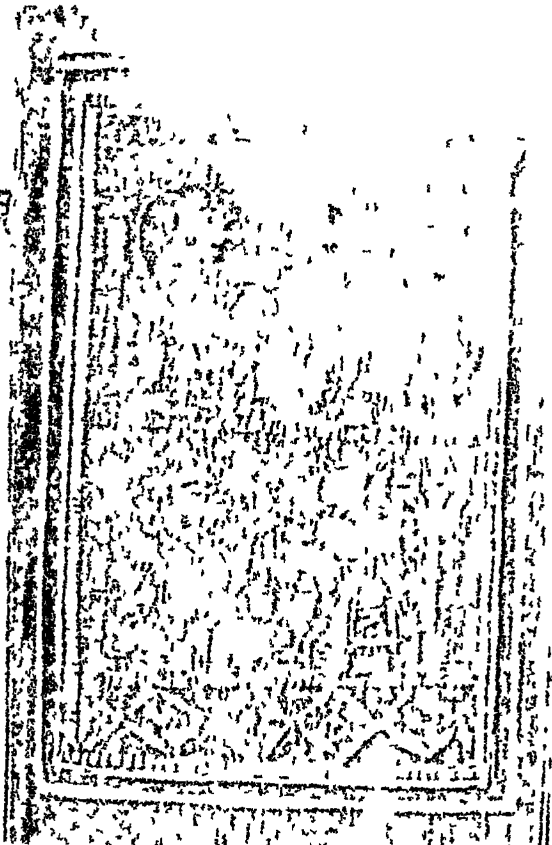
वं पेहिज्ज संजए॥ २७॥ दुक्करं खलु भो निच्चं अणगारस्स भिक्खुणो॥ सव्वं से जाइयं होइ नत्थि किंचि अ
२ जाइयं॥ २८॥ गोयरग्गपविट्ठस्स पाणी नो सुप्पसारए सेउ अगारवासुत्ति इइ भिक्खू न चिंतए॥
॥ २९॥ परेसु घासमेसिज्जा। भोयणे परिणिट्ठिए। लद्धे पिंडे अलद्धे वा नाणुतप्पिज्ज संजए॥
॥ ३०॥ अज्जेवाहं न लब्भामि अवि लाभो सुए सिया। जो एवं पडिसंचिक्खे अलाभो तं न तज्ज
ए॥ ३१॥ नच्चा उप्पइयं दुक्खं वेयणाए दुहट्ठिए। अदीणो थावए पन्नं पुट्ठो तत्थहियास
ए॥ ३२॥ तेगिच्छं नाभिनंदिज्जा संचिक्खत्तगवेसए एवं खु तस्स सामन्नं जं न कुज्जा
न कारवे॥ ३३॥ अचेलगस्स लूहस्स संजयस्स तवस्सिणो तणेसु सयमाणस्स हुज्जा
गायविराहणा॥ ३४॥ आयवस्स निवाएणं अउला हवइ वेयणा. एवं नच्चा न सेवंति तंतुजं
तणतज्जिया॥ ३५॥ किलिन्नगाए मेहावी पंकेण व रएण वा घिंसु वा परितावेण. सायं नो परिदे
वए॥ ३६॥ वेएज्ज निज्जरापेही. आरियं धम्मणुत्तरं, जाव सरीरभेउत्ति जल्लं काएण धारए॥
अभिवायणमब्भुट्ठाणं. सामी कुज्जा निमंतणं जे ताइं पडिसेवंति न तेसिं पीहए मुणी अ

णुक्कसाई अप्पिच्छे अन्नाएसी अलोलुए। रसेसु नाणुगिज्झिज्जा नाणुतप्पिज्ज पन्नवं॥ ३९॥ से नूणं म
ए पुव्वं कम्माणाणफला कडा॥ जेणाहं नाभिजाणामि॥ पुट्ठो केणइ कण्हुइ॥ ४०॥ अह पच्छा उइज्जं
ति कम्माणाणफला कडा एवमस्सासि अप्पाणं नच्चा कम्मविवागयं॥ ४१॥ निरट्ठगंमि विरउ मेहु
णाउ सुसंवुडो॥ जो सक्खं नाभिजाणामि॥ धम्मं कल्लाणपावगं॥ ४२॥ तवोवहाणमादाय प
डिमं पडिवज्जउ॥ एवं पि विहरउ। मे छउमं न नियट्टइ॥ ४३॥ नत्थि नूणं परे लोए, इड्ढी वा
वि तवस्सिणो॥ अदुवा वंचिउ मि त्ति। इइ भिक्खू न चिंतए॥ ४४॥ अभू जिणा अत्थि जि
णा॥ अदुवावि भविस्सइ मुसं ते एवमाहंसु इइ भिक्खू न चिंतए॥ ४५॥ एए परीसहा सव्वे
कासवेण पवेइया॥ जे भिक्खू न विहन्निज्ज पुट्ठो केणइ कण्हुइ त्ति बेमि॥ ४६॥
परीसहज्झयणं सम्मत्तं॥ २॥ छ॥ चत्तारि परमंगाणि॥ दुल्लहाणीह जंतुणो॥ माणुसत्तं सुई सद्धा सं
जमंमि य वीरियं॥ १॥ समावन्नाण संसारे नाणागोत्तासु जाइसु। कम्मा नाणाविहा कट्टु पुढो
विस्संभिया पया॥ २॥ एगया देवलोएसु नरएसु वि एगया। एगया आसुरं कायं अहाकम्मेहिं गच्छ

ऽ ह गगना [illegible] तत्थं [illegible] तत्थकीइणयमाया
[illegible] पिवीलिया गयमावइ [illegible] पाणिणाकमलि [illegible]
[illegible] जीबिइ [illegible] कम्मसंगहिमस्
[illegible] आमाणु [illegible] [illegible]
[illegible] उवाणाणि [illegible] [illegible]
[illegible] जीवा [illegible] पता [illegible] [illegible]
[illegible] सुईधम्मस्स [illegible] [illegible]
[illegible] ति तवे [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] धम्मसह [illegible]



तवसीवीरियं [illegible] सोहीउज्जुय [illegible] धम्मासुद्ध [illegible] निव्वाण [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] विसाल [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] सुहाम [illegible] [illegible]
[illegible] केवल [illegible] चउरंग [illegible] [illegible]
कम्मसे [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]



[illegible] मोहेति [illegible] अणुमा [illegible] उत्तीयम
[illegible] पवाय [illegible] पनरए [illegible] पुवनानरक्केविति
[illegible] [illegible] कम्मुणा [illegible] एवं
[illegible] [illegible] कम्माण [illegible]
संसारसा [illegible] साधारणा [illegible] कारकम्मं
कम्मन [illegible] मातत [illegible] [illegible]
[illegible] ति [illegible] पमात [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] नवी [illegible] आउपात्र
[illegible] सरीर [illegible] पमत [illegible] चार
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] पछा परितप्पमत्ता [illegible] कलि [illegible] सिरि [illegible]
[illegible] पमत्ता [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] सरीरस्स [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] एकीव [illegible]
[illegible] [illegible] समणट्टरत्ते [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] तहप्पगार [illegible]
[illegible] [illegible] पयाहिब [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] पमत्ता [illegible] [illegible] तइ [illegible] इमं
[illegible] [illegible] अकाममरणं चेव सकाममरणं तहा
[illegible] अकामं तु मरणं असइं [illegible] पंडियाणं सकामं तु [illegible] सइं [illegible] तत्थिमं पढमं ठाणं

महावीरेण देसियं कामगिद्धे जहा बाले भिसं कूराइं कुव्वई ४
जे गिद्धे कामभोगेसु एगे कूडाय गच्छई न मे दिट्ठे परे लोए चक्खु
दिट्ठा इमा रई ॥ ५ ॥ हत्थागया इमे कामा कालिया जे अणागया
को जाणइ परे लोए अत्थि वा नत्थि वा पुणो ॥ ६ ॥ ... णेण सद्धिं
होक्खामि ॥ इइ बाले पगब्भइ । कामभोगाणुरा ... एणं । के
सं संपडिवज्जई ७ तओ से दंडं समारंभे तसे ... सु थाव
रेसु य । अट्ठाए य अणट्ठाए भूयग्गामं विहिंसइ ... ८ । हिं
से बाले मुसावाई माइल्ले पिसुणे सढे । भुंजमा ... णे सुरं मं
सं सेयमेयं ति मन्नई ॥ ९ ॥ कायसा वयसा मत्ते वित्ते गिद्धे य
इत्थिसु दुहओ मलं संचिणइ सिसुनागु व्व मट्टियं ॥ १० ॥ तओ पुट्ठो
आयंकेणं गिलाणो परितप्पइ पभीओ परलोयस्स । कम्माणु



प्पेहि अप्पणो ॥ ११ ॥ सुया मे नरए ठाणा असीलाणं च जा गई बालाणं कूरकम्माणं ॥ पगाढा जत्थ वे
यणा ॥ १२ ॥ तत्थोववाइयं ठाणं जहा मे तमणुस्सुयं आहाकम्मेहिं गच्छंतो । सो पच्छा परितप्पइ ॥ १३
॥ जहा सागडिओ जाणं समं हिच्चा महापहं । विसमं मग्गमोइण्णो अक्खे भग्गम्मि सोयई ॥ १४ ॥ एवं
धम्मं विउक्कम्म अहम्मं पडिवज्जिया । बाले मच्चु ... मुहं पत्ते अक्खे भग्गे व सोयई ॥ १५ ॥ तओ से मर
णंतम्मि बाले संतस्सई भया ॥ अकाममरणं ... मरइ धुत्ते व कलिणा जिए ॥ १६ ॥ एयं अका
ममरणं ॥ बालाणं तु पवेइयं । इत्तो सका ... ममरणं पंडियाणं सुणेह मे ॥ १७ ॥ मर
णं पि सपुण्णाणं ॥ जहा मेतमणुस्सुयं ॥ विप्प ... सण्णमणाघायं संजयाणं वुसीमओ ॥ १८ ॥ न
इमं सव्वेसु भिक्खूसु न इमं सव्वेसुगारिसु ॥ नाणासीला अगारत्था । विसमसीला य भिक्खु
णो ॥ १९ ॥ संति एगेहिं भिक्खूहिं गारत्था संजमुत्तरा ॥ आगारत्थेहि य सव्वेहिं साहवो संजमु
त्तरा ॥ २० ॥ चीराजिणं निगिणिणं जडी संघाडि मुंडिणं ॥ एयाणि वि न तायंति दुस्सीलं परिया
गयं ॥ २१ ॥ पिंडोलए व दुस्सीले नरगाओ न मुच्चई । भिक्खाए वा गिहत्थे वा सुव्वए कमई दिवं ॥

[illegible] मातिनासा ऽ श्रुगाऽ. सव्वीकाणणकासए णोसद्दंकुद्दउयंकं एगराइनद्दावए [illegible]
[illegible] गिद्धवासविसुद्धए कुद्धऽद्धविपछात्तगाद्धिऽरूकसालागर्यं [illegible] श्रुद्दा
[illegible] कुडिसिरक्क. ऽएऽ [illegible] सेहूनरकप्पदीगाणा दव वाविमद्दद्दिए [illegible] उन्नराऽ
[illegible] ऽ कुऽमताणउद्भसो. णामाऽणाऽम। ऽारकद्दि. श्रवासाऽऽासंमिणा [illegible] दीहा
[illegible] द्दिसं तासमिणकामक्रविणाः श्रऽ णावद्वणसंकाला कुद्दाश्रद्विमालियना।
ताणिवाणाणिगिद्धंति सिविताम। ऽसतवं निरकाएवागिदाद्ववा। ऽसंते
परिलिवुद्धा [illegible] तमिउद्धाकुद्धाणं संऽ याएावुसीमत्र नसेतपेतमरणात। सीलह
वताव कुसुद्दा [illegible] द्दलियाविससमादाय दयाभसस्सखेतिए विप्पसीऽद्धामद्दावी।
तद्दावणउण्णा [illegible] तत्रकालश्रपिणिय सदितालिसमंमिए विणएद्धालामद्द रिसं। तल
यादद्दस्सकरवए [illegible] श्रद्दकालंमिसंपत्ते आघायाप्पससुस्सयं सकाममरणमरऽ। ति
द्दसनयरंद्धणिविवमि [illegible] ऽावंतविद्दाकुरिसा सव्वेतऽ



रकसंसयाकुप्पंतिवहुसामूढा संसारंमिअणंतए १ समिरक
पंडिएतद्दा पासऽाऽपादबऽ अणाणपहसमिछा मितद्द
एद्दकप्पए [illegible] आयापियाणलाया नद्दाकुतायतरसा [illegible]
समणाए तु प्पितस्सकम्मणा । एयमसंठायकाए [illegible]
सयदंसए [illegible] ण हिंदिणदिसाणादिठ नकाण [illegible]
वे [illegible] वासं सणिञ्जडलं. पमाया [illegible]
सद्दसेयं। वऽत्तागं कालकूवीलस्सामि [illegible]
णसविद्या ४। एधक्क उवरकरं पद्दमाणसकः [illegible]
कुरवाउसाञ्जणा [illegible] छन्नेनुसहत्रमद्दाःदिम्मयाण [illegible]
नद्दाणपाणिणपाणा सद्दावणउउहूरए आयो [illegible]
दिस्सं। नाऽएद्धतणसदि णनुझीञ्जप्पाणपाठ [illegible]

भोयणं।।८।। इहमेगेउमन्नंति। अपच्चक्खायपावगं। आयरियंविदित्ताणं। सव्वदुक्खाणविमुच्चई
।।९।। भणंताअकरिंताय। बंधमुक्खपइण्णिणो। वायावीरियमत्तेणं। समासासंतिअप्पयं।।१०।। न
चित्तातायएभासा। कउविज्जाणुसासणं। विसन्नापावकम्मेहिं। बालापंडियमाणिणो।।११।। जे
केईसरीरेसत्ता। वण्णेरूवेयसव्वसो। मणसाकायवक्केणं। सव्वेतेदुक्खसंभवा।।१२।। आ
वन्नादीहमद्धाणं। संसारंमिअणंतए। तम्हासव्वदिसंपस्स। अप्पमत्तोपरिव्वए।।१३।। ब
हियाउड्ढमादाय। नावकंखेकयाइवि। पुव्वकम्मखयट्ठाए। इमंदेहंसमु
द्धरे।।१४।। विगिंचकम्मुणोहेउं। कालकंखीपरिव्वए। मायंपिंडस्सपाणस्स। कडंलद्धूण
भक्खए।।१५।। संनिहिंचनकुव्विज्जा। लेवमायाएसंजए। पक्खीपत्तंसमादाय। निरवेक्खोप
रिव्वए।।१६।। एसणासमिउलज्जू। गामेअनिअउचरे। अप्पमत्तोपमत्तेहिं। पिंडवायंगवेसए।।१
७।। एवंसेउदाहुअणुत्तरनाणी। अणुत्तरदंसी। अणुत्तरनाणदंसणधरो। अरहानायपुत्तेभयवं
वेसालीएवियाहिएत्तिबेमि।।१८।। खुड्डागनियंठिज्ज [illegible] जहाएसंसमुद्दिस्स।। कोइपो

सिज्जएलयं।। उयणंजवसंदिज्जा। पोसिज्जाविसयंगणे।।१।। तउसेपु[illegible]रिवूढे। जायमेएमहोद
रे। पीणिएविउलेदेहे। आएसंपरिकंखए।।२।। जावनएइआएसे। तावजीवइसेदुही। अहपत्तंमिआ
एसे। सीसंछित्तूणभुंजई।।३।। जहासेखलुउरब्भे। आएसाएसमीहिए। एवंबालेअहम्मिट्ठे। ईहइन
रयाउयं।।४।। हिंसेबालेमुसावाई। अद्धाणंमिविलोवए। अन्नदत्तहरेतेणे। माईकण्हहरेस
ढे।।५।। इत्थीविसयगिद्धेय। महारंभपरिग्गहे। भुंजमाणेसुरंमंसं। परिवूढेपरंदमे।।६।। अ
यकक्करभोईय। तुंदिल्लेचियलोहिए। आउयंनरएकंखे। जहाएसंवएलए।।७।।
आसणंसयणंजाणं। वित्तंकामेयभुंजिय। दुस्साहडंधणंहिच्चा। बहुंसंचिणियारयं
।।८।। तउकम्मगुरुजंतू। पच्चुप्पन्नपरायणे।। अयव्वआगयाएसे। मरणंतंमिसोयइ।।९।।
तउआउपरिक्खीणे। चुयादेहविहिंसगा।। आसुरियंदिसिंबाला। गच्छंतिअवसातमं।।१०।। जहा
कागिणिएहेउं। सहस्संहारएनरो। अपत्थंअंबगंभुच्चा। रायारज्जंतुहारए।।११।। एवंमाणुस्सगाकामा
देवकामाणअंतिए। सहस्सगुणियाभुज्जो। आउंकामायदिव्विया।।१२।। अणेगवासानउया।।

[illegible]



[illegible]



मांतेसिडरकद. राजकिं नामकुछतकामयं डाणक्रड
ग्रंथनगछिछा ॥ ठिझादेत्रपुत्रसंजोग. नसिणदकदव
कविछाञ्जसिणदसिणदकरदि. दासपडमेदितिर
रक्षा॥ तनागदसाणसमाणा दियनिसेसापय
सवा। [illegible] डीवाण तसिसिमुरकणठापलासइसुणि
वा [illegible] लविगयमाद्रा. [illegible] सवंगवकलदव
विप्प [illegible] दाद्रतवाविदतिरक. माढुकामडापस्र
पासमा। [illegible] णतलिपइताइ. [illegible] लागामसहासविस
लदिय निसेयमवुक्खुयव्र तालयमदरदट. व्रह
स्रइमन्नियावर्त्तसि [illegible] डपारिवयाइमकामा॥ता
सुडाहाञ्जभीरपुरिसादि. ञ्जदसंतिसुळयासाका लतरं

तिञ्जतरंवणियावा ६ समणाञ्जपगवयमाण. पाणादसियाञ्जयाणंता मंदातिरवंगहेति वा
लापवियादिदिहीदि [illegible] नकुपाणवंदञ्जणुत्ताणञ्जहिइ कयाइ सछ कम्माणं गुवाहरिणदिञ्ज
रकायाडादिइमेसाक धम्मापणता॥ ॥ पाणावयनाइयाइछा. सेसमीइविवुद्दइ तगलपावदे
कम्मा निकाइ ञ्जदयंव सुलाउ। ॥ डागनिसा [illegible] सिपदिसपदितसनीसदिहावरदिय तति
सिमारालदेइ। मणसावयसाकायसावव [illegible] सुछाणमाणानचाणा नडवविछ
तिरकुछयाण. डायाणासमसिहार [illegible] गणिछनसियातिरवाए [illegible] पताणि टे
वलविछा॥ सीयपिंडपुराणकुमास ञ्जडु। [illegible] कम्मवूलागगा डवणठाएवनिनवरमवु
॥ला॥ हलरकाणवसुत्ति॥ ञ्जगविहंचडा। [illegible] पउडाति नकातसमणाहुहति पवन्नाञ्जरि
दिरकायं॥ ७ इदडीवियंञ्जनियमिना. पवगा समादिडाणदिति कामातगरसुणिछा उदव्र
तीञ्जाञ्जरकाए॥ ८॥ तन्नाविउवहित्ता संसारवकञ्जपरिडटादि वकुकम्मलेवलिताण वाहिंते
इछुडत्हाणसि [illegible] कसिणपिडाइमलाए. पडिपन्नदलिव्रइकम्स तणाविलनइए. छा

इइ दुप्पूरए इमे आया ॥१६॥ जहा लाहो तहा लोहो लाहा लोहो पवड्ढइ दोमासकयं कज्जं कोडीए
न निट्ठियं ॥१७॥ नो रक्खसीसु गिज्झिज्जा गंडवच्छासु णेगचित्तासु जाओ पुरिसं पलोभित्ता खेल्लंति जहा
व दासेहिं ॥१८॥ नारीसु नोवगिज्झिज्जा इत्थीविप्पजहे अणगारे धम्मं च पेसलं नच्चा तत्थ ठविज्ज
भिक्खु अप्पाणं ॥१९॥ इइ एस धम्मे अक्खाए कवि लेणं च विसुद्धपन्नेणं तरिहिंति जे उ काहिंति
तेहिं आराहिया दुवे लोगत्ति बेमि ॥ चइऊण देवलोगाओ उवव
न्नो माणुसंमि लोगंमि उवसंतमोहणि ज्जो सरई पोराणियं जाइं ॥१॥ जाइं सरि
त्तु भयवं सहसंबुद्धो अणुत्तरे धम्मे पुत्तं ठवित्तु रज्जे अभिणिक्खमई नमी राया
॥२॥ सो देवलोगसरिसे अंतेउरवरगओ वरे भोए भुंजित्तु नमी राया बुद्धो भोगे परिच्चयई
॥३॥ मिहिलं सपुरजणवयं बलमोरोहं च परियणं सव्वं चिच्चा अभिनिक्खंतो एगंतमहिट्ठिओ भय
वं ॥४॥ कोलाहलगसंभूयं आसी मिहिलाए पव्वयंतंमि तइया रायरिसिंमि नमिंमि अभिनिक्ख
मंतंमि ॥५॥ अब्भुट्ठियं रायरिसिं पव्वज्जाठाणमुत्तमं सक्को माहणरूवेणं इमं वयणमब्बवी



॥६॥ किण्णु भो अज्ज मिहिलाए कोलाहलगसंकुला सुव्वंति
दारुणा सद्दा पासाएसु गिहेसु य ॥७॥ एयमट्ठं निसामित्ता हे
ऊकारणचोइओ तओ नमी रायरिसी देविंदं इणमब्बवी ॥ मि
हिलाए चेइए वच्छे सीयच्छाए मणोरमे पत्तपुप्फफलो
वेए बहूणं बहुगुणे सया ॥९॥ वाएण हीरमाणंमि
चेइयंमि मणोरमे दुहिया असरणा अत्ता
एए कंदंति भो खगा ॥१०॥ एयमट्ठं निसामित्ता
हेऊकारणचोइओ तओ नमिं रायरिसिं देविंदो इ
णमब्बवी ॥११॥ एस अग्गी य वाऊ य एयं डज्झइ मंदिरं भय
वं अंतेउरं तेणं कीस णं नावपेक्खह ॥१२॥ एयमट्ठं निसा
मित्ता हेऊकारणचोइओ तओ नमी रायरिसी देविंदं इण

[illegible] सुद [illegible] गीवाला [illegible] विकिवण [illegible] निगमाणीय नाम [illegible] किवा
लिउ [illegible] निवाना [illegible] पिटनि [illegible] कि अणिघो नवि छई बक
[illegible] मासेहं [illegible] लिणाण [illegible] विणसुत [illegible] गगनमाणपसत पढमं छनिक्खि
[illegible] तकारणाओ [illegible] तवनिमित्ताणारकि दविवाडणामवत्ती पागारकार [illegible]
[illegible] तवल [illegible] उगाहित्तिखहिता पढमं छतिलामित्ता
[illegible] कारणाओ [illegible] तवनिमित्ताणारिसी द [illegible] विदसणामवत्ती सकंतगरकिहा
[illegible] लिकणवागार तियुं [illegible] पणुवरकम्मकिहा डी
[illegible] किहा [illegible] लित्ता तवनागयक्कातिणं सिव
[illegible] विगयसंगामि [illegible] पढमछतिक्खामित्ता छिकारणाओ
इत्ता तवनिमित्तणारसि दविवाणामवत्ता [illegible] बडमाणगिलाणिय वालग
[illegible] पढमछनिक्खामित्ता दकणकारणाओइत्ता तवनिमि

दरसि दविदणामवत्ती [illegible] सलदं खलु [illegible] सिग्घिता न
[illegible] पढमं छतिक्खामित्ता छिकारणाओइत्ता तवनिमित्तणारिसि दविवाडणा
मवत्ती [illegible] लोमहाि [illegible] सरक्क सकाकोणं [illegible]
पढमछनिक्खामित्ता दकारणाओइत्ता तव [illegible] दविदाणामवत्ती [illegible]
[illegible] मिवादद्दाप [illegible] [illegible] सुछइकरणा [illegible]
[illegible] तिक्खामित्ता तवनिमित्तणारिसि दा [illegible] णामवत्ती [illegible]
[illegible] निक्खहिता [illegible] तवार [illegible] पढम [illegible]
[illegible] कारणाओइत्ता तवनिमित्तणारिसी दविदा णामवत्ती [illegible]
[illegible] पणाम [illegible]
[illegible] पविद्धं [illegible] माण [illegible]
[illegible] पढम [illegible] कारणा [illegible]

नमिणव्वसिी॥ हिविदाहणमहु॥ ७५ ज्जहाविहलं डीले । [illegible] समणसमणा [illegible]
णथडिमयालठगवसिणविया ७८ पयमठंवणासिना हेनुलारणताछत्त नइमाणणयंए
१ दिवढंइणमहुवी [illegible] जाणदस्सपदस्साणं मासमासमगंठदए नम्मादिणहुमालाउ अ
दितस्माविकिंसणि । पयमठलसामिनाएउ कारणछाईट नउनामरणविणी दिदिहाणा
राहदणाए। छाणामवडस्ताण अ तयवी मिआसम जदवाणपदरउ नणाहमणु
याहिणाए पयमठंतिसामिनाए । मासमासणछकवालो कपलणणत्तनुह
जिनलाहयकाउ४मस्स कलंड्यपहले ७लसिं । पयमठंतिसामिनाए दि
णणहुवाणंमणिहवं कंसेहसवणादणं कोसं वहावहनाण नउनहाणिवदिया पय
मठंतिसामिनाए॥ हुहनलद्वरस्लउपढयालविसिया दुकिलाससमाअंसरदया नवसालु
हस्सनातहिकिछिडहाक अागमसमाअणतिवा ५८ कुढवीसालीकवादव हिणणपहालि
नहालढिहलं नालालगन्न हहदिहानवचरा॥ पयमठंतिसामिनाए अाद्दवगमहव

[illegible] तकामपाहसिमंकाणाणं विहहसि ७९॥ पयमठंतिसामिनाए॥ [illegible]
सीतिमावमा काणपाहमाणा अकामाडावतिदिमाई । अदिवय
हकोढ्वाणा [illegible] माथागहयदिगयानुलालाउहहउलय ८० अवउपिअणमादा
हवंदिकलिणहदनावदहअतिकणाला हसा दिसकगदिवसहि॥ अहालाणिछिउकाा
णाअहालमाणपलहिउ अहालतिरंति यामाया अहालतलालवलीकउ अ
हालअहुंदलाक अहालसाकमदवं अ हालउवलाददली अहालहालिउनमा
णपडाहवेलउहलालत पहाहाहलिउहा णा लायुनमडवलेवाणं लिडिगहेहसिनी
तेउाणं॥ पंवअलिकणाला णवतिलिउनमाउ हसहाण॥ पायाहिणिकाणाल हुणायवंदह
हालाए णलंदिअणयाए। सहकसलवकाण हुणिवरस्स॥ अगासपुपच्छ्इ॥ वनलंकहुलति
महीलि लसीजमनअयाणं हवकसहिजगवे डउ विहडमणहवहटहिा॥ कालणपहकविं
वाल णवकारंतिसहुणा। पडियाय विवरकणा विगर्थतिलगमहडलालतीयरंसिलितिलि

[illegible]

नमिपव्वज्जा ॥ दुमपत्तए पंडुयए जहा निवडइ
राइगणाण अच्चए एवं मणुयाण जीवियं समयं गोयम मा प
मायए॥१॥ कुसग्गे जह ओसबिंदुए थोवं चिट्ठइ लंबमाणए एव
मणुयाण जीवियं समयं गोयम मा पमायए॥२॥ इइ इत्ति
रयंमि आउए जीवियए बहुपच्चवायए॥ विहुणा
हि रयं पुरेकडं समयं गोयम मा पमायए॥ ३॥
दुल्लहे खलु माणुस्से भवे चिरकालेण वि स व्वपाणि
णं गाढा य विवाग कम्मुणो समयं गोयम मा पमायए॥४॥
पुढवीकायमइगओ उक्कोसं जीवो उ संवसे कालं संखाई
यं समयं गोयम मा पमायए॥५॥ आउक्कायमइगओ उक्को
सं जीवो उ संवसे कालं संखाईयं समयं गोयम मा पमाय

[illegible] सर्व प्राणिनां [illegible] गाढा [illegible] विपाका ॥४॥ पृथ्वीकाये गतः उत्कर्षतो जीवः [illegible] कालं संख्याधिकं समयं गोतम मा प्रमादीः ॥५॥ अप्काये गतः उत्कर्षतो जीवः संवसति समयं गोतम मा प्रमादीः ॥६॥



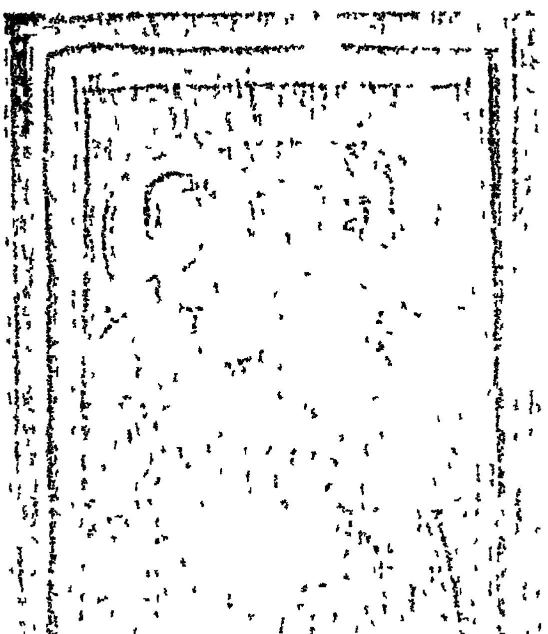
[illegible] ॥७॥ वायुकाये गतः ॥८॥ जीवो वनस्पतिकाये [illegible] उत्कर्षतः समयं गोतम ॥९॥ जीवो द्वीन्द्रियकाये गतः उत्कर्षतः [illegible] कालं [illegible] समयं गो ॥१०॥ [illegible] ॥११॥ [illegible] ॥१२॥ जीव पंचेन्द्रियकाये गतः [illegible] समयं गोतम ॥१३॥ जीवो देवे नैरयिके [illegible] गतः उत्कर्षतः एकैकं भवग्रहणं समयं गोतम ॥१४॥

ए॥६॥ तेउक्कायमइगओ उक्कोसं जीवो उ संवसे कालं संखाईयं समयं॥७॥ वाउक्कायमइग
ओ उक्कोसं जीवो उ संवसे कालं संखाईयं समयं गोय॥८॥ वणस्सइकायमइगओ उक्कोसं॥
कालमणंतदुरंतं समयं॥९॥ बेइंदियकायमइगओ उक्कोसं कालं संखिज्जसन्नियं समय
॥१०॥ तेइंदियकायमइगओ उक्कोसं कालं संखिज्जसन्नियं समयं॥११॥ चउरिंदियका
यमइगओ उक्कोसं कालं संखिज्जसन्नियं समयं॥१२॥ पंचिंदियकायमइगओ उ
क्कोसं सत्तट्ठभवग्गहणे समयं॥१३॥ देवे नेरइए य अइगओ उक्कोसं ए
किक्कभवग्गहणे समयं॥१४॥ एवं भव संसारे संसरइ सुहासुहेहिं कम्मेहिं
जीवो पमायबहुलो समयं॥१५॥ लद्धूण वि माणुसत्तणं आयरियत्तं पुणरावि दु
ल्लहं बहवे दसुया मिलक्खुया समयं गोय॥१६॥ लद्धूण वि आरियत्तणं अहीणपंचिंदिय
या हु दुल्लहा विगलिंदियया हु दीसइ समयं गोय॥१७॥ अहीणपंचिंदियत्तं पि से लहे उत्तमधम्मसुई हु
दुल्लहा कुतित्थिनिसेवए जणे समयं गोय॥१८॥ लद्धूण वि उत्तमं सुइं सद्दहणा पुणरावि

[illegible] कर्मभिर्जीवः प्रमादबहुलः प्रमादी [illegible] ॥१५॥ [illegible] पुनरपि दुर्लभं [illegible] ॥१६॥ [illegible] ॥१७॥ [illegible]

उइवत्ता मिक्खतिमं [illegible] धंमविइ [illegible] त्थाकाए [illegible] इक
मयुणसमुद्दिया [illegible] पडिक्कमइतसमीरयं केवलीपन्नत्तद्वंतिति लोमापवालिय
हायईसमयेण परिक्कमइतए मिनक्कवालद्दायई समयेण परिक्कमइतए मस
गबालगद्दायई समयेण परिक्कमइ। तए सेडिम्मवालयद्दायई समयेण
परिक्कमइतए सेवाइवालयद्दायई समयं २६ अरईगंडविसइया आयंकाविवि
द्दाकंपतिति विवडइविठं सइतसरी रंयं समयेण वुहिंटलिगाणाम
पगणा कुसयंसारयंरुपाणियं सेसइ सिगादवछाए समयेण विन्नाणेध
णियलारियं पवईउदिसि अणगारियं मा वंतमुणाविज्ञाईए समयेण अव
उहियसितवंधवं विउलंविवधणादमेयंयं मातेबिइंगावसए समयेण नक्कडि
णअच्छटाम्मईबकुमए दीम्मइमगादमिए सेपइतआउपाद समयेण अवा
साहियकटयापडं उबिल्लासिपडंमद्दालयगब्बसि समंविसोहिय समयेगायए

दिगनह्रविपा वे का आनका रो गा। विधा अनेकप्रकारो मे होय घात रोगास्मयति न वति ओपलविह्रुमति। जीवेरहित नाहि [illegible]
राग आत्मन। न द्रधिका मल सं न ना रद्दलवजलेस मवेस्टव वर्जित मनासमया॥ [illegible] पदादिनार्द [illegible]
[illegible] समया॥ [illegible] विस्तीर्णम [illegible]
[illegible] जिने विनाहम्पते [illegible]



अबालेक्कडलारवादए समेणविसमेवगादिया पद्माए ठाणुता
वा समयेण उइ तिणाकुसिअणावंदंसं किवुणाविठसितारम
गाउ अनिवुरणारंगमिला समयेण अणालेवरसेगामुसि
या सिहिणा यमलोयवाउसि रवसेवलिवंअणुत्तर सम
यए ॥ ३ ॥ छिपरितिवुडवर गामगएनगरवसङाए
सेति मा। ग्रंवूदए समयेण वुठम्मासेसमंत
गसिंथं मु कद्दियमइयउवसोहियं रागदोसेठहिंद
या सिहिणा यंगणमोयतिवेमि।
॥ ६ ॥ सेयोगाविष्पमुक्कस्स अणगारस्स भिक्खुणो आयार
पाउकरिस्सामि आणुपुव्विंसुणेदमे ॥ ७ ॥ [illegible] दिनि
छिहछलेवुढअणिग्यइ अलिक्कणउद्धवई अविणीएबुच्चइ

[illegible]

वजंबुदीवे जहा ते सामाइयमाणे कोट्ठागारस्स रक्खिए नाणाधन्नपडिपुन्ना एवं दवइ वजंबुए
नीलवंते महाविदेहे वासे जंबू नामं सुदंसणा अणाढिस्स देवस्स एवं दवइ वजंबुए जहा
मानुसुत्तरवरमलिलोणगंगमागहीया नीलवंते पवत्ता एवं जहा सेन नागप्पवरे सुमंदं
मंदरगिरी नाणाउसहिपज्जलंति एवं जहा सयंभुरमणे उदहिअक्खए नाना
रयणसंपन्ने एवं दवइ वजंबुए ॥ स सुदंसणीए समाउसए अविच्छिया कोन
हउं सहस्सगा सुयस्स पुन्नाविउलस्स ता इणे विउक्कस्सगइ मुत्तिमग्गया त
म्हा सुयमहिट्ठिज्जा उत्तिमटुं गवेसए जेणप्पाणं परं चेव सिद्धिं संपाउणिज्जासि त्ति बेमि
॥ बहुस्सुयपूया नामं [illegible] ॥ सोवागकुलसंभूओ गुणुत्तरधरो मुणी हरिएसबलो नाम आ
सी भिक्खू जिइंदिओ ॥ १ ॥ हरिएस साला पाउ उच्चार समिईसु यं जओ आयाणनिक्खेवे संजओ सु
समाहिओ ॥ २ ॥ मणगुत्तो वयगुत्तो कायगुत्तो जिइंदिओ भिक्खट्ठा बंभइज्जम्मि जन्नवाडमुवट्ठिओ
तं पासिऊणमेज्जंतं तवेण परिसोसियं पंतोवहिउवगरणं उवहसंति अणारिया जाई

मयपडिबद्धा हिंसगा अजिइंदिया अबंभचारिणो बाला इमं वयणमब्बवी ॥ ४ ॥ कयरे आगच्छइ दित्त
रूवे काले विगराले फोक्कनासे ओमचेलए पंसुपिसायभूए संकरदूसं परिहरिय कंठे ॥ ५ ॥ कयरे
तुमं इय अदंसणिज्जे काए व आसा इहमागओ सि ओमचेलगा पंसुपिसायभूया गच्छ क्खलाही किमि
हं ठिओ सि ॥ ६ ॥ जक्खो तहिं तिंदुयरुक्खवासी अणुकंपओ तस्स महामुणिस्स पच्छायइत्ता नियगं स
रीरं इमाइं वयणाइमुयाहरित्था ॥ ७ ॥ समणो अहं संजओ बंभयारी विरओ धणपयणपरि
ग्गहाओ परप्पवित्तस्स उ भिक्खकाले अन्नस्स अट्ठा इहमागओ मि ॥ ८ ॥ वियरिज्जइ खज्ज
इ भुज्जई य अन्नं पभूयं भवयाणमेयं जाणाहि मे जायणजीविणु त्ति सेसावसेसं ल
भऊ तवस्सी ॥ ९ ॥ उवक्खडं भोयण माहणाणं अत्तट्ठियं सिद्धमिहेगपक्खं न ऊ वयं एरिसम
न्नपाणं दाहामु तुज्झं किमिहं ठिओ सि ॥ १० ॥ थलेसु बीयाइं ववंति कासगा तहेव निन्नेसु य आस
साए एयाए सद्धाए दलाह मज्झं आराहए पुण्णमिणं खु खित्तं ॥ ११ ॥ खेत्ताणि अम्हं विइयाणि लोए जहिं
पकिण्णा विरुहंति पुण्णा जे माहणा जाइविज्जोववेया ताइं तु खेत्ताइं सुपेसलाइं ॥ १२ ॥ कोहो

[illegible]

[illegible]

वादवाणठाणीणाणाएठअ [illegible]
गणिगणाक्ति तदिणा [illegible] तितिर्द
वाहफटिरवमंत [illegible] ठिस [illegible] दिमा
णोत्रहमाकाणाणा कणिणायड [illegible] 13 नीनिठ [illegible] ज्ञालिदे
सुटद्विश्रयाणादि केवीलियानएहनमा [illegible] कुमात [illegible] माणनठान नक्
मुणीकाठगलवति पञ्चितशेष [illegible] तश्रतागतठे समाण्ठाणलसठि
काकाठाकनक्रतठावहिंतकर्शन तत्ता क्रगवलिकुयाक्रमाण श्रेणठधम
वत्रियाणगाण ज्ञलेविक्रयक्तश्पत्ता ञ सुत्रयाणशठ गोतरलो समागयासहझणा
णश्रश्ठ [illegible] श्रह्मसुलमतलाग नातवितिनश्रहिमा नेज्ञातनणालिनेक्रर नाणठझगास
जेणे [illegible] कांहणज्ञलिणवयगणि ज्ञञश्रहश्रगुयठछा वाटतिपठिवकमनयाणं माग
काक्रणारणणमठ्या [illegible] तवियगाभटयपुफताम दिज्ञातद्विवसुद्वाणवहुछा पदर

आठेहंनीठेंहसुरदिं श्रामाल श्रदाराणंवहुंठ वठ नरुठरुकुहीमकतालाविलाल वदीमइकाइ
विसमकोड लाहागसुनेद रिणरुताक झाल्मिलाइहिमवायुल [illegible] लिमाहयाठाइय
मारंतला उक्षणाणोदिवदिवाविलयदा डंमयहलाहिरिवेविणोदि नंतसुदि ठकलालवति
[illegible] कुश्ठद्वठतणाकठमपि माठंठपाप। उठसंफसंता पाणोइमयाइविवठवेना पुं
हापिद्दाठकदनदपाठं [illegible] लठचलतिक्का। वयलणाम पाताइकमाइपणोत्रयाम
[illegible] दस्त्रुलठ क्रललावयति . हजीवठ
रक्षश्रमारंतला लिपहुनठहतञ्चलवमा। णा पतिञ्चलगुहिउमाणमाव पठपरिंगा
तुरंतिहा [illegible] हुलहुसपठलिसवलिदि 5 दक्षीविहञ्चाणठेकरवमाणी वाननठकावाम
हिठिहन दा महाइांवठवइसकाराठ [illegible] लतलाइलेठलठाइलाणा कानहठावि
लेवालिपेरा पारठठवरमेलि [illegible] कयलणालमाणलणाकि [illegible] तागताईलीवा
[illegible] लोगमण्यामहीवाविरंम कमहायसठमठाणणं वाणक्रमाति इतेहय ठठ



[illegible]

[illegible]

चित्तधणंपत्तवं॥ पसाहियंमालगुणाठावयं ॥२॥ नहादिसीणिदयचारगर [illegible] नारीजणा [illegible] गवंता
स्व तुडादिलागाई इमा [illegible] पतप्राकृतरक तपुद्दनाद [illegible] णुजग नवोदकामागु
गसुणिद्ध। धम्मस्सिउसाहियाणुपही। गाहाइमवयणसुदाद्दविहा गविठिलवियसीयं सहनर
विडइ [illegible] सउत्थानरणनारा सत्तकामाडहाव हा बालोविगासेसुडहावदेसु नतसुद्धर
कामगु [illegible] सुराया विरत्तकामातवोधणाणं॥ नलिरकणसीलगुणारयाण नरिंदजा
ईउदसावगा॥ सावगजाईसुद्धउगया णं जदिसयंसठजाणसावसा वनीया
सावगनिवेसणसु [illegible] तासयजाईयउप वियाण बुद्धासुलावा [illegible] निवेसणसु सवा
लागछुगठाणिद्वा॥ इद्दठकसाइडरकडाई [illegible] सावाणसिरायस [illegible] णुसाग सहिहि
सुणकालवावेउवइवालागाई उसासयाइ आदाणादक उत्तिनिरक [illegible] दि [illegible] जादेदसाला
वसियंगहाय। मक्त्रनरनइकं उत्तकाले नतस्समाया वपियावत्ताया कालेमितमिस उरालवति
॥२१॥ नतस्सङरंकविरत्तंतिलाइउ॥ नसित्तवयानसुयानवधवा इक्कासयपठपुत्ता इरक कत्त

रलवत्तपुडाइकम्म रत्ता विज्ञाइ पयंवचउच्चयंच विहंगिदंधणंधन्नरसवो कम्मच्चविइउवलापच
डापएत्तवंसुदरयावगव [illegible] तणगउठसरीरगासा विइगयंदहियउणावगण नद्दायझालाविउ
नाइउ दायारमणं उणुकंसति ॥२२॥ उवणिझईडीविउमणमायं उणजागदरइनत्तरणं पवा
लसहावयणासुणादि साकालिकस्माइमहाल याइ [illegible] दउवदपिडाणालिडादेदसाड [illegible]
उमस्सादसिदहमियं लागाइलेसंगकरणंद वति। जइजइया आछोउवारसादि [illegible]
दहिणिउरसिणिला दहणनरवइमहि हयं कामालाणसुणिदण तियाणसं
दलइ [illegible] तस्सासयपडिकंतस्स इमएउ रसिफलं जाणमाणाविंउहस्स कामला
सेसु दहिवार ॥ नाणाकहापकडालावस्स ण रहुघलेनालिसस्सइतीर पविवयकामभु
गसुणिणा नतिरक्खणासगमपुहइयासा ॥२३॥ आवेड कालानुरतिराई उनयाविताग उवि
तानिहा उवित्तलागाउरिसू हयाति जमकहारवेणक [illegible] ॥ इइतसिलागवइउउम
ला उत्ताइकम्माइकामलणया वरसविउलउयया कंपा तवोहिसिटोवाइउसि [illegible] नन

लागेवइकणगुठी गिहेलुआरंनपलियद्देसु सोदंकउइन्निउ 
५ विपुला वागहामिराउआमंतिउसि तत्र पवालगयावयव
नद्दता साकम्मदत्तापयणाकाउ अणुत्तरडियकामलोगा
अणुत्तरएनरएपविठो २४ विनाविकामाहिं वरनका
सोउदगचारित्तनवामदेसी अणुत्त रसंय मपाल
इत्ता अणुत्तरंसिद्धिगइगउत्तिवेमि ॥ २५॥
मत्त ... दवासविनाणपुरस वंमी
कइंछुपगविमाणवासी पुरपुराणाउत्तुय ररनाम
रवायसमिठत्तुरलोयरास ॥ १॥ सकम्मसोसणउराकएणं
कालतुउणणचुयातपसया निविसंसारनयाउदाय डि
गोदमगसरणंपवना ॥ २॥ पुमतमागंकुमारदेवो पुराह

हिउनपाइसायपती विमालकित्तीयतहदुयालो सायहदेवीकमलावइया ॥ ३॥ डाईसरामपुत्तया
सितयावहिं विहारसिगाविठविना संसारचक्कस्सविसोरकणठा दहूणतेकामगुणाहिरता ॥ विपड
नगायोणविसाहिणक्षा सकम्मसीलस्सपुरोहियस्स सरित्तुपोराणियतवडाई तहाकुविणतव
सङमेव ॥ ५॥ तेकामलोगेसुअसज्जमाणा सा णुस्सएसुजयाविदिहावसारकाकिरवीअत्ति
डायसद्दा तातउवायसमुसंउदाकु ॥ ६॥ अ सासयंदहुइमंविहारं वक्कअत्तरायनयदी
हमाउं तह्मागिहंसीनरयंनना सो आसंत पामोवतिसालोमाग ॥ ७॥ अहतायगु
तहडुणीणतसिं तवस्सवाघायकरंवयासि इमंवय इमंठयावदविठावदंति डाहानढे
ठेअपुवाणसोगो ॥ ८॥ अहिजवेयपरिविस्स विप्पो पुत्तपरिठिप्पगिहंसिडाया पुत्ताणसा
सुपदङं ... आडि आरणगाहहुणीपसडा ॥ ९॥ सोयग्गिणाआयगुणिंधणां मोहानिलापज्जल
णाहिएणं ... नत्तहियंलालप्पमाणं कडडकेवा ॥ १०॥ पुरोहियंतंकमसोणुणंत नि
मंतयंतंसहपुरंसाण ... इहकाम ... गुणेहि ... जणारसोलावयणमिरकव ... सा ...

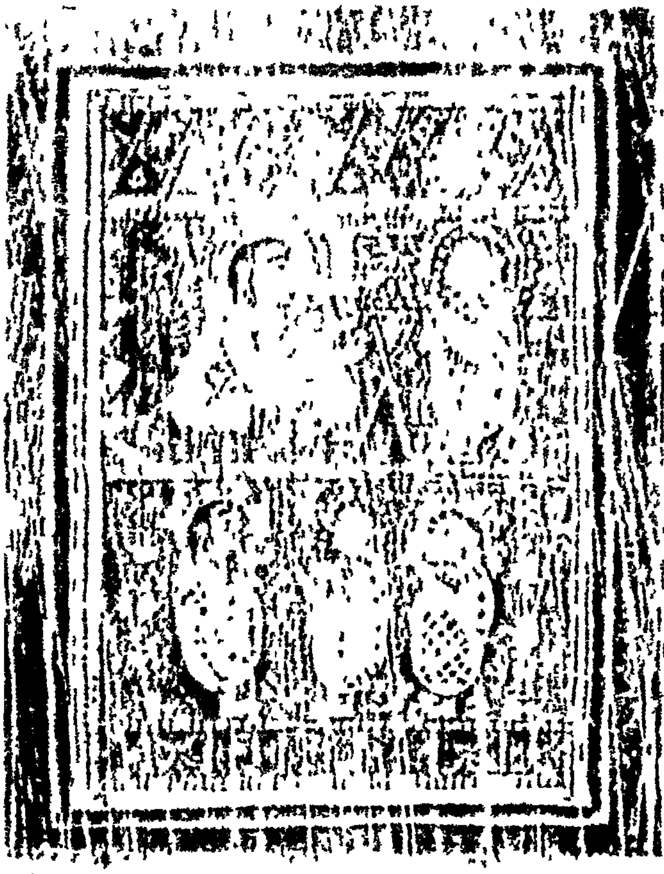
नमंदतितानं सुन्नादियानितितमंतमेणं। जायायप्पन्नालवंतिताणं जानामतअणुमनिहपवे १
आरवणमिनसुरका वज्जकाल ठुवा। पगाम उरमाउ आणिकंनमारका संसारसुरकस्स विवरकनूया
रवाणी अणिलाणउ कामलोगा ॥२४॥ परिहयत अलियनुकामे अप्पाणपरउपसिनपमाणा आणप्प
मानुधण मेमसमाणापहुस्निमहपुरिसेडांरव ॥ इमं चामेइहिनमंवननि इमं चामकिहइमं
अकिहे। तंपवमेवंलाचपमाणं हरानरंति। नक्कधंपमायण ॥ धणिपदयसहइहिया
हिमृयणातहाकामगुणापकामा। तंवक पतण्डइरूसलोगा नस्सहमादीणमहं
वजुण्णा ॥२५॥ धणेणकिंधम्मधुराहिगारे। सयणेदिंवाकामगुणेहिं चव। समणान विह
स्सामिगुणोघधरी। बहिविहाराअभिगम्मभिरा रकं ॥२६॥ जहायअग्गीअरणीयमंता खीरे
घयं तेल्लमहातिलेसु। एमेवजायासरीरंसिसत्ता संमुच्छहनासइनावचिट्ठे ॥२७॥ नोइंदियगिज्झ
अमुत्तभावा। अमुत्तभावावियहोइनिच्चो ॥ अज्झत्थहेउंनियपस्सबंधो। संसारहेउंचवयंतिबं
धं ॥२८॥ जहावयंधम्ममयाणमाणा। पावंपुराकम्ममकासिमोहा। ओरुज्झमाणापरिरक्खियंता। तं

...

णवपुत्तानविमसाविमसायणमा (?)एणअत्ताहन्निसालोगंमि। सव्वउपरिवारिए अमोहाहिपडंती
हा गिहंसिनरईनलं ॥२९॥ केणअब्भाहओलोगो। केणवापरिवारिओ। कावाअमोहाउत्ता। जाया
चिंताप (?) रोदमि ॥३०॥ मच्चुणाब्भाहओलोगो। जराएपरिवारिओ। अमोहारयणीवुत्ता। एवंताय वियाणह
॥३१॥ जाजावच्चइरयणी। नसापडिनियत्तइ। अहम्मं कुणमाणस्स अफलाजंतिराइओ ॥३२॥
जाजावच्चइरयणी। नसापडिनियत्तइ। धम्मं चकुणमाणस्स सफलाजंतिराइओ ॥३३॥
एगओसंवसित्ताणं। दुहओसम्मत्तसंजुया। प च्छाजायागमिस्सामो। भिक्खमाणाकुले
कुले ॥३४॥ जस्सत्थिमच्चुणासक्खं। जस्सवत्थि पलायणं। जोजाणेनमरिस्सामि। सोहुकं
खेसुएसिया ॥३५॥ अज्जेवधम्मंपडिवज्जयामो। जहिंपवन्नानपुणब्भवामो। अणागयंनेव
यअत्थिकिंचि। सद्धाखमंणेविणइत्तुरागं ॥३६॥ पहीणपुत्तस्सहनत्थिवासो। वासिट्ठिभिक्खायरियाइ
कालो। साहाहिरुक्खोलहएसमाहिं। छिन्नाहिंसाहाहिंतमेवखाणुं ॥३७॥ पंखाविहूणोवजहे
हपक्खी। भिच्चविहूणोवरणेनरिंदो। विवन्नसारोवणिओवपोए। पहीणपुत्तोमितहाअहंपि

नमणङ्कं लिलायेकोयुणाङसलात संपिट्टिश्मश्रमपुरुष्टा वुकाम्लताको मयुणपयामं पन्नागलिस्ना
मुण्डुरुश्रगाइ ४॥ सुन्नारमालो ऽजनाहणवउ॥ नङीदियचपदयामितेगा, तानंत्रलानंबहु
दुवहुरवा संविरकमाणो उलेसासिमाणं । १२ माकुतमलायरियाणसंनरर क्लान्नावदलोपट्टिस्
नगानी जुत्ताद्दिलागाइं [illegible] दुरूवलुग। लिरकायरिया विन्ना [illegible] डमायलागीत
गुपेलुयमा॥ निम्मायिदि हूपलति हन्ना। एमव पवदलिलाप, ताइंकद्दनागुमि,
रमकिय्याइ४॥ द्विदिङ्गालंत्रवलंववाहि या मन्नाङनाकामयुणायनाव। ११र
नरीलान्नद्स्ाउदाग। श्रीराङ्गलिरकायरिअं यइंति [illegible] नाइवकं वाममइक्कमेसा। द
याणि [illegible] जाणि दलितुदता। पलितिसुनालयम यमेश्रा। तिक्क हंनापुगलिस्नमिकानेह।
उसादितर्त समुदयंसमदासी। सुद्दामिनिरकंमपदाषलाय। ऊडंबमारद्धिउलतुरंते सवंतलि
मुङ्गवायुद्देवी॥५३॥ वत्ताभोइ रिमालवो तमाहानुपत्तलिउ। माहणाणपरिविदिं। ४कांन्नाहाइमि
उद्दिगहुरपीसवडगवङ इङ्घसु सद्दवाविधगणाचासइं पितश्रयषंते। ज्वतायादतंतवं। नयार्

हरिसरागदाभयालया। मणायरसलक्खं मयुणायपत्नाहो। छाजोदपन्नान राहदुमाणं। कविरं हिणाविल
हकिती। ४०। नादेभयरिकाणपक्तारगञा संनाणोछित्नावरिस्मामि जाणं। त्रिविंवागहुबकडाविरा
या। पवियदारसनियत्तादसा॥४१॥ दवयिाहाहारगा। दत्रमाणरुडंगरा। खल्ल नायामथाल
रागादासवसंगया॥४२ एवंमेवंवयं मूटाकाम लाभरुद्दहिया। डमाणदवलाला। वागद
सयियाकगं॥४३॥ लागेहुसावमिनाया। न जलंयविदारिणा। श्रालयलायाराखंत
याकामकमाइव॥४४॥ इसममवद्यांकि हंति मसदद्दी श्रुकसुगया। दअयल
कामसु। नविस्सामिक्वाइसा॥४५॥ सामिसं कललंदिस्स। दसलानिवालिं॥ श्रावि
सज्जतुमिन्ना। विदरसामानिरामिसा॥४६॥ गि [illegible] वामकत्नहाण। कानं [illegible]
त्रवनयामेत्रं। मकमाणातणुंदवत्ता॥४७॥ नाणा दवध्यगाहिना। अप्पणोवसरिवय। एद्दिं
यवसुयारंतिमसुयं॥४८॥ वइत्नादिवलपरंभ्रक्तमलासरुडंडसप। निदिलयानिरामा। निरा
निपरिग्रहा॥४९॥ सम्मंधम्मवियाणिता। विज्ञान सुसयावलोनवपर्मि अकाउं। [illegible]



कमा ॥ ५० ॥ एवं तकम्मालोहुम ॥ साहुधम्मपरायणा ॥ इ
म्म मज्झ मज्झ ठिया ॥ उक्कंत गावसिणा ॥ ५१ ॥ सामणा दि
यणो दोण ॥ उह्हलावणा लाविया ॥ अचिरणा व कालणं ॥ इ
क्का ॥ मतलवागया ॥ ५२ ॥ राया महादेवीए जा हा णु
य ॥ उल्लहिउ ॥ माहणीदारगा वव ॥ साहुपरिणि
चुडणिवसि ॥
॥ णाणंचरित्तमित्तमिइधम्मो ॥ उ
छ ॥ कतिदाणहिणा ॥ संघवडादिछुअकामका म
अणायए परिवएसलिक्ख ॥ ५ ॥ णाणविरयं वरिल्लला
ट ॥ विरपाव दावियाघरकिए ॥ यणा अतितयसहूंदसं
॥ जकिन्हिविलितुविएसलिक्ख ॥ २ ॥ इक्कोसवइहिर

दिउधीर ॥ तुणीवरलाटनीत्रमाय ॥ अवयमाणे अपंपहिछ ॥ जकमिणं अत्थिया एए लिक्ख
उ ॥ पिंतसइणा समणकन्न ॥ सोउ एविदं चंदसमसगं ॥ अवयमाणे अमंपहिछ ॥ जकसिणं अदियाए
एलिक्ख ॥ ४ ॥ तामक्किय मिइइनपुत्ते ॥ तोविय वंदणगंकउ एसंसा ॥ लेमडएहुवएतवस्सी ॥ साहिए
आयगावसएसलिक्ख ॥ ५ ॥ जणाउणा जहा ॥ डीतिअं ॥ सोदेवकमिणं ॥ लियहहीनरनाम इ
कमयातवस्सी ॥ नयकोउ दलेउवेइसलिक्ख ॥ ६ ॥ बिंतसरला सअत्तलिक्खा ॥ इविणलरला
दइव हविठ ॥ अगविकारंसरस्सविडधतो ॥ विद्धादिनहीवेडेलिक्ख ॥ ७ ॥ संतसूलं विठ
वंह विउवंतदसणा विरियणा ॥ समणे त्रमिणाणं ॥ आउरसरणा तिगिछियवतं ॥ पडिणायपरि
वुएसलिक्ख ॥ ८ ॥ खतियगणउग्गरायपुत्ता ॥ माहण ॥ भोइय विविहाय सिप्पिणो ॥ नोतेसिं
यइलोगइयतं ॥ परिणायपरिवुएसलिक्ख ॥ ९ ॥ गिहिणा जेपवइएण दिछा ॥ अपवइएण व
संथुया हविजा ॥ तेसिं इहलोगफलट्ठा ॥ जोसंथवंनकरेइ सलिक्ख ॥ १० ॥ सयणासणपाणभोयण
विविहं खाइमसाइमं परेसिं ॥ अदए पडिसेहिए नियंठे ॥ जेतत्थनपउस्सईस लिक्ख ॥ ११ ॥ जं

केवि अणाइया अपज्जवसिया · केवि अणाइया सपज्जवसिया · केवि साइया सपज्जवसिया · तत्थ णं जे ते साइया सपज्जवसिया से

जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं · अणंताओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालओ · खेत्तओ अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं

कालाणुपरियट्टं उक्कोसेणं · सव्वाविविहाणंवंति · णाणदंसणचरित्तं कालओ केवच्चिरं होइ

गोयमा णाणी दुविहे पन्नत्ते · सादीए सपज्जवसिए साइए अपज्जवसिए · सादिए सपज्जवसिए जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं

उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं साइरेगाइं · एवं आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी · ओहिणाणीवि

एवं चेव · णवरं जहन्नेणं एक्कं समयं · मणपज्जवणाणी णं भंते · जहन्नेणं एक्कं समयं

उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी · केवलणाणी णं भंते सादीए अपज्जवसिए · अण्णाणी मइअण्णाणी सुयअण्णाणी

जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं · अणंताओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालओ · खेत्तओ अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं

मणुस्सकालं पडुच्च कालओ · समाहिय कालं · एगं समयं · उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं विहरति

कायदिट्ठि आहार भासग सरीर · जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं · अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं · सण्णी

कालओ केवच्चिरं होइ · समाहिय कालं · उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं · असण्णी विहरति जाव ते

इहलोगपरलोगपडिबद्धा · णवरं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं साहियाइं · जाव पज्जत्तगाणं अंतोमुहुत्तं

णवकालं · एवं कालं समाहिय कालं · उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं · अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं विहरति

काणं · तिविहा संठाणसणा पन्नत्ता · तं जहा · इत्थी पुरिसा णपुंसगा · तत्थ णं जाव इत्थीओ

वेदा दुविहा पन्नत्ता · तं जहा · इत्थीवेदा पुरिसवेदा णपुंसगवेदा

तत्थ णं जे ते उवसंतवेदा ते दुविहा पन्नत्ता · तं जहा · उवसंतमोहा खीणमोहा

अविरया विरयाविरया · पमत्ता अपमत्ता · दीहकालियं

वायणायं कट्ठविहा · केवलियं सणाइ वा

सवेदा सण्णा णं · तत्थ णं जे ते पत्तेयं पंचविहा पन्नत्ता

सहणसणं सविणा लवणं लित्तिय वा

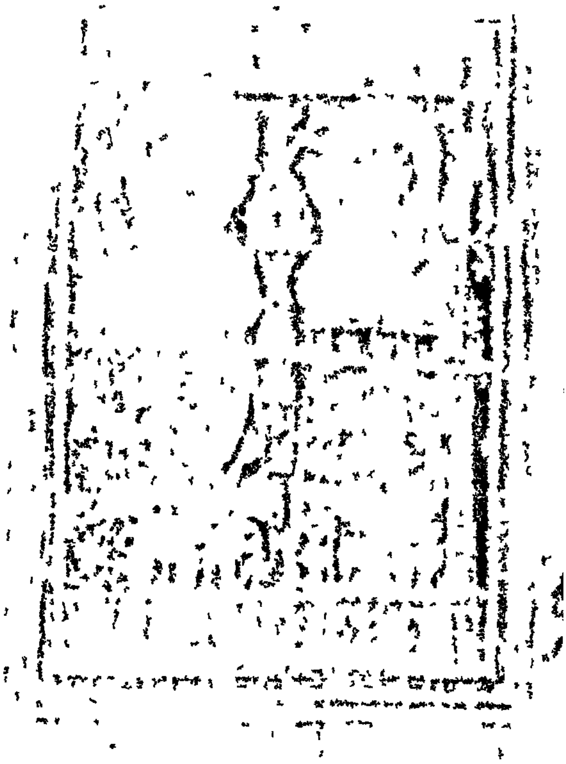
णवणं कड्ढकढे णवइ सलित्तयं अंतकाल · हसितिवा वा · णियम खलु इहलोग कड्ढाए

णाणा · णवर संतावा संतपुणा · लियवाणालेहा · उट्ठाणसवणे · दीहकालिय वा

पकडिविहा · केवलियं णाण जलहा · तत्थणं जीवाणं कड्ढाए · णाणि जीवा लिहिया

वहरिसा · दवसमलित्तया · तेणं इहमिति वावा · लियं च लिखिय सलहीयं · लियइ दिवसे निस्सा जाव हवणा ·

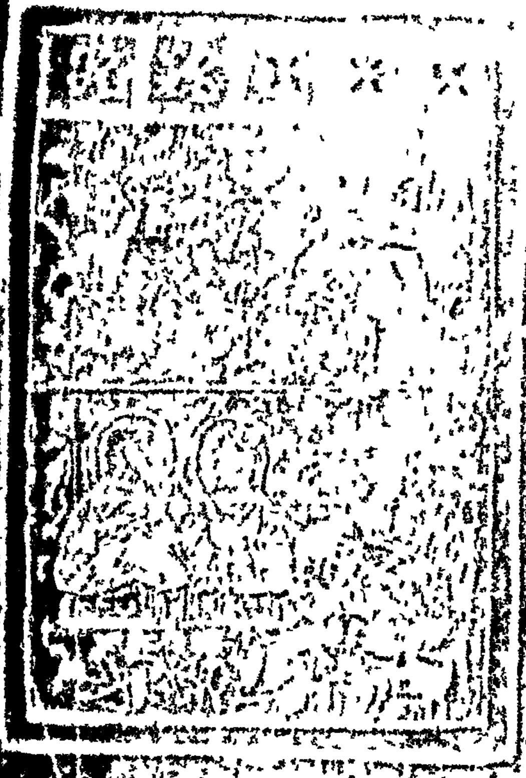
स्स नेनवरे गमाउ. केवाहा जावकेवलियनाउ धम्माउ
[illegible] नक्ष्ण [illegible] छइणीं [illegible] निमिन्नाउ [illegible]
[illegible] गाइणीं [illegible] नाइया [illegible] आलो [illegible]
[illegible] से निग्गंथ तं कप्पइ मितिहाया निग्गंथस्स खलु
[illegible] सणा [illegible] सामाणस्स तवस्सा रिस्स ठे
[illegible] संकाराकं [illegible] विगित्तिगिहा [illegible] लिव
[illegible] धम्मा [illegible] तम्हा खलु निग्गंथा गाइणी
णं [illegible] निम्नाण [illegible] नो निग्गंथ छइणीं ओ [illegible] सा
वाहु संतरं सिवा. जलिय तरं सिवा [illegible] सहे वा [illegible] सहे वा
गीयसहे वा. घणियसहे वा कंदियसहे वा. विलविय सहे वा सु
णमाउ [illegible] से निग्गंथा नं कप्पइ मितिहाया. निग्गंथस्स खलु छइणीं



अहु तरंसिवा. जाव विलवियसहं वा सुणमाणस्स तवस्सा रिस्स तेनाव रे संकावा कंखावा जाव के
लपमाना धम्मा उ संसेहा. तम्हा खलु निग्गंथ ना छइणीं अहुंतरं सिवा. जाव सुणमाणस्स [illegible]
ना निग्गंथ से छइणीं [illegible] कालियं अणुसरमाणस्स [illegible] नं कप्पइ मितिहाया. निग्गंथस्स [illegible]
[illegible] कालियं अणुसरमाणस्स तवस्सा रि स्स तेनावरे संकावा कंखावा जाव [illegible]
धा तम्हा खलु ना निग्गंथ छइणीं [illegible] कालियं सरेहा [illegible]
[illegible] से निग्गंथ नं कप्पइ मितिहाय [illegible] निग्गंथस्स खलु [illegible]
[illegible] माणस्स तवस्सा रिस्स तेनावरे संकावा कंखावा जाव केवलि [illegible]
हा. तम्हा खलु नो निग्गं [illegible] इत्था [illegible] रेहा [illegible]
[illegible] से निग्गंथ तं कप्पइ मितिहाया. निग्गंथस्स खलु [illegible]
तवस्सा रिस्स तेनावरे संकावा कंखावा जाव धम्माउ संसेहा तम्हा खलु ना निग्गंथ [illegible]
[illegible] सेहा [illegible] नो [illegible] से निग्गंथ तं कप्पइ मितिहाया. निग्गंथस्स [illegible]

विनए खलु विज्जु नियमम्मि रज्जि सामस्स अनिलसामि ... जिणेसु उद्विज्जमाणो अनिल
मिच्छमाणस्स वंदणारिस्स वइरसामिस्स कम्मना धम्मा ... नयवन्तनाणिज्जमाहिंदसामि
वादीसि ... नामदृक्कवरसगंधफासाणुवाइदव्वसमिति अच्छ ... तियामा निच्छम्म दृक्कद
क्कवरसगंधफासाणुवाइस्स वंदणारिस्स वइराव रसकारा करणा तितिगिज्झा वसयाइ छा
तयंवालललेच्छावस्सायावा याजिणा दीहक गलियाणमायकंदावहा किवलिपन्नहाइए
स्सावत्तमिच्छा तम्हा खलु निच्छय सदृरस रूपगंधफासाणुवाइदव्वच वराइव
वइरसमादिणाणहवइ ... हवंतिइइमि लागा तेड्डा डंविविन्नसमाइणे वहिइंड
उडाणाणयः वइरवइरस्सरकहा आलयन्तनस वए १ मणपल्हायडाणाणि कामरागविवद्धणं
। वंदणवइरस्स लिक्खुणीकहंउविवडए समवसमप्पवंवीदिसकहंवच्छलिक्काणं वइरवइरलि
क्खु निव्वाणपरिवडए ... आगपइणमंवाणं वारूह्निविविडिएडिदिय वंदणवइरस्स बीणं वक्क ...
वडए ... कइयं रूइयं गायं इसियं थणियं कहियं वंदणवइरस्स बीणं सायंणिहंविवडए ...

सेकिहुंरइंदयं मइपन्ना सियाणिय वंदणवइरस्स बीणं तापुरिंतिकयाइविंतिकयाइवि इ पाणाणवं
ताणंव खियंमयविवडणं वंदणवइरस्स लिक्खु निव्वाणपरिवडए धम्मे ठिणीयकाल इंतढर्ण
उडागवं नाइमवंतुडिडा वणवइरसमया ... विन्नसिंहं परिडाडवा मसरिपदिमिइणं वंदणव
इरस लिक्खु निव्वाणपरिनिवारए ... माहस्रा वरसगांधेय रसफास तवडवं पंडिविकाल
गुण निव्वाणपरिवडए ... आलउवीडाण इणाणीकदायमाणरसा नराणविडना
वीणं तासि इंदियदरिसणं ... कुविवियं दिवंगाव सवतुनामियाणिव ...
तवयाणिव अइसायपाणतावणं ... तमाणनिवड कामलाणावइदाइ ...
हूगावसस्स विसंतालउवेइडा ... उवडएक समलाणय निव्वाणपरिवडए ...
णिसिवाणि वाइडायणि दाणवं ... धम्मा नमस्सइ रइलिक्खु धम्मं धम्मं जावहे ...
दंतावइरवइरसमादिए ... दिवनागवं धम्मा उरलरक्खस्स किंनरा वंदणविविरपति ...
रतितंनाव्हीए सधम्मकादइ निरइएणसाणडिणादसिए सिवासिद्धितिकाणा ...



चरित्रविवसि

णियंठ धम्मं सुणित्ता विणओववण्णे सुदुल्लहं लहिउं बोहि
लाभं विहरेज्ज पच्छा य जहासुहं तु १ सिज्जा दढा पाउरणंमि अत्थि उप्प
ज्जइ भुत्तुं तहेव पाउं जाणामि जं वट्टइ आउसु त्ति किंना
म काहा मि सुएण भंते २ जे केइ उ पव्वइए, निद्दा
सीले प गामसो भुच्चा पिच्चा सुहं सुवइ, पावसम
णि त्ति वु च्चइ ३ आयरिय उवज्झाएहिं सुयं विणयं च गा
हिए॥ ते चेव खिंसई बाले, पावसमणि त्ति वुच्चई ४॥
आयरियउवज्झायाणं, सम्मं न पडितप्पइ अप्पडिपूयए थद्धे, पा
वसमणि त्ति वुच्चइ ५॥ सम्मद्दमाणो पाणाइं बीयाइं हरियाणि
य असंजए संजयमन्नमाणे पावसमणि त्ति वुच्चइ ६ सं

थारं फलगं पीढं निसिज्जं पायकंबलं। अप्पमज्जिय आरुहइ पावसमणि त्ति वुच्चई ७ दवदवस्स चर
ई पमत्ते य अभिक्खणं उल्लंघणे य चंडे। पावसमणि त्ति वुच्चई ८ पडिलेहेइ पमत्ते, अवउज्झइ पायकं
बलं। पडिलेहणा अणाउत्ते। पावसमणि त्ति वुच्चई ९ पडिलेहेइ पमत्ते.. से किंचि हु निसामिया
गुरुपरिभवए निच्चं पावसमणि त्ति वुच्चई १० बहुमाई पमुहरी, थद्धे लुद्धे अणिग्गहे। असंवि
भागी अचियत्ते। पाव० ११ विवायं च उदीरेइ अहम्मे अत्तपन्नहा, वुग्गहे कलहे
रत्ते पाव० १२ अथिरासणे कुक्कुईए। जत्थ तत्थ निसीयई। आसणम्मि अणाउत्ते
पाव० १३ ससरक्खपाए सुवई। सिज्जं न पडिलेहइ संथारए अणाउत्ते पाव
समणि त्ति वुच्चइ १४ दुद्धदहीविगईओ आहारेइ अभिक्खणं। अरए य तवोकम्मे पा
व० १५ अत्थंतम्मि य सूरम्मि आहारेइ अभिक्खणं। चोइओ पडिचोएइ पावसमणी० १६ आयरियपरिच्चाई पर
पासंडसेवए। गाणंगणिए दुब्भूए पावसमणि त्ति वुच्चई १७ सयं गेहं परिच्चज्ज परगेहंसि
वावडे निमित्तेण य ववहरइ पावसमणि त्ति वुच्चई १८ सन्नाइपिंडं जेमेइ नेच्छई सामुदाणियं

दिनि मिहंसवदा देशा॥ यावसमणो तितुहस॥ १९॥ पढमो मेणं तक्क
मीलसतुडा रूवं धरसुणि पवराणो हिंसि॥ अवं पिलाए वि
समीगरहिया॥ नोमेइहे नवपरम्मिलाए॥ २॥ डावछपगुणम
याउदोसो॥ मेसुहवपहोइसुणीणमसो॥ ऊयं॥ लाए ऊ
मघवहइएा॥ आराहएडहउलोगंमिएनि॥ कमि॥
पावमरणि तुसमतो॥ १३॥ गंडकाँपि॥ हत
यरराया॥ उदिणवलवाहणो॥ नामणसंड उनाम
मगहिमिउवतिअप॥ १४॥ हयाणीएगयाणीए॥ ॥ रहाणीए
तहहवय॥ पायत्ताणीमहया॥ सहउपरिवारिए॥ ॥ मिएवु
सत्ताहयगउ॥ कंपिलुहाणाके सरासीएसंतमिएतह॥ वा
देइ रमसुहिउ॥ १॥ अहकेसरम्मिवहाणो॥ अणगारेतवो



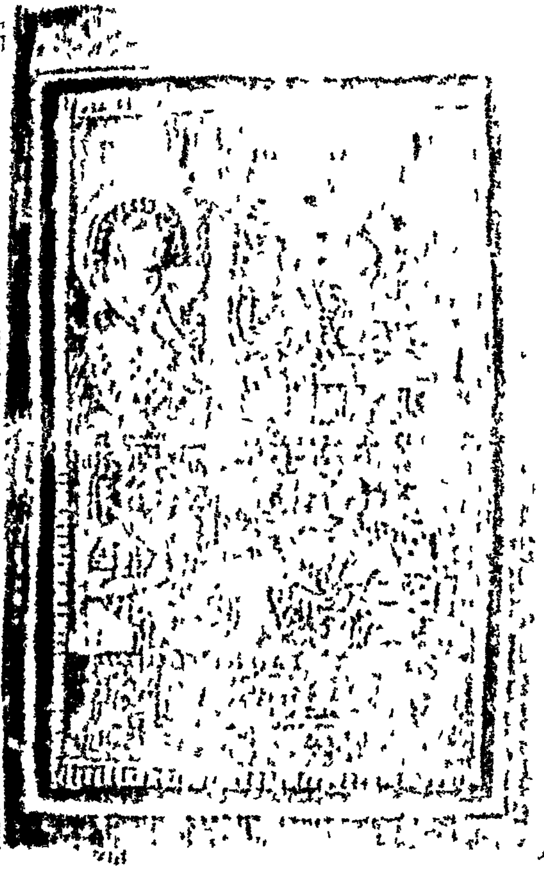
धणो॥ सञ्झायझाणंजुत्तो॥ धम्मझाणं झियायए॥ २॥ अप्फोवमंडवंमी॥ झायइ खवियासवो॥ तस्सा
एपासमहिशरमसुहिउनराहिवो॥ ५॥ अहेआसगउराया॥ खिप्पमागंमसो तहिं॥ हएमिएउपासि
त्ता॥ अणगारंतत्थपासई॥ ६॥ अहराया तत्थसंभंतो॥ अणगारोमणाहउ॥ मएउमंदपुण्णेणं॥ रसा
गिद्धेण घाणुणा॥ ७॥ आसंविसज्जइत्ताणं॥ अ णगारस्स सोतिओ॥ विणएणवंदएपाए॥ भ
गवं इत्थमेखमे॥ ८॥ अहमोणेणसो भ गवं॥ अणगारे झाणमस्सिउ॥ रायाणं न
पडिमंतेइ॥ तउ राया भयदुउ॥ ९॥ संजउ अहमंसीति॥ भगवं वाहराहिमे॥ कु
द्धेतेएण अणगारे॥ डहेज नरकोडिउ॥ १०॥ अभउ पत्थिवा तुज्झं॥ अभयदाया भवा
य॥ अणिच्चे जीवलोगंमि॥ किं हिंसाए पसज्जसि॥ ११॥ जया सव्वं परिच्चज्ज॥ गंतव्वमवसस्स
ते॥ अणिच्चे जीवलोगंमि॥ किं रज्जंमि पसज्जसि॥ १२॥ जीवियं चेव रूवं च॥ विज्जु संपाय चंच
लं॥ जत्थ तं मुज्झसी रायं॥ पिच्चं नाववुज्झसे॥ १३॥ दाराणि य सुया चेव॥ मित्ता य तह बंधवा॥ जीवंत
मणुजीवंति॥ मयं नाणुव्वयंति य॥ १४॥ नीहरंति मयं पुत्ता॥ पियरं परमदुक्खिया॥ पियरो वि तहा

नदीकूला । बेधुराचं नठवरा ॥ ५ ॥ तत्र तेण हिपदाए । वग्गपरिवडिए । कालेन तेन राओ । [illegible]
५ कमलेकिता ॥ ६ ॥ तेण विडं कयं कम्मं सुहेणाडा ऽवाउदे कम्मुणा तेण मडेना गहऽउपरनउ
मोकुण तम्मणो ॥ ७ ॥ अणगारस्स अतिए मदयासं वगनिहडे । समाउ णान राहिरो ॥ [illegible] ॥ मेचुडाइ
उरहा । तिरिकालो डिणमासएण गहलालिस्सता वउ ॥ ९ ॥ छिन्नारहवपहऽउ रवतिउ यारेनानऽ
ऽप्पातदीमईकूवे पसणातत नाशुणा ॥ १० ॥ किंनाम किणाए कम्मुणा एवं मयदणा
कहंपडिरसी तुओ कहं विणीपहूणसी ॥ ११ ॥ सडउनामनामेण तत्ना णाए
णायमो गहलालिममायरिया । विजाच रणपारगा ॥ १२ ॥ किरिय अकिरियं विणइ
अण्णाणं चमहा मुणी एएहिं चउहिं ठाणेहिं मेय णकिपलानऽ ॥ १३ ॥ इइ पाउकरे बुद्धे ना
यए परिनिव्वुडे विज्जाचरणसंपन्ने सच्चे सच्चपरक्कमे ॥ १४ ॥ पडंति नरए घोरे जे नरा पाव
कारिणो । दिव्वं च गइं गच्छंति चरित्ता धम्ममारियं ॥ १५ ॥ मायावुइयमेयं तु मुसा भासा निरत्थिया । सं
जममाणो वि अहं वसामि इरियामि य ॥ १६ ॥ सव्वे ते विइया मज्झं मिच्छादिट्ठी अणारिया । वि

[illegible] णपरलोए । सम्मं जाणामि अप्पगं ॥ १७ ॥ अहमासी महापाणे जुइमं वरिससओवमे जा सा पाली
महापाली दिव्वा वरिससओवमा ॥ १८ ॥ से चुए बंभलोगाओ माणुसं भवमागए । अप्पणो य परेसिं च आउं
जाणे जहा तहा ॥ १९ ॥ नाणारुइं च छंदं च परिवज्जेज्ज संजए । अणट्ठा जे य सव्वत्था इइ विज्जामणु
संचरे ॥ २० ॥ पडिक्कमामि पसिणाणं परमंतेहिं वा पुणो । अहो उट्ठिए अहोरायं इइ विज्जा तवं चरे ॥ २१ ॥ जं च मे पुच्छसी काले सम्मं सुद्धेण चेयसा । ताइं पाउकरे बुद्धे तं नाणं जिणसासणे ॥ २२ ॥ किरियं च रोयए धीरो अकिरियं परिवज्जए । दिट्ठीए दिट्ठिसंपन्ने धम्मं चर सुदुच्चरं ॥ २३ ॥ एयं पुण्णपयं सोच्चा अत्थधम्मोवसोहियं । भरहो वि भारहं वासं चिच्चा कामाइ पव्वए ॥ २४ ॥ सगरो वि सागरंतं भरहवासं नराहिवो । इस्सरियं केवलं हिच्चा दयाए परिनिव्वुडे ॥ २५ ॥ चइत्ता भारहं वासं चक्कवट्टी महिड्ढिओ । पव्वज्जमब्भुवगओ मघवं नाम महाजसो ॥ २६ ॥ सणंकुमारो मणुस्सिंदो चक्कवट्टी महिड्ढिओ । पुत्तं रज्जे ठवित्ताणं सो वि राया तवं चरे ॥ २७ ॥ चइत्ता भारहं वासं चक्कवट्टी महिड्ढिओ । संती संतिकरे लोए पत्तो गइमणुत्तरं ॥ २८ ॥ [illegible]

लोऊंथूनामनराहिवो। विरकायकित्तीभयवं. मोरकगओअणुत्तरं ॥३९॥ सागरंतंचइत्ताणं नरवइ
नरीसरो॥ अरोयअरयंपत्तो. पत्तोगइमणुत्तरं ॥४०॥ चइत्ताभारहंवासं. चक्कवट्टीनराहिओ. चि
च्चायउत्तमेभोए. महापउमोदमंचरे ॥४१॥ एगछत्तंपसाहित्ता. महीमाणनिसूरणो हरिसेण
णमणुस्सिंदो॥ पत्तोगइमणुत्तरं ॥४२॥ अन्निओ रायसहस्सेहिं सुपरिच्चाई दमंचरे. जयना
मोजिणरकायं पत्तोमणुत्तरं ॥४३॥ दसण्णरज्जंमुइयं चइत्ताणंमुणीचरे दसण्णभद्द
निरकंतो सरकंसरकेणचोइओ ॥४४॥ नमी नमेइअप्पाणं सरकंसरकेणचोइओ चइ
ऊणगेहंवइदेही सामण्णेपज्जुवट्ठिओ ॥४५॥ करकंडूकलिंगेसु पंचालेसु
यदुम्मुहो॥ नमीरायाविदेहेसु गंधारेसु नग्गई ॥४६॥ एएनरिंदवसभा. निरकंताजिण
सासणेपुत्तेरज्जेठवित्ताणं सामण्णेपज्जुवट्ठिया ॥४७॥ सोवीररायवसभो. चइत्ताणमुणिच
रे उद्दायणोपव्वइओ पत्तोगइमणुत्तरं ॥४८॥ तहेवकासीराया॥ सेओसच्चपरक्कमो. कामभो
गेपरिच्चज्ज पहणेकम्ममहावणं ॥४९॥ तहेवविजओराया. अणट्ठाकित्तिपव्वए रज्जंतु

णसमिद्धं पयहित्तुमहाजसो ॥५०॥ तहेवउग्गंतवंकिच्चा॥ अव्वरिकत्तेणचेयसा॥ तहमहाबलो
राया॥ आदायसिरसासिरिं ॥५१॥ कहंधीरअहेऊहिं उम्मत्तोवमहिंचरे. एएविसेसमादाय सूर
दढपरक्कमा ॥५२॥ अच्चंतनियाणखमा॥ सच्चामेभासियावई॥ अतरिंसुतरंतेगे॥ तरिस्संतिअणाग
या॥५३॥ कहंधीरेअहेऊहिं॥ अत्ताणंपरियावसे॥ सव्वसंगविणम्मुक्के॥ सिद्धेहवइनीर
एत्तिबेमि॥१८॥ संजइज्जंसम्मत्तं ॥१८॥ ॥ सुग्गीवेनगरेरम्मे॥ काणणुज्जाणसोहि
याबलभद्दत्ति॥ मियातस्सग्गमाहिसी ॥१॥ तेसिंपुत्तेबलसिरी॥ मियापुत्तेत्तिविस्सु
ए॥ अम्मापिऊणदइए॥ जुवरायादमीसरे॥ नंदणेसोउपासाए॥ कीलएसहइत्थि
हिं॥ देवोदोगुंदगोचेव॥ निच्चंमुइयमाणसो॥ मणिरयणकोट्टिमतले॥ पासायालोयणे
ठिओ॥ आलोएइनगरस्स॥ चउक्कतियचच्चरे ॥४॥ अहतत्थअइच्छंतं॥ पासइसमणसंजयं॥ तवनियम
संजमधरं॥ सीलड्ढंगुणआगरं ॥५॥ तंदेहइमियापुत्ते॥ दिट्ठीएअणिमिसाएउ॥ कहिंमन्नेरिसं
रूवं॥ दिट्ठपुव्वंमएपुरा ॥६॥ साहुस्सदरिसणेतस्स॥ अज्झवसाणम्मिसोहणे॥ मोहंगयस्सस



णंजाइसरणंसमुप्पणं ॥ देवलोगचुउसंतो माणुसंभवमा
गउ संनिनाणसमुप्पणो जाइंसरइपुराणयं ॥ जाइसरणे
समुप्पणे मियापुत्तेमहिड्ढिए सरइपोराणियंजाइं सामण्णं
पुराकयं ॥ विसएहिंअरज्जंतो रज्जंतोसंजमंमिय अम्मापि
यरंउवा गम्मइमंवयणमब्बवी सुयाणिमेपंच
महव्व याणि नरएसुदुक्खंचतिरिक्खजोणिसु
निव्विणका मोमहण्णवाउ अणुजाणहपव्वइस्सामि
अम्मो ॥ अम्मतायमएभोगा भुत्ताविसफलोवमा प
च्छाकडुयविवागा अणुबंधदुहावहा ॥ इमंसरीरंअणिच्चं
असुइंअसुइसंभवं असासयावासमिणं दुक्खकेसाणभायण
णं ॥१२॥ असासएसरीरंमि रइंनोवलभामहं पच्छापुरावचइ

यफेणबुब्बुयसंनिभे ॥१३॥ माणुसत्तेअसारंमि वाहीरोगाणआलए जरामरणघत्थंमि खणंपि
नरमामहं ॥१४॥ जम्मंदुक्खंजरादुक्खं रोगायमरणाणिय अहोदुक्खोहुसंसारो जत्थकी
संतिजंतवो ॥१५॥ खेत्तंवत्थुंहिरण्णंच पुत्तदारंचबंधवा चइत्ताणइमंदेहं गंतव्वमव
सस्समे ॥१६॥ जहाकिंपागफलाणं परिणामोन सुंदरो एवंभुत्ताणभोगाणं परिणामोनसुंद
रो ॥१७॥ अद्धाणंजोमहंतंतु अपाहेउपव ज्जइ गच्छंतोसोदुहीहोइ छुहातण्हाएपीडि
उ ॥१८॥ एवंधम्मंअकाऊणं जोगच्छ इपरंभवं गच्छंतोसोदुहीहोइ वाहीरोगेहिंपी
डिउ ॥१९॥ अद्धाणंजोमहंतंतु सपाहे उपवज्जइ गच्छंतोसोसुहीहोइ छुहातण्हावि
विवज्जिउ ॥२०॥ एवंधम्मंपिकाऊणं जोगच्छइप रंभवं गच्छंतोसोसुहीहोइ अप्पकम्मेअवे
यणे ॥२१॥ जहागेहेपलित्तंमि तस्सगेहस्सजोपहू सारभंडाणिनीणेइ असारंअवउज्झइ ॥२२॥ ए
वंलोएपलित्तंमि जराएमरणेणय अप्पाणंतारइस्सामि तुब्भेहिंअणुमन्निउ ॥२३॥ तंबिं
तंमापियरो सामण्णंपुत्तदुच्चरं गुणाणंतुसहस्साइं धारेयव्वाइंभिक्खुणो ॥२४॥ जावज्जीव

एसु. सत्तुमित्तेसु वा जगे। पाणाइवायविरई जावज्जीवाए दुक्करं॥७०॥ निच्चकालप्पमत्तेणं मुसावा-
यविवज्जणं। भासियव्वं हियं सच्चं निच्चाउत्तेण दुक्करं॥७१॥ दंतसोहणमाइस्स अदिन्नस्स विव-
ज्जणं। अणवज्जेसणिज्जस्स गिण्हणा अवि दुक्करं॥७२॥ विरई अबंभचेरस्स, कामभोगरसन्नुणा। उग्गं
महव्वयं बंभं धारेयव्वं सुदुक्करं॥७३॥ धणधन्नपेसवग्गेसु परिग्गहविवज्जणं। सव्वारंभपरि-
च्चाओ निम्ममत्तं सुदुक्करं॥७४॥ चउव्विहे वि आहारे राईभोयणवज्जणा। सन्निही-
संचओ चेव वज्जेयव्वो सुदुक्करं॥७५॥ छुहा तण्हा य सीउण्हं दंसमसगवेयणा।
अक्कोसा दुक्खसेज्जा य तणफासा जल्लमेव य॥७६॥ तालणा तज्जणा चेव व-
हबंधपरीसहा। दुक्खं भिक्खायरिया जायणा य अलाभया॥७७॥ कावोया जा इमा वित्ती
केसलोओ य दारुणो। दुक्खं बंभवयं घोरं धारेउं अमहप्पणो॥७८॥ सुहोइओ तुमं पुत्ता सुकुमालो
सुमज्जिओ। न हुसी पभू तुमं पुत्ता सामण्णमणुपालिया॥७९॥ जावज्जीवमविस्सामो गुणाणं तु मह-
ब्भरो। गुरुओ लोहभारुव्व जो पुत्ता होइ दुव्वहो॥८०॥ आगासे गंगसोउव्व पडिसोउव्व दुत्तरो।

बाहाहिं सागरो चेव तरियव्वो गुणोदही॥८१॥ वालुयाकवले चेव निरस्साए उ संजमे। असि-
धारागमणं चेव दुक्करं चरिउं तवो॥८२॥ अहीवेगंतदिट्ठीए चरित्ते पुत्त दुच्चरे। जवा लोहमया
चेव चावेयव्वा सुदुक्करं॥८३॥ जहा अग्गिसिहा दित्ता पाउं होइ सुदुक्करं। तहा दुक्करं करेउं जे ता-
रुण्णे समणत्तणं॥८४॥ जहा दुक्खं भरेउं जे होइ वायस्स कोत्थलो। तहा दुक्खं करेउं जे की-
वेणं समणत्तणं॥८५॥ जहा तुलाए तोलेउं दुक्करो मंदरो गिरी। तहा निहुयं नीसंकं
दुक्करं समणत्तणं॥८६॥ जहा भुयाहिं तरिउं दुक्करं रयणायरो। तहा अणुव-
संतेणं दुक्करं दमसागरो॥८७॥ भुंज माणुस्सए भोगे पंचलक्खणए तुमं। भुत्तभोगी
तओ जाया पच्छा धम्मं चरिस्ससि॥८८॥ सो बिंतम्मापियरो एवमेयं जहाफुडं। इहलोए नि-
प्पिवासस्स नत्थि किंचि वि दुक्करं॥८९॥ सारीरमाणसा चेव वेयणाओ अणंतसो। मए सोढा-
ओ भीमाओ असइं दुक्खभयाणि य॥९०॥ जरामरणकंतारे चाउरंते भयागरे। मए सोढाणि भी-
माणि जम्माणि मरणाणि य॥९१॥ जहा इहं अगणी उण्हो इत्तोणंतगुणो तहिं। नरएसु वे-

[illegible]

[illegible]

पत्तहिं तिव्वुत्तविलवंताहं टकसिछहिं णतसा [illegible]
नईडालपाहतिवितिल खुरछणहि छिवाहित [illegible]
अमयालिहिपडलहिं हिन्नसुणा आसासा [illegible]
गयाफलयगलिणा पल दुरकमणतसा [illegible]
कयिउ फालिउ बिन्ना मालिउ आणतसा [illegible]
[illegible]

हं पियाइं मंसाइं खंडाइं सोल्लगाणि य खाविओमि ... ... णेगसो तुहं
पियासुरासीहू मेरओ य महूणि य पाइओमि जलंतीओ वसाओ रुहिराणि य निच्चं भीएण त
त्थेण दुहिएण वहिएण य परमा दुहसंबद्धा वेयणा वेइया मए तिव्वचंडप्पगाढाओ घो
राओ अइदुस्सहा महब्भयाओ भीमाओ नरएसु वेइया मए जारिसा माणुसे लोए ता
या दीसंति वेयणा एत्तो अणंतगुणिया नरएसु दुक्खवेयणा सव्वभवेसु अस्सा
या वेयणा वेइया मए निमेसंतरमित्तं पि जं साया नत्थि वेयणा तं बिं
तम्मापियरो छंदेणं पुत्त पव्वया नवरं पुण सामण्णे दुक्खं निप्पडिकम्मया
सो बितम्मापियरो एवमेयं जहाफुडं पडिकम्मं को कुणई अरण्णे मियपक्खिणं एग
भूए अरण्णे वा जहा उ चरई मिए एवं धम्मं चरिस्सामि संजमेण तवेण य जहा मिग
स्स आयंको महारण्णम्मि जायइ अच्छंतं रुक्खमूलम्मि को णं ताहे चिगिच्छइ को वा से
ओसहं देइ को वा से पुच्छइ सुहं को वा से भत्तपाणं वा आहरित्तु पणामए जया य से

सुही होइ तया गच्छइ गोयरं भत्तपाणस्स अट्ठाए वल्लराणि सराणि य ८० खाइत्ता पाणियं पाउं वल्ल
रेहिं सरेहि वा मियचारियं चरित्ताणं गच्छइ मिगचारियं एवं समुट्ठिओ भिक्खू एवमेव अणेगए
मिगचारियं चरित्ताणं उड्ढं पक्कमई दिसं जहा मिए एग अणेगचारी अणेगवासे धुवगोयरे
य एवं मुणी गोयरियं पविट्ठे नो हीलए नो वि य खिंसएज्जा मियचारियं चरिस्सामि ए
वं पुत्ता जहासुहं अम्मापिऊहिं अणुन्नाओ जहाइ उवहिं तहा मियचारियं चरिस्सामि
सव्वदुक्खविमोक्खणिं तुब्भेहिं अब्भणुन्नाओ गच्छ पुत्त जहासुहं एवं सो अ
म्मापियरे अणुमाणित्ताण बहुविहं ममत्तं छिंदई ताहे महानागो व्व कंचुयं इ
ड्ढी वित्तं च मित्ते य पुत्त दारं च नायओ रेणुयं व पडे लग्गं निद्धुणित्ताण निग्गओ पंच
महव्वयजुत्तो पंचसमिओ तिगुत्तिगुत्तो य सब्भिंतरबाहिरए तवोकम्मंमि उज्जुओ नि
म्ममो निरहंकारो निस्संगो चत्तगारवो समो य सव्वभूएसु तसेसु थावरेसु य लाभा
लाभे सुहे दुक्खे जीविए मरणे तहा समो निंदापसंसासु तहा माणावमाणओ

गारवेसु कसाएसु. दंडसल्लभएसु य नियत्तो हाससोगाउ अनियाणो अबंधणो ॥९३॥ इह णिस्सिउ
इहलोए परलोए अणिस्सिउ। वासीचंदणकप्पो य असणे अणसणे तहा ॥९४॥ अप्पसत्थेहिं दा
रेहिं सव्वउ पिहियासवे। अज्झप्पज्झाणजोगेहिं पसत्थदमसासणे ॥९५॥ एवं नाणेण चरणेण दंस
णेण तवेण य। भावणाहि य सुद्धाहिं सम्मं भावि- त्तु अप्पयं ॥९६॥ बहुयाणि उ वासाइं सामण्ण
मणुपालिया। मासिएण उ भत्तेणं। सिद्धिं पत्तो अणुत्तरं ॥९७॥ एवं करंति संबुद्धा पंडिया पवि
यक्खणा। विणियट्टंति भोगेसु। मियापुत्ते जहामुणी ॥९८॥ महप्पभावस्स महाजस
स्स मियापुत्तस्स निसम्म भासियं। तवप्पहाणं चरियं च उत्तमं। गइप्पहाणं च तिलोगवि
स्सुयं ॥ वियाणिया दुक्खविवड्ढणं धणं ममत्तबंधं च महाभयावहं सुहावहं धम्मधुरं अणुत्तरं
धारिज्ज निव्वाणगुणावहं महं ॥९९॥ त्ति बेमि ॥ मियापुत्तिज्झयणं १९ ॥ सिद्धाणं नमो किच्चा संजयाणं च भावउ
अत्थधम्मगइं तच्चं अणुसिट्ठिं सुणेह मे ॥१॥ पभूयरयणो राया सेणिओ मगहाहिवो विहार
जत्तं निज्जाओ मंडिकुच्छिंसि चेइए ॥२॥ नाणादुमलयाइण्णं नाणापक्खिनिसेवियं नाणाकुसु

मसंछन्नं उज्जाणं नंदणोवमं ॥३॥ तत्थ सो पासई साहुं संजयं सुसमाहियं निसन्नं रुक्खमूलम्मि सु
कुमालं सुहोइयं ॥४॥ तस्स रूवं तु पासित्ता राइणो तम्मि संजए अच्चंतपरमो आसी अउलो रूव
विम्हओ ॥५॥ अहो वण्णो अहो रूवं अहो अज्जस्स सोमया अहो खंती अहो मुत्ती अहो भोगे अ
संगया ॥६॥ तस्स पाए उ वंदित्ता काऊण य पयाहिणं नाइदूरमणासन्ने पंजली पडि
पुच्छई ॥७॥ तरुणोसि अज्जो पव्वइओ भोगकालम्मि संजया उवट्ठिओसि सामण्णे ए
यमट्ठं सुणामि ता ॥८॥ अणाहोमि महाराय नाहो मज्झ न विज्जई अणुकंपगं
सुहिं वावि कंचि नाभिसमेमहं ॥९॥ तओ सो पहसिओ राया सेणिओ मगहाहिवो एवं
ते इड्ढिमंतस्स कहं नाहो न विज्जई ॥१०॥ होमि नाहो भयंताणं भोगे भुंजाहि संजया मि
त्तनाईपरिवुडो माणुस्सं खु सुदुल्लहं ॥११॥ अप्पणा वि अणाहोसि सेणिया मगहाहिवा
अप्पणा अणाहो संतो कस्स नाहो भविस्ससि ॥१२॥ एवं वुत्तो नरिंदो सो सुसंभंतो सुविम्हिओ
वयणं अस्सुयपुव्वं साहुणा विम्हयन्निओ ॥१३॥ अस्सा हत्थी मणुस्सा मे पुरं अंतेउरं च मे

मं॰ सरणं ववितइ नागं पसुत्तो जिन राइदिवा परियट्टंतोऽववलोए तयणो सच्चं गया उ न
उकलत्तपत्तायम्मि अातुहितणाणं धए रइंतो निगरंतो पडइ उ आणगोट्ठ तउ दुंनोदे
उ अप्पणो य परसायासिद्धि सिवडीवाए तम्माणे घावणाय अप्पाणं दोवयंगी
मिक्कइ सामली अप्पाको मंडवापुण अप्पा मिनं टगवी अप्पाकत्तोविकत्त
रकाणयसुहाणया अप्पसेव समितवा उ पडिवसुपठि उ गइमाकुच्चाणोवि
णादिइया निवातामकवितानि कउसुणं दि नियठधम्मनिच्चागोवि
दंतानक्कवकुकायरनरा डापडइत्ता णमदवया इसम्मातोफानपसाइइव
णोअकायारसे सुणिक्खम्मलवधणसे आगतयाइस्सयाने हिकाइइ ठियाए
पतइ एलणा आयाणनलक वडगाहइ पा नवीरडाय आणुसाइमउ विरेपासेसुइरइन
वना अधिरदूएत वनियमदिनाछ विरपि अप्पाण किल सइत्ता नयारएलोइ कुमं पराए
खलेवम डीलइलसार अयतिपक्कडकडावणवा गटामणीवलिकेयणगासे सइय

णोइयसाणपसु ४२ कुसीलल्लिंगं इह धराइत्ता इसिझयं डीवि अदइत्ता अंकेइ पलेइ यतणमा
णा विणिघाय मागच्छइ से विरंपि ४३ विसं पिपीवं जहकालकूडं हणाइ सत्थं जहकुग्गहीयं
एसो विधम्मो विसओववण्णो हणाइ वेयाल इवाविवण्णो ४४ जेलक्खणं सुविणपउंजमाणा
निमित्तकोऊहल संपगाढा कुहेडविज्जासव दारजीवी नगच्छइ सरणं तमिकाले
तमसेणेव उ से असीलसयाइहा विपरिया उवेइ संधावइ नरगतिरिक्खजोणं मोणं
विराहित्तु असाहुरूवे ४६ उद्देसियं की वगडं नियागं न मुंचई किंचि अणेस
णिज्जं अग्गीविवा सव्वभक्खीभवित्ता इओचुओ गच्छइ कट्टु पावं ४७ नतं अरी कंठछित्ता करेइ
जंसे करे अप्पणिया दुरप्पा सेनाहिई मच्चुमुहंतु पत्ते पच्छाणुतावेण दयाविहूणो
निरट्ठिया नग्गरुई उ तस्स जे उत्तमट्ठे विवज्जासमेइ इमेविसे नत्थिपरेविलोए दुहओवि
से झिज्झइ तत्थलोए ४९ एमेवहाछंद कुसीलरूवे मग्गं विराहित्तु जिणुत्तमाणं कुररीविवा भोग
रसाणुगिद्धा निरट्ठसोया परितावमेइ ५० सुच्चाणमेहावि सुभासियं इमं अणुसासणं

गुणाणतरं सामंतऽमीलाण ङ्गदायसहं महालियंवाणवपाहं ॥ ७१ ॥ वारिङ्गमाङ्गार गुणा[illegible]
२ नओ ॥ अणुत्तरे संडम पालियाणं तिगमतसवविथाणकसं उवङ्गाणं ठिउङ्गसं ७८ गु
णयंति विमहान वाहणा महासुणीमहापङ्गणमहायसे महानियठिवसिणतनाहुवं णेठ
हेपमहयाविञारणं उणटमणीउराया ङस । णमहाङ्गकयङ्गली अणदननङ्गणवं सुद
सउवदसियं ॥ ७२ ॥ उङ्ग सुलहं मणुसजम्मा । ङसा लानासुलहावचुससमाहणी जमा
सणाणाहसवधवाय ॥ ङलेवियासमो । डिणुङ्गमाणं । तसिनाहाअणाङ्ग
णा सवन्तयाणसंजया । स्वामेमितमहाणाग । ॥ ङ्गामिअणुसासियं ॥ ७४ ॥ धुंहङ्गणमय
जा ॥ ङ्गाणविग्घाउ जोकेउ । निसंतियाहिंलो । णहिं । तसहमहिसहस ॥ ७५ ॥ ण्णंपुणिनाण
सरायसीहा । अणगारसीहं परमायनाए । सउलोहासपरियणसवंधवा धमणाणहेवि
मलाणवितुसा ॥ ७६ ॥ ऊससियरोमकूवा । काऊणयपयाहिणं । अभिवंदिऊणसिरसा । अइयाउ न
राहिवो ॥ ७७ ॥ इयरो विगुणसमिद्धो । तिगुत्तगुत्तो तिदंडविरउय । विहंगइव विप्पमुक्को । विहरइ

वसुहं विगइमोहो तिबेमि ॥ [illegible] नियंठिज्जं [illegible] ॥ २० ॥ चंपाए पालिए नामं सावए आसि वाणि
ए । महावीरस्स भगवउ । सीसोउ महप्पणो ॥ १ ॥ निग्गंथे पावयणे । सावए से विकोविए । पोएण ववहरं
ते । पिहुंडं नगरमागए ॥ २ ॥ पिहुंडे ववहरंतस्स । वाणिओ देय धूयरं । तं ससत्तं पइगिज्झ । सदेसमह पत्थि
ओ ॥ ३ ॥ अह पालियस्स घरणी । समुद्दंमि पसवइ । [illegible] अह बालए तहिं जाए । समुद्दपालि त्ति नाम
ए ॥ ४ ॥ खेमेण आगए चंपं । सावए वाणिए घरं । संवड्ढइ घरे तस्स । दारए से सुहोइए ॥ ५ ॥ बा
वत्तरीकलाओ य । सिक्खई नीइकोविए । जो [illegible] व्वणेण य संपन्ने । सुरूवे पियदंसणे ॥ ६ ॥
तस्स रूववइं भज्जं । पिया आणेइ रूविणिं । पासाए कीलए रम्मे । देवो दोगुंदगो जहा ॥
७ ॥ अह अन्नया कयाई । पासायालोयणे ठिओ । वज्झमंडणसोभागं । वज्झं पासइ वज्झगं ॥ ८ ॥
तं पासिऊण संविग्गो । समुद्दपालो इणमब्बवी । अहो असुहाण कम्माणं । निज्जाणं पावगं इमं ॥ ९ ॥
संबुद्धो सो तहिं भगवं । परमसंवेगमागओ । आपुच्छऽम्मापियरो । पव्वए अणगारियं ॥ १० ॥ जहित्तु संग
थमहाकिलेसं महंतमोहं कसिणं भयावहं । परियायधम्मं चभिरोयएज्जा । वयाणि सीलाणि [illegible]



णयलरकणसंहूए १ तस्सलछाउाव आसी॥ लहिणीदेवई तस्स ॥ नेमिजिणपहा ऽछानत्के ण
ग्रा॰ सारियपुर मन त्रस॥ आसि राया नदिहिए लसुह विङयनाम.गरुनरकणनेहूए ॥ तस्स
नहासिवानाम.॥ जोसमुत्तसदायलोनगंठ अरिठित्तसलि लोगनाद्दलनार ॥ जोहिहाणि
गालाउ लरकणसरसंहूए. छूठसद्दसलको॥ णधाग णायमाकालगहुंदी ॥ वहारिमदले
आसि समसवउरं लोकलोहरो ॥ तस्सराय [illegible] सईकन्ने तह नायऽकेमाला ॥ [illegible]
णायकन्ना सुसीलानाउपहिणी सव लक्कगामपन्ना विकसाहामिणिठन्ना
[illegible] अहद्दिङगाउतीलावासुदेवस्सलद हियं ऽत्तागनुउ नागरो जामकनादेला
महं [illegible] साहासहीदि विहिर कयाकोउय मंगाला. दिवकय नवरिदिउ आदरेणादि
विलसिउ [illegible] गंतवगंधहूहिय. गसुदेवस्सडिठंगे. आहादासाहूए आदिवं. सिदङ्गा
सणिडह्ला ॥ अहकु सिणरहाणं. पामराहिदा सादेउ दसाणवक्कणाय साउ णहू
उपहिवारिए ॥ अंतेउरिणीपसताण ॥ रयाणसुहक्कमं तुरियाणसंतिनाणण टिहिणि

गगणंकलसरसावाहसी ऽहूहीपाला ऽएउतिमाऽ आ॥ नियगाउवणाउ निहाउवहिंपगाव. आ
सातहनिद्दलो दिस्सणाणिनयहूए ॥ बाहदिंपङरदिव संलिद्द हमुङहिकए ॥ [illegible]
अस्सठातहिपवूणया सिहाणमहापना. साराहिङणसहूदी ॥ [illegible]
णा वाहदिंपङरदिं णासंसिहूाय अहूहि ॥ २६ ॥ श अहसारहीतउनणाऽ [illegible]
सविवाहकहसिलावाव उब कुडणा ॥ [illegible] साकणतस्मालावयणि [illegible]
णा दितऽसमहाभुतो साणुहोसहि पदिउ ॥ [illegible]
बकुडिया नासपयउनिस्सेमापरलोगत विसऽ [illegible]
महायलो ॥ आलरणाणि सवाणि. साराहिसाप णासए [illegible] सणपरिणासय [illegible]
हिऽयस्मोऽना सवहापसप सिसा ॥ निरकसणतस्सकाऊ. [illegible]
रेणतऽसमहूलो निरकसियबारमाउ ॥ रवविसहिउनयह [illegible] उहाणसेय [illegible]
साऽउसीयाउ साहस्सीयाए रिदुडा ॥ अहनिरकसिउविहाणि [illegible] अदासुगंडा [illegible]

यंमउयकेइय ... वलुवइकोले पउयुह दइग
म्र उारधावासुदेवोयणिनणइ तुन्नकेसिंदिइठिए इहिय
माणारदेवरिय यावसुतदसीमत ... नाणदंमणाण च
रितेणतद्देवय, रवतीए मुतीए वद्दमाणाणच ... १हिय
र. पमुत रासकिसवा, दमरायावकुङाण ... श्रुरि
ठतेमिवदिला श्रुडरायाविारगाउरि -
सोकुणरायकन्नापवढ्ढमाणिणस्सउ नी ... द्दास
रयलिराणदो सोगणउमसहया ... रा। यम इ
विवितइ धिरकुमसडीविय। डादंतणपरिवना सेम्प
वड्डमम ... श्रुदमासमरसन्नित उवफणगयमादि
णमयमवलुवइकोले धिडमंतावसिया ... वासुद



वोयणिनणइ तुन्नकेसिंइदिठं। संसारसागरंघारं। तरकन्ते लउलकं उर साणवइयामतीए
वासीनदिवऊ स यणिपभियणविवासीलवंताबऊस्सुया ... गिरिवयऊतीवा सेणाह
उअतरा, वासंत अधयारंमि अ तालयणसमाविया ... वीवराइविसारयंती ...
त्ति पासीया रद्दातमीनगविसा, पडायादिठ ... रयताइवि ... तीयायमातदिदइ णगतस
ऊयतदा ढाइकाउसण्णा फातपमा॥ ... णानिसीयइ ... श्रुदसोविणयजुत्ता
समद्दविडयगउ तीयपवइपदड़ इ ... सवकुदादर ... रदातमिश्रदना
द्दासुकवविवारुसामिणी॥ समस्तयादेसुय ... सुनतणिलायसति समइ ... पदिला नें
ऊसालाए मातुम्मसुसुउन्नदा तुत्तलोगी ... नउपेडा ठिणमुउ वरिस्सामा ... दइण
रद्दानमितिनगुजापराइयं रायमइ असंतता॥ अयाणसंवरतदि ... अदसारयवरक
न्ना सुठियानियमइए डाइकुलवसीलवारकुमीणीतइवए ... इस ... विण विसमा
णलेलिपणनलकुवरा तद्दाविातन इहामि ... दम्मकुवरदारा॥ ... छिर ...

ज्जो तं जीवीयकारणा। वंतं इच्छसि आवेउं। सेयं ते मरणं भवे ॥४२॥ अहं च भोगरायस्स तं चऽसि
अंधकवन्हिणो। मा कुले गंधणा होमा संजमं निहुउ चर ॥ जइ तं काहिसि भावं जा जा दच्छसि नारि
ओ। वायाविद्धु व्व हडो अछियप्पा भविस्ससि ॥४४॥ गोवालो भंडवालो वा जहा तद्दव्वनिस्सरो
एवं अणिस्सरो तं पि सामन्नस्स भविस्ससि ॥४५॥ तीसे सो वयणं सुच्चा संजयाए सुभासि
यं। अंकुसेण जहा नागो धम्मे संपडिवाइउ ॥४६॥ मणगुत्तो वयगुत्तो कायगुत्तो जिइंदिउ सा
मणं निच्चलं फासे जावजीवं दढव्वया ॥४७॥ उग्गं तवं चरित्ताणं जाया दुन्नि वि केवली
सव्वं कम्मं खवित्ताणं सिद्धिं पत्ता अणुत्तरा ॥४८॥ एवं करिंति संबुद्धा पंडिया पवियक्खण
णा। विणियट्टंति भोगेसु जहा से पुरिसुत्तमा ॥४९॥ [illegible]
जिणे पासि त्ति नामेणं अरहा लोगपूइए। संबुद्धप्पा य सव्वन्नू धम्मतित्थयरे जिणे ॥१॥ तस्स लो
गपईवस्स आसि सीसे महायसे। केसीकुमारसमणे विज्जाचरणपारगे ॥२॥ ओहिनाणसु
एबुद्धे सीससंघसमाउले। गामाणुगामं रीयंते सावत्थिं नगरमागए ॥३॥ तिंदुयं नाम उज्जाणं त

म्मी नगरमंडले। फासुए सिज्जसंथारे तत्थ वासमुवागए ॥४॥ अह तेणेव कालेणं धम्मतित्थयरे जि
णे भगवं वद्धमाणु त्ति सव्वलोगम्मि विस्सुए ॥५॥ तस्स लोगपईवस्स आसि सीसे महायसे भगवं गो
यमे नामं विज्जाचरणपारगे ॥६॥ बारसंगविऊ बुद्धे सीससंघसमाउले गामाणुगामं रीयंते से वि
सावत्थिमागए ॥७॥ कोट्ठगं नाम उज्जाणं तम्मी नगरमंडले फासुए सिज्जसंथारे तत्थ वासमुवा
गए ॥८॥ केसीकुमारसमणे गोयमे य महायसे। उभउ वि तत्थ विहरिंसु अल्लीणा सुसमा
हिया ॥९॥ उभउ सीससंघाणं संजयाणं तवस्सिणं तत्थ चिंता समुप्पन्ना गुणवं
ताण ताइणं ॥१०॥ केरिसो वा इमो धम्मो इमो धम्मो व केरिसो। आयारधम्मपणिही
इमा वा सा व केरिसा ॥११॥ चाउज्जामो य जो धम्मो जो इमो पंचसिक्खिउ देसिउ वद्धमा
णेण पासेण य महामुणी ॥१२॥ अचेलगो य जो धम्मो जो इमो संतरुत्तरो। एगकज्जपवन्ना
णं विसेसे किं नु कारणं ॥१३॥ अह ते तत्थ सीसाणं विन्नाय पवितक्कियं समागमे कयमई उ
भउ केसिगोयमा ॥१४॥ गोयमे पडिरूवन्नू सीससंघसमाउले जिट्ठं कुलमविक्खंतो



वणसागरे ॥१५॥ केसीकुमारसमणे गोयमं दिस्समागयं
पडिरूवं पडिवत्तिं सम्मं संपडिवज्जइ ॥१६॥ पलालं फासु
यं तत्थ पंचमं कुसतणाणि य गोयमस्स निसिज्जाए खिप्पं
पणा मए ॥१७॥ केसीकुमारसमणो गोयमे य महा
य से उभओ निसन्ना सोहंति चंदसूरसमप्पभा
॥१८॥ समागया बहू तत्थ पासंडा कोउगा
सि या गिहत्थाण अणेगाओ साहस्सीओ समागा
या ॥१९॥ देवदाणवगंधव्वा जक्खरक्खसकिंनरा
अदिस्साण य भूयाणं आसि तत्थ समागमो ॥२०॥ पुच्छा
मि ते महाभाग केसी गोयममब्बवी तओ केसिं बुवंतं तु
गोयमो इणमब्बवी ॥२१॥ पुच्छ भंते जहिच्छं ते केसिं गोयमं

समब्बवी ॥ तओ केसी अणुन्नाए गोयमं इणमब्बवी ॥२२॥ चाउज्जामो य जो धम्मो जो इमो पंचसिक्खि
ओ देसिओ वद्धमाणेणं पासेण य महामुणी ॥२३॥ एगकज्जपवन्नाणं विसेसे किं नु कारणं धम्मे दुविहे
मेहावी कहं विप्पच्चओ न ते ॥२४॥ तओ केसिं बुवंतं तु गोयमो इणमब्बवी पन्ना समिक्खए धम्मं तत्तं
तत्तविणिच्छयं ॥२५॥ पुरिमा उज्जुजडा उ वंकजडा य पच्छिमा मज्झिमा उज्जुपन्ना उ तेण धम्मे दु
हा कए ॥२६॥ पुरिमाणं दुव्विसोज्झो उ चरिमाणं दुरणुपालओ कप्पो मज्झिमगाणं तु सुविसोज्झो
सुपालओ ॥२७॥ साहु गोयम पन्ना ते छिन्नो मे संसओ इमो अन्नो वि संसओ मज्झं तं मे
कहसु गोयमा ॥२८॥ अचेलगो य जो धम्मो जो इमो संतरुत्तरो देसिओ वद्धमाणेणं पा
सेण य महायसा ॥२९॥ एगकज्जपवन्नाणं विसेसे किं नु कारणं लिंगे दुविहे मेहावी कहं विप्प
च्चओ न ते ॥३०॥ केसिं एवं बुवाणं तु गोयमो इणमब्बवी विन्नाणेण समागम्म धम्मसाहणमिच्छि
यं ॥३१॥ पच्चयत्थं च लोगस्स नाणाविहविगप्पणं जत्तत्थं गहणत्थं च लोगे लिंगपओयणं ॥
॥३२॥ अह भवे पइन्ना उ मोक्खसब्भूयसाहणा नाणं च दंसणं चेव चरित्तं चेव निच्छए

न्नो ते इमो संसओ अन्नो वि संसओ मज्झं ... तं मे कहसु गोयमा ... सारीरमाणसे दुक्खे

बज्झमाणाण पाणिणं । खेमं सिवं अणाबाहं ठाणं किं मन्नसी मुणी ... अत्थि एगं धुवं ठाणं लोगग्गंमि दुरारुहं जत्थ नत्थि ज

रामच्चू वाहिणो वेयणा तहा ... ठाणे य इइ के वुत्ते केसी गोयममब्बवी के

केसिमेवं बुवंतं तु गोयमो इणमब्बवी ... निव्वाणं ति अबाहं ति सिद्धी लोगग्गमेव य

खेमं सिवं अणाबाहं जं चरंति महेसिणो ... तं ठाणं सासयं वासं लोगग्गंमि दुरारुहं

जं संपत्ता न सोयंति भवोहंतकरा मुणी ... साहु गोयम पन्ना ते छिन्नो मे

संसओ इमो । नमो ते संसयाईत सव्वसुत्तमहोयही ... एवं तु संसए छिन्ने केसी घोर

परक्कमे । अभिवंदित्ता सिरसा गोयमं तु महायसं ... पंचमहव्वयधम्मं पडिवज्जइ भा

वओ । पुरिमस्स पच्छिमंमि मग्गे तत्थ सुहावहे ... केसीगोयमओ निच्चं तंमि आसि समागमे

सुयसीलसमुक्करिसो महत्थत्थविणिच्छओ ... तोसिया परिसा सव्वा सम्मग्गं पज्जुवट्ठिया

संथुया ते पसीयंतु भयवं केसीगोयमे त्ति बेमि ...

अठ पवयणमायाओ समिई गुत्ती तहेव य । पंचेव य समिओ तओ गुत्तीओ आहिया १ इरियाभासे

सणादाणे उच्चारे समिई इय । मणगुत्ती वयगुत्ती कायगुत्ती य अठमा २ आलंबणेण कालेण

मग्गेण जयणाइ य । चउकारणपरिसुद्धं संजए इरियं रिए ३ तत्थ आलंबणं नाणं

दंसणं चरणं तहा । काले य दिवसे वुत्ते ... मग्गे उप्पहवज्जिए ४ दव्वओ खेत्तओ चेव

कालओ भावओ तहा । जयणा चउव्विहा वुत्ता ... तं मे कित्तयओ सुण ५ दव्वओ चक्खुसा पेहे

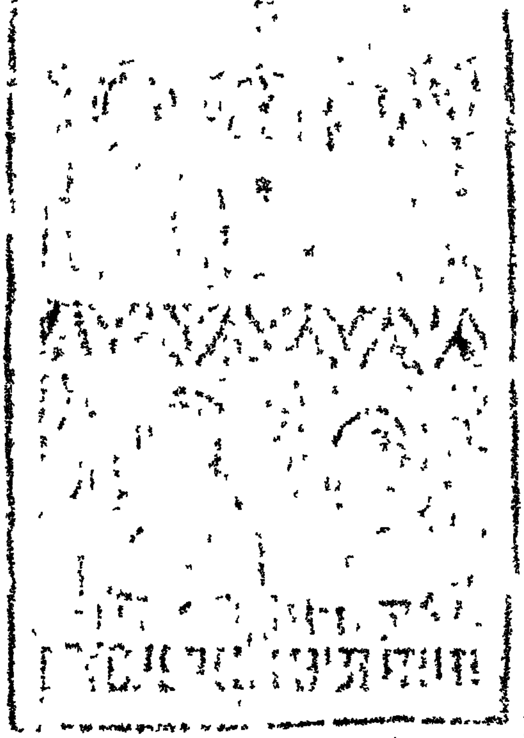
जुगमित्तं च खेत्तओ । कालओ जाव रीएज्जा ... उवउत्ते य भावओ ६ इंदियत्थे विवज्जित्ता

सज्झायं चेव पंचहा । तम्मुत्ती तप्पुरक्कारे ... उवउत्ते इरियं रिए ७ कोहे माणे य

मायाए लोभे य उवउत्तया । हासे भए मोहरिए विगहासु तहेव य ८ एयाइं अठ ठाणाइं परिवज्जित्तु

संजए । असावज्जं मियं कालं भासं भासिज्ज पन्नवं ९ गवेसणाए गहणे य परिभोगेसणा य जा ।

आहारोवहिसिज्जाए एए तिन्नि विसोहए ...





॥८॥ जो न मुच्चइ अंते पडिबंधो नेहनियडेहिं रयडसुयत्तो ॥ तेवट्ठिसमाहाणे ॥ ७० ॥
रूवं कुणइ मणिं लिंगमयं पावगं गगणमिव जाइ ॥ वइयं ॥ १७ ॥ तवगुणेहिं समं
तासु विय समत्तमं सुहवयणनिज्जाणं तेवट्ठिसमाहे ॥ तत्थ णाणविणओ
मगाइणयदावरे ॥ जो न दिट्ठइ तिविहेण ॥ तेवट्ठिसमाहा ॥ जो नाणं कुणइ ॥
लोहवावयइवालया ॥ सुयंनवयइ जो ॥ ३ ॥ तेवट्ठिसमाहाणं ॥ जिणमंतमहि
सवा ॥ अप्पवाडइवाबुज्झा ॥ नागिट्ठइ ॥ अइदत्त जो तेवट्ठिसमाहाणं ॥ ॥ दि
हुमाणुमतियं ॥ जो न सवइ मज्झ ॥ मणसा कायवायणा ॥ तेवट्ठिसमाहाणं ॥
जो जइ वायाम जललज्झाय ॥ लोवलिप्पइवा ॥ दिणा पवत्तलितकासिद्धि ॥ तेवट्ठि
गारंभादइनावुज्झंसजोय ॥ नाइसणायवधवि ॥ जो न सज्झइ लाभतु ॥ तेवट्ठिसमाहाणं
॥ पणपसुवे असमुहवि ॥ जि हवइ पावकं सुणा ॥ ततताइतिडमोल ॥ कम्माणि कलवरि ॥ दृ
मंणंन विसुद्धि पणसमणा ॥ नई कारणं नणा ॥ नसुणी रन्नवासेणा कुणइ रिणन तांदि

॥ ४ ॥ समयाए समणो होइ ॥ बंभचेरेणं बंभणो ॥ नाणेण य मुणी होइ ॥ तवेणं होइ तावसो ॥ २४ ॥
कम्मुणा बंभणो होइ ॥ कम्मुणा होइ खत्तिओ ॥ वइसो कम्मुणा होइ ॥ सुद्दो हवइ कम्मुणा ॥ ३५ ॥
एए पाउकरे बुद्धे ॥ जेहिं होइ सिणायउ ॥ सव्वकम्मविणिम्मुक्कं ॥ तेवट्ठिसमाहाणं ॥ ३६ ॥ एवं गुण
समाउत्ता ॥ जे भवंति दिउत्तमा ॥ ते समत्था उ उद्धत्तुं ॥ परं अप्पाणमेव य ॥ ३७ ॥ एवं तु संस
ए छिन्ने विजयघोसे य माहणे ॥ समादाय ॥ तओ तं जयघोसं ॥ तेवट्ठिसमाहाणं ॥ ३८ ॥
तुट्ठे य विजयघोसे ॥ इणमुदाहु कयंजली ॥ माहणत्तं जहाभूयं ॥ सुट्ठु मे उव
दंसियं ॥ ३९ ॥ तुब्भे जइया जन्नाणं ॥ तुब्भे वेयविऊ विऊ ॥ जोइसंगविऊ तुब्भे ॥ तुब्भे
धम्माण पारगा ॥ ४० ॥ तुब्भे समत्था उद्धत्तुं ॥ परं अप्पाणमेव य ॥ तमणुग्गहं करेहं ॥ भि
क्खूण भिक्खुउत्तमा ॥ ४१ ॥ न कज्जं मज्झ भिक्खेणं ॥ खिप्पं निक्खमसू दिया ॥ मा भमिहिसि भयावट्टे ॥ घोरे
संसारसागरे ॥ ४२ ॥ उवलेवो होइ भोगेसु ॥ अभोगी नोवलिप्पई ॥ भोगी भमइ संसारे ॥
अभोगी विप्पमुच्चइ ॥ ४३ ॥ उल्लो सुक्को य दो छूढा ॥ गोलया मट्टियामया ॥ दो वि आवडिया कु

काउस्सग्गं अह्नोल्योतहलम्माइ ४७॥ एवंतमंतिडलदा।जिनराकामलालमा।विरनाउहलेनं
ति।इहाउच्छेउणतया ४८॥ एवंलेविडयाणलोडयाणमणंतिया।उगणगरनानि [illegible]
धम्मसुहाउप्पुन्नरं।४९॥ सविलाउहकम्माइंमंडालिणतागया।डागनविहयाणा।निविएह [illegible]
पुन्नरंतिहमि॥५०॥ [illegible] ॥५१॥ सामायरिपहकमि मतदकविमुकलि [illegible]
विरत्नाणनियमा।तिन्नाणमारसागरं॥५२॥ दसाआवसियातान [illegible] पतिन्न।दिव
आउहणातइया॥चउद्दीपडिमुहणा॥ ॥५३॥ पवमाहदयणाम।इहकामिदह [illegible]
हुगा।मह्मणोमिहाकारोउ।तहकालोयत्रा। हमा॥ इच्छनहाणनवमंदसमाउवणं [illegible]
या।एसादसंगमसाहूणं।सामायारीपवेइया। ॥५४॥ गमणेआवस्सियंकुज्जा।ठाणे [illegible]
सीहिदिय॥आपुच्छणासयंकरणा।परकरणेपडिपुच्छणा॥५५॥ छंदणादव्वजाएणं।इहाकारो [illegible]
यसारणा।मिछाकारोयनिंदाए।तहकारोपडिस्सुए॥५६॥ अब्भुठाणंगुरुपूया।अच्छणाउवसं [illegible]
पया॥एवंदुपंचसंजुत्ता।सामायारीपवेइया॥५७॥ पुव्विल्लंमिचउब्भागे।आइच्चंमिसमुट्ठि [illegible]

णंतेडयंपडिलेहित्ता।वंदित्तायतउगुरुं।पुच्छिज्जापंजलीउडो।किंकायव्वंमएइहं।इच्छामिनिउ [illegible]
तेसा।वेयावच्चेवसज्झाए।५८॥ वेयावच्चेनिउत्तेणं।कायव्वमगिलायउ।सज्झाएवानिउत्तेणं।सव्वदु [illegible]
खुविमोखणे॥५९॥ दिवसस्सचउरोभाए।कुज्जाभिक्खूवियक्खणो।तउउत्तरगुणेकुज्जा।दिणभागेसुचउ [illegible]
सु॥६०॥ पढमंपोरिसिसज्झायं।बीयंझाणंझियायई। तइयाएभिक्खायरियं।पुणोचउत्थीएसज्झायं [illegible]
या॥६१॥ आसाढेमासेदुपया।पोसेमासेचउ [illegible] पया।चित्तासोएसुमासेसु।तिपयाहवइ [illegible]
पोरिसी॥६२॥ अंगुलंसत्तरत्तेणं।पक्खेणयदु [illegible] अंगुलं।वड्ढएहायएवावि।मासेणंचउरंगुलं [illegible]
रंगुलं॥६३॥ आसाढबहुलपक्खे।भद्दवए [illegible] कत्तिएयपोसेय।फग्गुणवइसाहेसु [illegible]
तेसमरत्ता॥६४॥ जेट्ठामूलेआसाढसावणे। छहिंअंगुलेहिंपडिलेहा।अट्ठहिंबीयतियंमि [illegible]
मी॥तइएदसहिंअट्ठहिंचउत्थे॥६५॥ रत्तिंपिचउरोभाए।भिक्खूकुज्जावियक्खणो।तउउत्तरगुणे [illegible]
कुज्जा।राइभाएसुचउसुवि॥६६॥ पढमंपोरिसिसज्झायं।बीयंझाणंझियायई।तइयाएनिद्दमोक्खं [illegible]
तु।चउत्थीभुज्जोविसज्झायं॥६७॥ पोरिसीएचउब्भाए।वंदित्ताणतउगुरुं [illegible]

आयणउसकालंमि ॥१७॥ तं सूत्र वत्थ न कालि गयं [illegible] आगरा
ठमेसगि [illegible] पिकालं पडिलेहिज्जा सुणी [illegible]
सुहि [illegible] मिउनाए पडिलेहिज्जा ण लइगं गुरु [illegible] पसाथं
मदु [illegible] [illegible] पोरिसी पवउमाण [illegible] दिवाण
तव गुरु पडि [illegible] मिज्जा काल [illegible] सायणपडि [illegible] लेह
पा [illegible] सुद पोत्तिं पडिलेहिज्जा पडिलेहि [illegible] हे
गुरु [illegible] गल [illegible] पुलि [illegible] पडिले [illegible] दण
[illegible] मि [illegible] [illegible] ता [illegible] सेव पडिले [illegible] दि ता
विइय [illegible] [illegible] पगाह [illegible] आगदि [illegible]
अवलि [illegible] अणुणा [illegible] अमास [illegible] पु [illegible] मान [illegible]
[illegible] [illegible] ॥ आर [illegible] सं [illegible] उत [illegible]

[illegible] पडि [illegible] पडिलेह [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] संकिव [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] पडिलेह [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] पडिल [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] पडिलेह [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] पडिल [illegible] [illegible]

तीइयाखउ ठीपयारसिप, मि स्कि विद्वाणमाययं पडावेतउं ईहा मठडुक्कमिविहरणं [illegible]

॥इदं पारिसीपवउ ह्राय वंदि नाणत उयुरुः पडिक्कमिनाकालस्स । तिठुपदिलेहण [illegible]

मवपुत्तारल्लुं सिंचः पडिलिहिछडायऊइ काउसग्गतक्कहा मठडुक्कमिविहुक्कण [illegible]

अइरीया हि तिहु अणु पुछवणो, नाणमिदंस ॥ ताव चरित्तमितादेठउ [illegible]

णो वंदिनाणत उयुरुः देवसियउइया र आलोडछडुइकम्मं [illegible] पडिक्कमि [illegible]

णनिसल्लो वंदिनाणत उयुरु; काउ सग्गतउ कहा मठडुक्कविहरक्कणं ॥४॥

॥पारिकणकाउसग्गो वंदिनाणत उयुरु थुईमगलउकाउ कालनयदिलहण ॥२

॥ एठमपोरिसिसिझाय ॥ निव्वग्घाणसिया ॥ वईतडयापनिइमुक्कउ सझायवंदिहरण [illegible]

पायउ ॥ पोरिसीपवउ ठीप ॥ कालउपडिलेहिपया मिसाय उउतव कहा; छाणंहतो अवेन [illegible]

॥४॥ पोरिसी पवउ ठी वंदिकणतउयुरु पडिक्कमि तो कालस्स कालउ पडिलेहण [illegible]

एकाय छुसाये ॥ मठडुक्कविहरकणं ॥ काउसग्गत उकहा मिठडुक्कविहुरकणं ॥ ४६ ॥

राईयं व अईयारं चितिअ अणुपुव्वसो नाणंदसणंमी चरित्तंमितवंमिय ॥४८॥ [illegible]

वंदिनाणतउयुरु, राईयं अईयारं आलोएडजहक्कम ॥४९॥ पडिक्कमितु निसल्लो वंदिनाणत [illegible]

रु ॥ काउसग्गतउ कहा मठडुक्कविमुक्कण ॥५०॥ किंतवं पडिवज्जामि एवं तत्थविचिंतए [illegible]

माउ पारिय ॥ वंदिनाणत उयुरु ॥५१॥ पारियक उसग्गो वंदिनाणतउयुरु तवसंपडिव [illegible]

ज्ञा करिज्ज सिद्धाणसंथवं ॥५२॥ एसासामाय री समासेणवियाहिया [illegible]

वा पतिन्ना समारसागरं तिन्ना वेमिं ॥ ५३ ॥ [illegible] सामायारीणामयणं [illegible]

लीया सिविसा रयः आइसल्लगाणिताठेमि । स मादिपडिस ४७ ॥ विद्याणदे [illegible]

तार अउसनूसी ॥ जो पवददमाणस्स ॥ संसार अ उविसुइ ॥ [illegible] किञ्चो [illegible]

किलस्सइ ॥ असमाहिं च वेयइ इतातेउ चलेलइ इसी ॥ अपगढनइ [illegible]

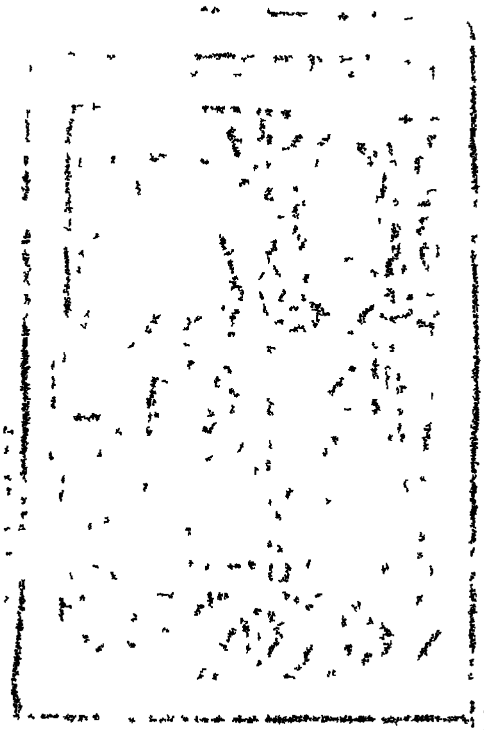
एणानउइ समलिय गोठपदपछिउ ॥ ४ ॥ एगोपडइपासेण निवेसइ [illegible]

इस्सा दवालगाविव ॥ ५ ॥ माईन्तहिणपडइ कोहणोडपडिपइ [illegible]



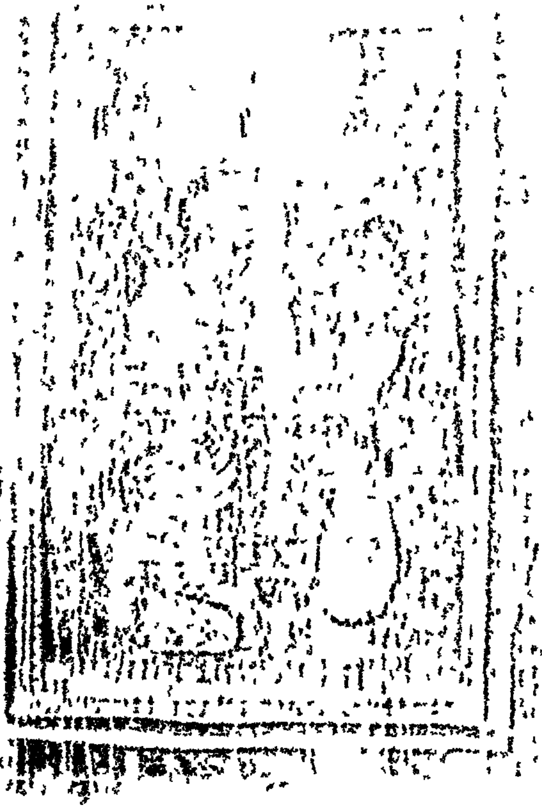
नावईह विन्नाल हिंदस नाते [illegible]
यसुहुणडना उक्कदिनापनायडं [illegible]
[illegible] मीनाठिक्कनारिमा [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] मायापमाइठिगगि [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
वयाणाडा [illegible]
[illegible]

एतिसमंतवरायाविठिवमनंता करिंति [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]



यतिमायणो ॥२४॥ दंसणनाणे चरित्ते तवविणए सच्च… …ओ किरियारुई ना
खलु किरियारुई नाम … अणभिग्गहियकुदिट्ठी संखेव… …ओ अविसारओ पवयणे अण
भिग्गहिओ य सेसेसु … जो अत्थिकायधम्मं सुयधम्मं … चरित्तधम्मं च सद्दहइ जि
णाभिहियं सो धम्मरुइ त्ति नायव्वो … परम… सुदिट्ठपरमत्थसेवणा वावि
वावन्नकुदंसणवज्जणा य सम्मत्तसद्दहणा … नत्थि चरित्तं सम्मत्तविहूणं दंसणे
उ भइयव्वं सम्मत्तचरित्ताइं जुगवं पु… …व्वं सम्मत्तं … नादंसणिस्स नाणं ना
णेण विणा न हुंति चरणगुणा अगुणि… …स्स नत्थि मोक्खो नत्थि अमोक्खस्स निव्वाणं
॥३०॥ निस्संकिय निक्कंखिय निव्वितिगिच्छा अ… …मूढदिट्ठी य उववूहथिरीकरणे वच्छल्ल
पभावणे अट्ठ ॥३१॥ सामाइयत्थ पढमं छेओवट्ठावणं भवे बीयं परिहारविसुद्धीयं सुहुमं तह
संपरायं च ॥३२॥ अकसायमहक्खायं छउमत्थस्स जिणस्स वा एयं चयरित्तकरं चारित्तं होइ आहियं ॥३३॥
तवो य दुविहो वुत्तो बाहिरब्भंतरो तहा बाहिरो छव्विहो वुत्तो एवमब्भिंतरो

तेसाति … भावे जाणइ नाणेण दंसणेण सद्दहे चरित्तेण निगिण्हाइ तवेण परिसुज्झइ
॥३५॥ खवित्ता पुव्वकम्माइं संजमेण तवेण य सव्वदुक्खप्पहीणट्ठा पक्कमंति महेसिणो त्ति
बेमि … … सुयं मे आउसं तेणं भगवया एवमक्खायं इह
खलु सम्मत्तपरक्कमे नामज्झयणे समणेणं … भगवया महावीरेणं कासवेणं पवेइयं जं स
म्मं सद्दहित्ता पत्तियाइत्ता रोयइत्ता फास… …त्ता तीरइत्ता किट्टइत्ता आराहित्ता आ
णाए अणुपालइत्ता बहवे जीवा सि… …ज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिनिव्वायंति सव्वदु
क्खाणमंतं करेंति तस्स णं अयमट्ठे … …एवमाहिज्जइ तं जहा संवेगे १ निव्वेए २ ध
म्मसद्धा ३ गुरुसाहम्मियसुस्सूसणयाए … आलोयणया ५ निंदणया ६ गरहण
या ७ सामाइए ८ चउवीसत्थए ९ वंदणे १० पडिक्कमणे ११ काउस्सग्गे १२ पच्चक्खाणे १
३ थयथुइमंगले १४ कालपडिलेहणया १५ पायच्छित्तकरणे १६ खमावणया १७
सज्झाए १८ वायणया १९ पडिपुच्छणया २० परियट्टणया २१ अणुप्पेहा २२ धम्मकह



छिमंतं पडिवन्नस्स [illegible]

१२ खमाणद्विहेउ अणगारस्सणं भंते [illegible]

संजोगं सडणंतं ठवेकरे उत्ताणाहे [illegible]

संतिर्जीविहिं डणयइ. [illegible]

पडिवन्नस्सणं अणगारस्स [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

हिंवंपडिवंनस्स अणगारस्स [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

णं भंते जीवे किं जणयइ पच्चक्खाणेणं आसवदाराइं निरुंभइ १२ थयथुइमंगलेणं भंते जीवे किं
जणयइ थयथुइमंगलेणं नाणदंसणचरित्तबोहिलाभं जणयइ नाणदंसणचरित्तबोहिला
भसंपन्ने णं जीवे अंतकिरियं कप्पविमाणोववत्तियं आराहणं आराहेइ ॥ कालपडिलेह
णयाए णं भंते जीवे किं जणयइ कालपडिलेहणयाए नाणावरणिज्जं कम्मं खवेइ ॥ पाय
च्छित्तकरणेणं भंते जीवे किं जणयइ पायच्छित्तकरणेणं पावकम्मविसोहिं जणयइ
निरइयारे यावि भवइ सम्मं च णं पायच्छित्तं पडिवज्जमाणे मग्गं च
मग्गं मग्गफलं च विसोहेइ आयारं च आयारफलं च आराहेइ ॥ खमाव
णयाए णं भंते जीवे किं जणयइ खमावणयाए णं पल्हायणभावं जणयइ पल्हायणभावमुवगए
य सव्वपाणभूयजीवसत्तेसु मित्तीभावमुप्पाएइ मित्तीभावमुवगए यावि जीवे भावविसोहिं काऊण निब्भए
भवइ ॥ सज्झाएणं भंते जीवे किं जणयइ सज्झाएणं नाणावरणिज्जं कम्मं खवेइ ॥
॥ वायणाए णं भंते जीवे किं जणयइ वायणाए णं निज्जरं जणयइ सुयस्स य अणासा

यणाए वट्टइ सुयस्स अणासायणाए वट्टमाणे तित्थधम्मं अवलंबइ तित्थधम्मं अवलंबमाणे महानि
ज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ पडिपुच्छणयाए णं भंते जीवे किं जणयइ पडिपुच्छणयाए णं सुत्त
त्थतदुभयाइं विसोहेइ ॥ कंखामोहणिज्जं कम्मं वोच्छिंदइ ॥ परियट्टणयाए णं भंते जीवे
किं जणयइ परियट्टणयाए णं वंजणाइं जणयइ वंजणलद्धिं च उप्पाएइ ॥ अणुप्पे
हाए णं भंते जीवे किं जणयइ अणुप्पेहाए णं आउयवज्जाओ सत्त कम्मपगडीओ
धणियबंधणबद्धाओ सिढिलबंधणबद्धाओ पकरेइ दीहकालट्ठिइयाओ हस्सकाल
ट्ठिइयाओ पकरेइ ॥ तिव्वाणुभावाओ मंदाणुभावाओ पकरेइ बहुपएसग्गाओ अप्पपएसग्गा
ओ पकरेइ ॥ आउयं च णं कम्मं सिय बंधइ सिय नो बंधइ असायावेयणिज्जं च णं कम्मं नो भु
ज्जो भुज्जो उवचिणाइ अणाइयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतं संसारकंतारं खिप्पामेव वीइवयइ
॥ धम्मकहाए णं भंते जीवे किं जणयइ धम्मकहाए णं निज्जरं जणयइ धम्मकहाए णं पवयणं पभावेइ
पवयणपभावे णं जीवे आगमेसस्स भद्दत्ताए कम्मं निबंधइ ॥ सुयस्स आराहणयाए णं भंते जीवे किं जणयइ

णायसंकिलिस्सइ २७ एगमेगस्स णं भंते विसमायाए णं तदीवकिंडायइ णगु सगु
विसमायाए णं विनिगंदडणयइ ॥ सडा मणं तदीवकिडायइ सडा सिमडा
डणयइ ॥ तावणं तडीवकिंडायइ नावणं तावणं डगयइ ॥ कायाणं
विकिंडायइ ॥ कायाणं णंतडीवा कडायइ कायाणं अकिंडायइ
अकिरियसावेलाविना नउपडासिडइ स डइ उडइ सडकाणं नंडइ ॥
सडमाएणं तडीवकिंडायइ सु ॥ दसाएणं अणुसउडायइ
णुसुयतेणंडीवा अणुकंपए अणुसाइडि गयलाणावविकाइ णि छकिंददइ
॥ अणडिवडयाए णं तडीवकिंडायइ अणडिवडयाए निसग्गडवइ
निसग्गतएणंडीव एगएगविन दिवायसउय ॥ अग्घम्मा अडिडवाउयाविहरइ ॥
विवज्जसएणं सयाए णं तडीवकिंडायइ अविगूणतयणं डाउ विविडावदरइ
राव एगंतरत्ता सारकनाय पडिवन्न इडविदकम्मंतं निसुरइ ॥ विणीयइ णं

संतडीवकिंडायइ विणियइ एणयाए पावकम्माणं अकरणयाए अहमइ पडवणं
सुरणयाए णिययइ ॥ तउएणं तउरसदाडइ केता रवीयइ ॥ संलिएणं
किंडायइ संलागएणं काणं आलवणं डवावइ णं सलदवणाव आवेइ
सएणवालेणं सवसइ परलानतानडइ णाणीइ डणं पाइणं अनिनूसइ
लानअणस्साएमाणं अनकेमाणं अप इदमाणं आणहमाणं आणेलदरं ॥
दवसदवसडे उवसपडिमाणविहरइ ॥ अविदयएवरकाणं णं कडायइ
केडायइ अविदयएवरकाणं अपलिसं डवणयइ ॥ दिडविययाणं केदिमिडि
रकाउव दिमतरणयाणं संकिलिस्सइ ॥ आवारएवरकाणं णं डिकिंडायइ
आवारएवरकाणं डीविडलस्सउयवाडिइ डीविय सय ॥ विाड
रमेतरणाणं संकिलिस्स ॥ ...एवरकाणं णंतडीवकिंडायइ ...
रणाणं वीयरागभावं डणयइ ॥ वीयराग ... डीवकिंडायइ ...

जोगपच्चक्खाणेणं भंते जीवे किं जणयइ, जोगपच्चक्खाणेणं अजोगत्तं जणयइ, अजो[illegible]
जीवे णवं कम्मं न बंधइ पुव्वबद्धं च निज्जरेइ॥३७॥ सरीरपच्चक्खाणेणं भंते जीवे किं ज[illegible]
पच्चक्खाणेणं सिद्धाइसयगुणत्तं निव्वत्तेइ सिद्धाइसयगुणसंपन्ने य णं जीवे लोगग्गमुवगए परमसु-
ही भवइ॥३८॥ सहायपच्चक्खाणेणं भंते जीवे किं जणयइ, सहायपच्चक्खाणेणं ए-
गीभावं जणयइ, एगीभावभूए वि य णं जीवे एगत्तं भावेमाणे अप्पसद्दे अप्पझंझे अप्प-
कलहे अप्पकसाए अप्पतुमंतुमे संजमबहुले संवरबहुले समाहिए यावि
भवइ॥३९॥ भत्तपच्चक्खाणेणं भंते जीवे किं जणयइ, भत्तपच्चक्खाणेणं अणेगाइं भवसयाइं नि[illegible]
इ॥४०॥ सब्भावपच्चक्खाणेणं भंते जीवे किं जणयइ, सब्भावपच्चक्खाणेणं अनियट्टिं जणयइ
अनियट्टिपडिवन्ने य अणगारे चत्तारि केवलिकम्मंसे खवेइ, तं जहा वेयणिज्जं आउयं नामं गोयं तओ पच्छा
सिज्झइ बुज्झइ मुच्चइ परिनिव्वाइ सव्वदुक्खाणमंतं करेइ॥४१॥ पडिरूवयाए णं भंते जीवे किं जण-
यइ, पडिरूवयाए णं लाघवियं जणयइ, लहुभूए णं जीवे अप्पमत्ते पागडलिंगे पसत्थलिंगे [illegible]

समसीले य सव्वपाणभूयजीवसत्तेसु वीससणिज्जरूवे अप्पडिलेहे जिइंदिए विउलतवसमिइ-
समन्नागए यावि भवइ॥४२॥ वेयावच्चेणं भंते जीवे किं जणयइ, वेयावच्चेणं तित्थयरनामगोयं
कम्मं निबंधइ॥४३॥ सव्वगुणसंपन्नयाए णं भंते जीवे किं जणयइ, सव्वगुणसंपन्नयाए णं
अपुणरावत्तिं जणयइ, अपुणरावत्तिं पत्तए य णं जीवे सारीरमाणसाणं दुक्खाणं नो भागी
भवइ॥४४॥ वीयरागयाए णं नेहाणुबंधणाणि तण्हाणुबंधणाणि य वो-
च्छिंदइ मणुन्नामणुन्नेसु स[illegible]रसगंधेसु चेव विरज्जइ॥४५॥ [illegible]
ए णं भंते जीवे किं जणयइ, खंतीए णं परीसहे जिणइ॥४६॥ मुत्तीए णं भंते जीवे किं
जणयइ, मुत्तीए णं अकिंचणं जणयइ, अकिंचणे [illegible]
वायणसंपन्नयाए णं जीवे धम्मस्स आराहए भवइ॥४७॥ [illegible]
वयाए णं काउज्जुययं भावुज्जुययं भासुज्जुययं अविसंवायणं जणयइ [illegible]
इ॥४८॥ मद्दवयाए णं भंते जीवे किं जणयइ, मद्दवयाए णं [illegible]

इणि ठाइ भवः भावसच्चेणं भंते जीवे किं जणयइ. भावसच्चेणं भावविसोहिं जणयइ भावि
सोहीए वट्टमाणे जीवे अरिहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स आराहणयाए अब्भुट्ठेइ अरिहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स
आराहणयाए अब्भुट्ठित्ता परलोगधम्मस्स आराहए भवइ करणसच्चेणं भंते जीवे किं जणयइ क०
सच्चेणं जीवे करणसत्तिं जणयइ करणसच्चे वट्टमाणे जीवे जहावाई तहाकारी यावि भवइ
जोगसच्चेणं भंते जीवे किं जणयइ जोगसच्चेणं जोगं विसोहेइ मण
गुत्तयाणं भंते जीवे किं जणयइ मणगुत्तयाणं एगग्गं जणयइ एगग्गचित्ते
जीवे मणगुत्ते संजमाराहए भवइ वयगुत्तयाणं भंते जीवे किं जणयइ वयगु
त्तयाणं निव्वियारं जणयइ निव्वियारेणं जीवे वइगुत्ते अज्झप्पजोगसाहणजुत्ते
यावि विहरइ कायगुत्तयाणं भंते जीवे किं जणयइ कायगुत्तयाणं जीवे संवरं जणयइ
संवरेणं जीवे कायगुत्ते पुणो पावासवनिरोहं करेइ मणसमाहारणयाएणं भंते जी
वे किं जणयइ मणसमाहारणयाएणं एगग्गं जणयइ एगग्गं जणइत्ता नाणपज्जवे जणयइ ना

णपज्जवे जणइत्ता सम्मत्तं विसोहेइ मिच्छत्तं च निज्जरेइ ॥५५॥ वइसमाहारणयाएणं भंते जीवे किं
जणयइ वइसमाहारणयाएणं जीवे दंसणपज्जवे विसोहेइ दंसणपज्जवे विसोहित्ता सुलहबोहियत्तं
निव्वत्तेइ दुल्लहबोहियत्तं निज्जरेइ ॥५६॥ कायसमाहारणयाए
णं भंते जीवे किं जणयइ कायसमाहारणयाए णं जीवे चरित्तपज्जवे विसोहेइ चरित्तप
ज्जवे विसोहित्ता अहक्खायचरित्तं विसोहेइ चत्तारि केवलिकम्मंसे खवेइ तओ
पच्छा सिज्झइ बुज्झइ मुच्चइ परिनिव्वाइ सव्वदुक्खाणमंतं करेइ ॥५७॥ नाणसंप
न्नयाएणं भंते जीवे किं जणयइ नाणसंपन्नयाए णं जीवे सव्वभावाहिगमं जणयइ नाणसं
पन्ने जीवे चाउरंते संसारकंतारे न विणस्सइ जहा सूई ससुत्ता पडियावि न विणस्सइ तहा जीवे स
सुत्ते संसारे न विणस्सइ नाणविणयतवचरित्तजोगे संपाउणइ स
समयपरसमयसंघायणिज्जे भवइ ॥५८॥ दंसणसंपन्नयाएणं भंते जीवे किं जणयइ दंसण
संपन्नयाएणं भवमिच्छत्तछेयणं करेइ परं न विज्झायइ

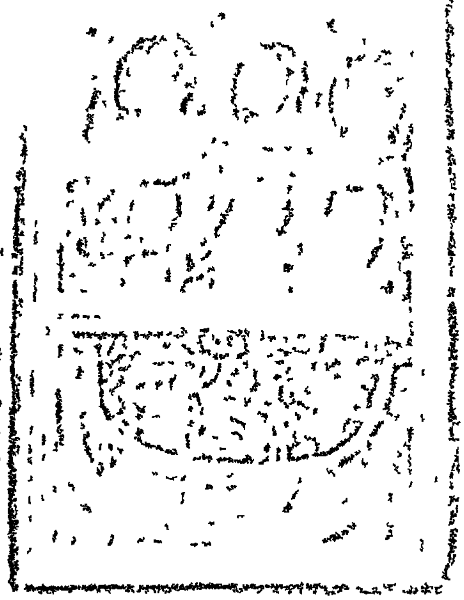
माणेसंडाए॥ममासंनावमाणोविन्नरूसए॥ चरिनसं [illegible]
नणद्धयाएणं [illegible] नीवंडगाथ्यइ. सीलमिणं दिढव्रतद्य [illegible]
ए हामिपइ ज्ञावस्रव इरकाणि अतेक [illegible] माईदि वलिघद्दणनाद [illegible]
ञ्चद्दियनिगाद्दणंमणुन्नामणुन्नेसु सद्देसु रागा [illegible]
दोसनिग्गहेणं [illegible] चक्खिंदियनिग्गहे [illegible] णं भंते जीवे किं जणयइ [illegible]
णं मणुन्नामणुन्नेसु रूवेसु राग [illegible] दोसनिग्गहं जणयइ [illegible]
मंतगंबंधइ पुव्वबद्धं च निज्जरेइ [illegible] घाणिंदियनिग्गहेणं मणुन्नामणुन्ने
सु गंधेसु रागदोसनिग्गहं जणयइ. तप्पच्चइयं कम्मं न बंधइ [illegible] जिब्भिंदियनिग्गहेणं
भंते जीवे किं जणयइ मणुन्नामणुन्नेसु रसेसु रागदोसनिग्गहं जणयइ [illegible]
कम्मं न बंधइ [illegible] फासिंदियनिग्गहेणं मणुन्नामणुन्नेसु फासेसु रागदोसनिग्गहं [illegible]
तप्पच्चइयं कम्मं न बंधइ [illegible] कोहविजएणं भंते जीवे किं जणयइ कोहविजएणं [illegible]

णयइ कोहवेयणिज्जं कम्मं न बंधइ पुव्वबद्धं च निज्जरेइ ६६ माणविजएणं [illegible]
थं माणवेयणिज्जं कम्मं न बंधइ पुव्वबद्धं च निज्जरेइ. मायाविजएणं [illegible]
अज्जवं जणयइ मायावेयणिज्जं कम्मं न बंधइ [illegible]
लोभविजएणं भंते जीवे किं जणयइ [illegible] संतोसं जणयइ लोभवेय [illegible]
बंधइ पुव्वबद्धं च निज्जरेइ [illegible] मिच्छादंसणविजएणं [illegible]
मिच्छादंसणविजएणं [illegible]
अट्ठविहकम्मगंठिविमोयणयाए [illegible]
[illegible] अट्ठावीसइविहं मोहणिज्जं कम्मं [illegible]
विकम्मं [illegible] अंतराइयं [illegible]
केवलनाणदंसणं समुप्पाडेइ [illegible] लोगालोगप्पभावगं केवलवरनाणदंसणं [illegible]
इरियावहियं कम्मं बंधइ सुहफरिसं दुसमयठिइयं [illegible]

तइयसमए निज्जिन्नं तं बद्धं पुट्ठं उईरियं वेइयं निज्जिन्नं सेयाले य अकम्मं च भवइ
अहाउयं पालइत्ता, अंतोमुहुत्तावसेसाउए, जोगनिरोहं करेमाणे सुहुमकिरियं अप्प-
डिवाई सुक्कझाणं झायमाणे, तप्पढमयाए मणजोगं निरुंभइ वइजोगं निरुंभइ कायजो-
गं निरुंभइ आणापाणनिरोहं करेइ ईसिं पंचरहस्सक्खरुच्चारणद्धाए य णं अणगारे समु-
च्छिन्नकिरियं अनियट्टि सुक्कझाणं झियायमाणे वेयणिज्जं आउयं नामं गोत्तं च ए-
ए चत्तारि कम्मंसे जुगवं खवेइ। तओ ओरालियकम्माइं सव्वाहिं विप्प-
जहणाहिं विप्पजहित्ता उज्जुसेढीपत्ते अफुसमाणगई उड्ढं एगसमएणं अविग्गहेणं
तत्थगंता सागारोवउत्ते सिज्झइ जाव अंतं करेइ। ७२। एस खलु सम्म-
त्तपरक्कमस्स अज्झयणस्स अट्ठे समणेणं भगवया महावीरेणं आघविए पन्नविए प-
रूविए दंसिए उवदंसिए त्ति बेमि॥ सम्मत्तपरक्कम [illegible] जहा उ पावगं कम्मं
रागदोससमज्जियं॥ खवेइ तवसा भिक्खू तमेगग्गमणो सुण॥ १॥ पाणिवहमुसावा-

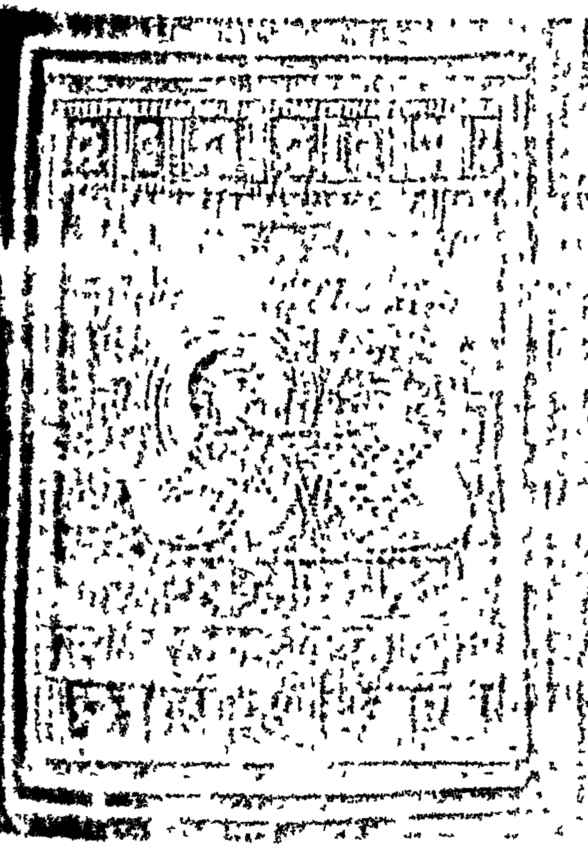
अदत्तमेहुणपरिग्गहाविरओ राईभोयणविरओ जीवो भवइ अणासवो॥ २॥ पंचसमिओ ति-
गुत्तो अकसाओ जिइंदिओ अगारवो य निस्सल्लो जीवो होइ अणासवो॥ ३॥ एएसिं तु विवच्चासे रागदोस-
समज्जियं खवेइ उ जहा भिक्खू तमेगग्गमणो सुण॥ ४॥ जहा महातलायस्स सन्निरुद्धे जलागमे उस्सिंच-
णाए तवणाए कमेणं सोसणा भवे॥ ५॥ एवं तु संजयस्सावि पावकम्मनिरासवे भवको-
डीसंचियं कम्मं तवसा निज्जरिज्जइ॥ ६॥ सो तवो दुविहो वुत्तो बाहिरब्भंतरो तहा बाहिरो छ-
व्विहो वुत्तो एवमब्भंतरो तवो॥ ७॥ अणसणमूणोयरिया भिक्खाय-
रिया रसपरिच्चाओ कायकिलेसो संलीणया य बज्झो तवो होइ॥ ८॥ इत्तरिय मरणका-
ला य अणसणा दुविहा भवे इत्तरिया सावकंखा निरवकंखा उ बिइज्जिया॥ ९॥ जो सो इत्त-
रियतवो सो समासेण छव्विहो सेढितवो पयरतवो घणो य तह होइ वग्गो य॥ १०॥ तत्तो य व-
ग्गवग्गो पंचमो छट्ठओ पइन्नतवो मणइच्छियचित्तत्थो नायव्वो होइ इत्तरिओ॥ ११॥ जा सा अ-
णसणा मरणे दुविहा सा वियाहिया सवियारमवियारा कायचिट्ठं पई भवे॥ १२॥

मोः अपरिक्कमाय आदिया. नीयाई मणाहारी आणापाढ इयादि
सुवि। उवसामयरणपव ह्रासमासेज विय हिंचं छहनंदिम ड्क
ला सावएपहारविडिस ॥ ७॥ जाडम्ब उ अदोस ततो उमंद्ध
डाकरोडने गाहा हि लाइ एवं दाहिणा कलाव गाहम
रतकणय हाणि णिग सय आगारपहूनी ॥ ८ ॥ खाइक
बडा दाण सुह पइणसंडव संवाह ॥ ९ ॥ आस
मपण विहार समिणा वल सकाय मालेय ॥ १० ॥ निगम
खव सरो सवि सव बहु कोइय ॥ ११ ॥ वाडसुव रत्नासुय
घरस्स वा एव मे निया लिवल कयइ उएव साइ पव खालण उल
वा ॥ ठीपडा संखचाणका गास्ति पयंगविहिया. व लखु का
वत्ता यथा गे उपहाग या छट ॥ १२ ॥ दि वलरूणा रिसीण. वर



उडि तितल व काला। एवं वरमाणा खलु तो जा [illegible]
णपघासमसत्ता एकसा हणएवा। एवकालेण कलावा ॥ छ ॥ व हीवा पुरिमा [illegible]
ल कि उवावि. अन्नयरव यानावा। अंतत्तरण वच्छह वा ॥ २ ॥ आतगो [illegible]
सुणी सुयातउ. एवं वरमाणो खलु तावमाण हुणयाहा ॥ [illegible]
आदियाउ कसावा पणदिउमवरउ. पच्छद वरउ [illegible]
दासमव व पसण आसिगदाय जिन्हा [illegible]
दमाणि माइ पणीय पाणलायणं परिहा। [illegible]
गा वीरा समणाइया डीहस्स उ हुलावला। [illegible]
॥ ३ ॥ एगतमणावा यास्त्री पहु वि वहिय [illegible]
एसा ब्रादि ॥ तावा समासण दिया [illegible]
यवि हविगवउ ॥ विया वस्तल [illegible]

ञालायणविहा [illegible] पायी [illegible]
गुणत्रिकलिव [illegible]
इणाद्वियावंदेवि [illegible]
दवपरियहणा॥ त्रणुपाला [illegible]
पज्ञासमाहिए [illegible]
कलिएक [illegible]
उपविद्व [illegible]
[illegible]
कडीवा तिणासंसारसागरं [illegible]
मियपव्वत्तणं [illegible]
डलाइ॥ दंडाणंगारवाणर [illegible]

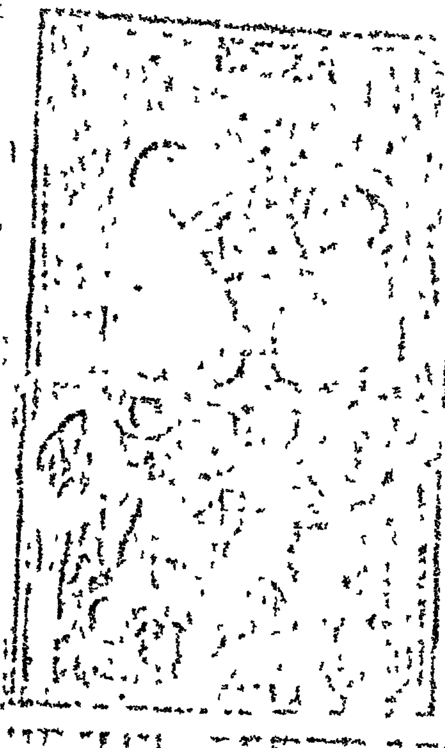


दिछयके उवसग्गा [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

णपडिमासुय जालिक्क ॥१४॥ किरियासुयगासमु पयमादनिसुय जालिक्क [illegible]
नमणिं नदाश्रसडामसिय जालिक्क [illegible] गीतीसुयगासु [illegible]
क्क ॥१५॥ पुणवीमसला [illegible] णादि [illegible] सुदसा [illegible] जालिक्क [illegible]
मितादव पाडेलिण ॥१६॥ पावसुयपसंगसु [illegible]
मायणासुय जालिक्क [illegible] ऽऽणपसुब [illegible] जालिक्क [illegible]
म [illegible] णाए विपसुब ऽपडिपनिवा [illegible]
अणंतकालसंसलस्स [illegible] सुवस्स डक्कस [illegible]
वन्ना ख्रिणादपगमादियदियडं [illegible] सवस्स [illegible]
वद्दुणापारागस्मादासस्स यसखवणा [illegible]
विकरावा विवछणालाल [illegible] निवणाए [illegible]
या [illegible] श्रादारमिवि [illegible]

गो [illegible] दिकामसमणानवश्री ॥ णाणचालल [illegible]
खाइविवछ्यंता विद्द [illegible] कामसु श्रसछमाणा ॥ [illegible]
नवंडसाय ॥ गमवणादाय यणंखुतद्धा [illegible]
वीय कम्मयाम्मोदप्पलवंवयति कम्मवंडाइ [illegible]
भाडक्कदयंडस्सनदाइमादासलादउ [illegible]
लादा लालादउडस्सनकिंचणीऽ ॥८ [illegible]
णयहूलडालं जाजउवायापदिवछि [illegible]
पगामनतिमविपहा पायरमादितिकरान [illegible]
माउफलवपक्की ॥१०॥ डाद्दादवगीपउविध्धाण [illegible]
विपमानलादाणा नवस्याद्द [illegible]
मासगाई यदभिदियाणं [illegible]

विरालवगद्दे आहु[illegible] नद्दुसमागिन्नु सदीएस हो। एलेव ऽहुई
गालयस्समसे नवंतयाविस्सवसोणिवासवो॥ चेलवंदुवला
वत्तविलासवा सं।गाडं पियं चंगिअपद्दियवा॥ ऽहोगिविती
गलिव सऽसा॥ दुहु ववस्सुससमगणतवस्सी॥१४ । अहंस
गाववस्त्रपवगणवं अंकितगाववन्नविल गांव
ऽहोडागमाहिय आणडोणं। हियएा। या
तनवि ररद्द । काणजादेवी दिविल्लसिया। दिनव
रऽयालेवालऽजंतिउला। तहाविएगंतहिययंति गाजा वि
यतवा सोमुणिणियसहो॥१५॥ सुक्कोतिकंरवसो विमा
णवसा। समारतीकस्स वियस्स धम्मो। णयारिसं दुल्लरमहि
लोणाऽजदद्दियावालमागा हरया॥१६॥ एएवसत्त समऽ



केमिन्ना॥ सुकंतगवदद्दवंतिलजा। उद्दामद्दासागरमुहुविला। गाडंल [illegible]
कम्मागुणिहियसवंसुडुस्कं। मवत्थालगसास्सद्दिवगस्स। दुक्काऽठनागेविवडिद्दि [illegible]
वीयरामा॥१७॥ जहाकिंपागफलाणमएासारसगंवणाययहुसमाए। तक्क [illegible]
माणेपाउवमाकामगुणाविवागे। रएहिंदिया णाविमयासमुत्ता। गांतु [illegible]
आणयामएाकसुमगाकुहा। समाहिकाम समगणतवस्सी॥ [illegible]
थयंति॥ त[illegible]दूतेमसएन्नमाऽहोस साहेज्जमसएन्नसाइ [illegible]
गिविसुवेऽलेहि। अकालियंपावऽसेवि गालं। सागारे [illegible]
सुलोलमसुवेऽमहारस्स। जियाविहारला। तानिविहांतेलाणा [illegible]
हैताहोमेगसएाऽवहोकि विरुदंअवरम्मऽसा [illegible]
कगाऽएवसो। उरकसांमपीलसुवेऽहोले। णलिएऽतगमणवीराल [illegible]
एसकीवा। वेरावरहिंसयमेवहुएा। विलविलंतपगिगाऽऽलीपील [illegible]

॥रुआरूवाणुवाए णपविट्ठादणं,उप्पाएणावत्तणासंणित्ता० उविइएयकदिसुदंल [illegible]
लोगकालयअतिन्नलालोगउरूवअतिलयवजिप्रदंलिसला। अपणोणउवडइदि [illegible]
ठिदोसणाणुसीपरस्स। लोनाप्रियाईअईअदन्नानेयतमानिन्दयस्सअदनेवाणि [illegible]
अतिन्नस्सपरिणाइदेसु॥साधासुसंवदडल्ला। [illegible] नदोसा।तेहाडुरुणोलविसूढेईल
लोगस्सपवाय परेडउया। पज्जवकालेय [illegible] डुदाडुणा। एवअदहाणिसमाईवेण
रूवअतिलोडुदिउअणिस्साइधारू [illegible] वाणेइस्सणस्सएवं। कल्लाणुहेदा
इकयाविकिवि। तेहाविलोगविकाले। [illegible] सडुरुलोनिवइएडुस्सकोणाडं [illegible]
एसवरूवगउपउसउवडडरकादपरपर [illegible] उजाप्रडुदहिहायविणाडकन [illegible]
णादोइडदेविवागोइस्सरूविविगहासछुउविसोमाणणडुरुकोदपरपरणणसि [illegible]
ईसवमसवसंतो।डालणदाणरउणीपलासं।इथ।लोयस्सयईगदणंवंदि [illegible]
दन्नमणुनमाद।तदोसहिडअसणुमाझलसोपडोतहुसदोयलवा। [illegible]

येवाहणंवंदति।लोयस्ससहंगहणंदवंति।रागस्सादडंससपुणका [illegible]
साकु।इहसहस्साडोणदिसुदडतिहंतं।सीरवणालेउवडइरुंसणाउवदितोमदि [illegible]
हिमहद्धतिन्नमसुवडसुसो।उ॥डुयाविदासससुवइनिहे॥सीरवणालजवडस्पुं [illegible]
हनादासेणसपणाडंता। नकिहिसदअवरश। [illegible] णसाइदाएपंतसेलाकडईसेलाद [illegible]
सकाणइपजेसाडुरकस्ससपालसुवडवाल [illegible] मनिपर्ईलणसुणोदिणाण [illegible]
वाणुशपयडीवाविरावरंदिसगणगरू [illegible] वाखितउनपरितावि [illegible]
चत्तकेउरुकिलहा॥४एमहाएणवणपरि [illegible] साद्दणाउणाउणकाणसिनिइ [illegible]
उसाकदिसुदंसोसमलोगकालयविन्नला। [illegible] णापयलादअतिसदापवि [illegible]
भानोणउवडउहि॥अउठिदोसणाडुहायरस्सालोगाइलयोइयई [illegible]
येस्सअदन्नदाविणा।सदअतिन्नस्सपरिणादेयासापासुसंवदडल्लोवलि [illegible]
विडहडइल॥४नमासस्सपवायपुराहयाउजगकालवडहोडुरंता। [illegible]

तामहुअतितोाउद्दिवअाणिस्माा४४। सहाणुरतस्सतरम्मपवं [illegible] कनिमुदंताइ [illegible] केदिविं।
ताणविताणविकिलसंडरंता। णिवतएडस्मक्तएणडयंत [illegible] पामवसहमिवउपजल उठइन्त
क्कापरपराउ। पउचजिला [illegible] कस्मडालपुणाताइ [illegible] देतिमाण [illegible]
लोणा। पएणडरक्कणपरंपरेण। णलियइसव सम्रवसंता। [illegible]
रणस्सगांधणगदमिवदतिातरणा हुउम मणुलसाकुसंतादोमादेउण [illegible]
समाजातमुसवीयराणा [illegible] गंधा। [illegible]
गुलमाडा [illegible] गंधस्मजोगिदिस्सुवृहइति। हुंअकालियुपादउसा [illegible]
महिंगधगिध्यिसणाविलाउविवणिरकसंता॥ [illegible]
णस्सउउवेइइरकाउदंतदाल्लणसएणडंदाणकि [illegible]
इरंसिरोप्पहस्तालिमलेकणइपउसा।डरकस्सर्पतउविइवाल। [illegible]
विरामा॥ [illegible] गाउगासाणुगपयडीवावराववरदिंसइणागहादि। [illegible]

बाल। पीलइअलचयुसक्किलिछायअ। गंधेणवापणपरिगावणातु [illegible]
वणविउमेयकदिंसुहसं गंताणकालअतिहलाल। [illegible]
हिसालाणउलइउछि। [illegible]
यसअवहदारिमा। [illegible] तस्सपरिमा [illegible]
इरकालविहुवसला। [illegible]
दलाणिममाडय। [illegible] [illegible]
कलसुदंताइ किवाविकिंवि। तलाविल [illegible]
इरका॥ [illegible] पमलगंधमिउगउपडसे। उवइ। [illegible]
माडसेहुणोताइडुदविवाणा [illegible] [illegible]
णलियइसवमसेवसंता। [illegible]
तरागादुउसममणुलसाकातदासदहेअमणुलसाडु [illegible]

मडिसंगहणेवंदंति ॥ जेआयरंसेण दाणंवयंति रागसादेउ समगुत्त साहू ॥ तेसामादेउत्त
गुत्तसाहू ॥ ६२ ॥ तंसंमाजोणिदिसुवडतितिहं अकालियपाढसलिलाणं रागाइ लेविहिं
विलत्तकाय ॥ मलेहिंदा आमिसत्ताणिहि ॥ जियाविदासंगुवडलिंदे तेसीसाणिउ
वेडुव्वंका ॥ ६३ ॥ दासमणलयपणडंतं न किंचि रंमिअवरगडसो ॥ ६४ ॥ गंतरत्ताकदाय
समिअत्तालिसलेकाणडपवसे ॥ उवडे सासपील डुवडकाले ॥ तलियाईणाणु
विराणे ॥ ६५ ॥ तसासुयासाए गएयउ गवि उगवरिदिसथाणगहे ॥ विंति
हितपरिसावडकाले ॥ पालडअतछत्तु हकिलिहिं ॥ ६६ ॥ बआएणपणणपरिसादिह
गणायणारक्खाणिसंतिउगे ॥ वपविउपकहिं उद्देसु ॥ सेलागकाले आतिहिजाले [illegible] राय
अतिलयपरिग्गहमि ॥ सत्तादसालणउलेडवहिं ॥ अउवलेलोणडलोउरया ॥ लाणदरिल
याइअडअदवे ॥ ६७ ॥ जाति पुलिलयमत्तअदत्तलाहिणा ॥ रासयतिहलपरिग्गाहेउ सावहु
सव्वइडलोल हे सातस्याविडुक्काणविसुद्धइ ॥ सा ॥ ६८ ॥ मासलपङ्गव उरहउ पडगलाणि

यडवीउरंगा ॥ एवंअद्दत्ताणि सखाइ थेताइ सेअतितिडहिउआणि ॥ उवइ रलागुरहिक
णरक्खपवे ॥ कत्तासुहरहकोकउक्कयाइहिंगित ॥ जाविलाणविकिलपडुंद ॥ गिहसुवडस
कपणडरक्खा ॥ ग्रणलेवरसलिगडपउसा ॥ वडउलेउवपएत ॥ पउदलिलाबहिंउ
माडमेउगणकोडरहिंविवाग ॥ पत्तारता ॥ वरतासडुविलिडाणणाउलदउरप
रणा ॥ णलिमिईहवसमविलसत ॥ डाला ॥ गावडुरकरपउउ [illegible] वलाप
णवयंति ॥ तरागादेउसमगुत्ता ॥ साहितादिलउहुलपुलवस [illegible]
मायलालसुमविलरागा ॥ ९० ॥ पसतलस्स काउंगमणोवविहाव [illegible]
यंति ॥ तेरागादेउसमगुत्तसाहू ॥ तेलासद उअसणुत्तकद [illegible]
इनिउ ॥ अकालियपाढसलितिणाणं ॥ रागाइरसीवडलावलहि [illegible]
णा ॥ ७१ ॥ जयाविदासंसमुवइलिवंतरीवणाहुउउवडउ ॥ ७२ ॥ [illegible]
इणकिविफासं अवरहडलो ॥ ७३ ॥ पगतरत्ताकडरेमिंडुमातिरत [illegible]

पीलसुवेइवाल। णलिय[illegible]तणसुणीवीयरा[illegible]
रदिसइणागह[illegible]सितहितपतिताव[illegible]पील[illegible] [illegible]
परिगाह[illegible]व[illegible] [illegible]
नलालो[illegible]फाल[illegible]तिलयपरिम[illegible] [illegible]
सेण[illegible]वीयरसा[illegible]लोल[illegible] [illegible]
णा[illegible]फास[illegible]लिवसा[illegible] [illegible]
काण[illegible]सामा[illegible] [illegible]
[illegible]तिसाम[illegible]फाल[illegible] [illegible]
[illegible]कालसु[illegible]काल[illegible] [illegible]
[illegible]तवरफा[illegible] [illegible]
[illegible]

[illegible]इसमा[illegible]वसंत[illegible]कालण[illegible] [illegible]
[illegible]सम[illegible]सा[illegible]समाव[illegible] [illegible]
वयति। सावस[illegible]रात[illegible] [illegible]
[illegible]कालि[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]काल[illegible] [illegible]
[illegible]काल[illegible] [illegible]
[illegible]

[illegible] निस्सरस्स [illegible]
वड्ढकाणविसुद्धइसे [illegible] मासस्स पढायरुरहद्द [illegible] कालं [illegible]
माइयातो नावयति नोडहिउत्तमि [illegible] नाणुरत्तस्स तरमा [illegible] कालसु [illegible]
वितवाविनोणविकालसहरं निवत्तएहं [illegible] स्सकाणहरं [illegible] एमेवकालं [illegible]
उविदडरकोडपरंपराउ॥ पडदविलोय [illegible] विणडकमं [illegible]
णो एवत्ताविविरत्तउमणुउविसोउ ए [illegible] पणहरकोडपरंपरा [illegible]
नवसतो॥ जलणवाडरक्क रिणीय नासेन [illegible] एएवंदियवाउसग्ग [illegible]
मणुस्सराइणो॥ तेवेवाणावं पिकयाइ हरंदो॥ नवायरागस्स किंकिंचि॥२०॥ [illegible]
गासमयउवेति॥ णोयाविलोगाविगइउविति॥ जनपज्जत्तीयपरिणादिय॥ [illegible]
गहेविउइ॥२१॥ कोहंवमाणवत्तादिवमायं लोदंडगंउच्चरइरइंच [illegible]
यणोडसावयविवेहसावे॥२२॥ आवडइ एवसणगंदा एवं विदकामगुणेसु [illegible]

[illegible] एयपत्तावे विमसो॥ काकणदीणद्दरिसेव [illegible] कयंतइहिमइण [illegible]
णतवपत्तावे॥ एवं विकारे [illegible] आवडइ इंदियवोरवस्सो॥ [illegible]
[illegible] तदिय सोदमहन्नवंमि सुहेसिणो इरकविणउयएहा तणदय [illegible]
माणस्स इंदियवा॥ सद्दाइयाताविइया [illegible] राणतस्स साहविस [illegible]
अमणुन्नयंव॥ एवं ससंकप्पविकप्प [illegible] सजाय इसमय [illegible]
[illegible] यसंकप्पयउतउसे पट्टीयकाम [illegible] गुणेसु तण्हा॥ [illegible]
[illegible] किंचो॥ रवविडणाणावरणं तहाणो [illegible] दवंसणावरणं [illegible]
कारइकम्म॥ [illegible] सद्दंतणाणयइपासइय [illegible]
समस्सादिद्वाते॥ आवरकाण [illegible] सोतस्स सहस्स [illegible]
ययंडेहं समया॥ दोसमय विप्पहकोपसाहोनाना [illegible]
पुन्नवस्स एसो॥ महस्स इक्कस्स पहुकामणो॥ वियाहिडसस्स [illegible]



णं तवं तितिविअ [illegible]
अट्ठकम्माइ वुहामि आणुतिकद्दव [illegible]
[illegible] इम [illegible]
तवा ॥ विअणि [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] पअलपयल [illegible]
[illegible]
[illegible] तवविगयं [illegible]

[illegible] चउविहे । सावज्जसावज्ज [illegible]
[illegible] चउविहे । [illegible]
[illegible] समासि [illegible]
[illegible] कसाय [illegible]
[illegible] कसाय [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] चउविहे । [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible] श्रीनासु [illegible]

[illegible] विडप [illegible]

[illegible] श्रुतसु॥ [illegible]

[illegible] दिल्लायग॥ [illegible]

[illegible] वीस कोडाकोडी [illegible]

[illegible] अणुलागा [illegible]

[illegible] अणुलागा [illegible]

[illegible] ॥ लेसं [illegible]

[illegible] अणुनाव [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] लेसा [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] लेसाउवणउ ॥ [illegible]

नीललेसाउवणउ ॥ [illegible]

साउवणउ ॥ [illegible]

साउवणउ ॥ [illegible]

[illegible] लेसाउवणउ ॥ [illegible]

[illegible] लेसाउवणउ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

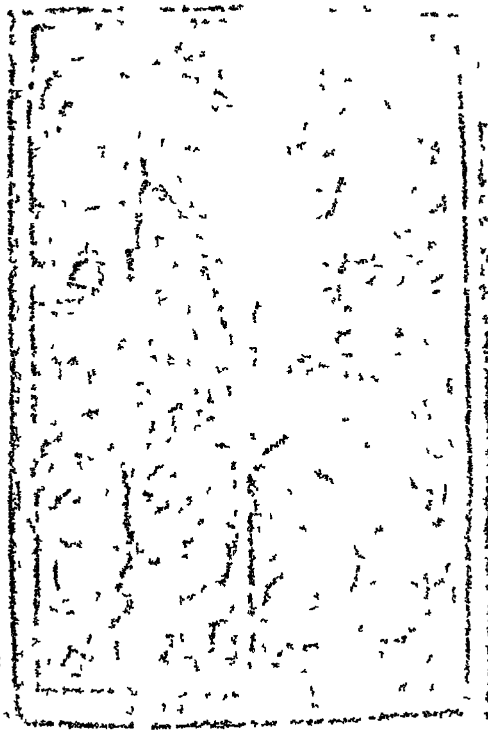
[illegible]

तेऊए नायव्वो॥१३॥ वरवारुणीए व रसो विविहाण व आसव-
णं जारिसउ महुमेरगस्स व रसो एत्तो पम्हाए परएणं॥
१४ खज्जूरमुद्दियरसो खीररसो खंडसक्कररसो वा एत्तो
वि अणंतगुणो रसो उ सुक्काए नायव्वो॥१५॥ जह गो
मडस्स गंधो सुणगमडस्स व जहा अहिमडस्स
एत्तो वि अणंतगुणो लेसाणं अप्पसत्था णं
॥१६॥ जह सुरहिकुसुमगंधो गंधवासाण पि स्समा
णाणं॥ एत्तो वि अणंतगुणो पसत्थलेसाणं। तिण्हंपि
॥१७॥ जह करगयस्स॥ गोजिब्भाए सागपत्ताणं एत्तो वि अ
णंतगुणो लेसाणं अप्पसत्थाणं॥१८॥ जह बूरस्स व फासो
नवणीयस्स व सिरीसकुसुमाणं एत्तो वि अणंतगुणो पसत्थलेसा



ण तिण्हंपि॥१९॥ तिविहो नवविहो वा सत्तावीसइविहेक्कसीओ वा दुसओ तेयालो वा लेसाणं
होइ परिणामो॥२०॥ पंचासवप्पवत्तो तीहिं अगुत्तो छसुं अविरओ य। तिव्वारंभपरिणओ खुद्दो सा
हसिओ नरो॥२१॥ निद्धंधसपरिणामो निस्संसो अजिइंदिओ। एयजोगसमाउत्तो किण्हलेसं
तु परिणमे॥२२॥ इस्सा अमरिस अतवो अविज्जमाया अहीरिया। गेही पओसे य सढे
पमत्ते रसलोलुए सायगवेसए य। आरंभाओ अविरओ खुद्दो साहस्सिओ नरो। एयजोगसमा
उत्तो नीललेसं तु परिणमे॥२४॥ वंके वंकसमायारे नियडिल्ले अणुज्जुए।
पलिउंचग ओवहिए मिच्छदिट्ठी अणारिए उप्फालगदुट्ठवाई य तेणे यावि
य मच्छरी। एयजोगसमाउत्तो काउलेसं तु परिणमे॥२६॥ नीयावित्ती अचवले अमाई अकुऊह
ले। विणीयविणए दंते जोगवं उवहाणवं॥ पियधम्मे दढधम्मे वज्जभीरू हिएसए
एयजोगसमाउत्तो तेउलेसं तु परिणमे॥ पयणुक्कोहमाणे य मायालोभे य पयणुए
पसंतचित्ते दंतप्पा जोगवं उवहाणवं॥ तह पयणुवाई य उवसंते जिइंदिए

तेऊए नायव्वो ॥१३॥ वरवारुणीए व रसो विविहाण व आसव
ाण जारिसओ । महुमेरगस्स व रसो एत्तो पम्हाए परएणं ॥
१४ खज्जूरमुद्दियरसो खीररसो खंडसक्कररसो वा । एत्तो
वि अणंतगुणो रसो उ सुक्काए नायव्वो ॥१५॥ जह गो
मडस्स गंधो सुणगमडस्स व जहा अहिमडस्स ।
एत्तो वि अणंतगुणो लेसाणं अप्पसत्थाणं
॥१६॥ जह सुरहिकुसुमगंधो गंधवासाण पिस्समा
णाणं ॥ एत्तो वि अणंतगुणो पसत्थलेसाण तिण्हं पि
॥१७॥ जह करगयस्स फासो गोजिब्भाए व सागपत्ताणं । एत्तो वि अ
णंतगुणो लेसाणं अप्पसत्थाणं ॥१८॥ जह बूरस्स व फासो
नवणीयस्स व सिरीसकुसुमाणं । एत्तो वि अणंतगुणो पसत्थलेसा

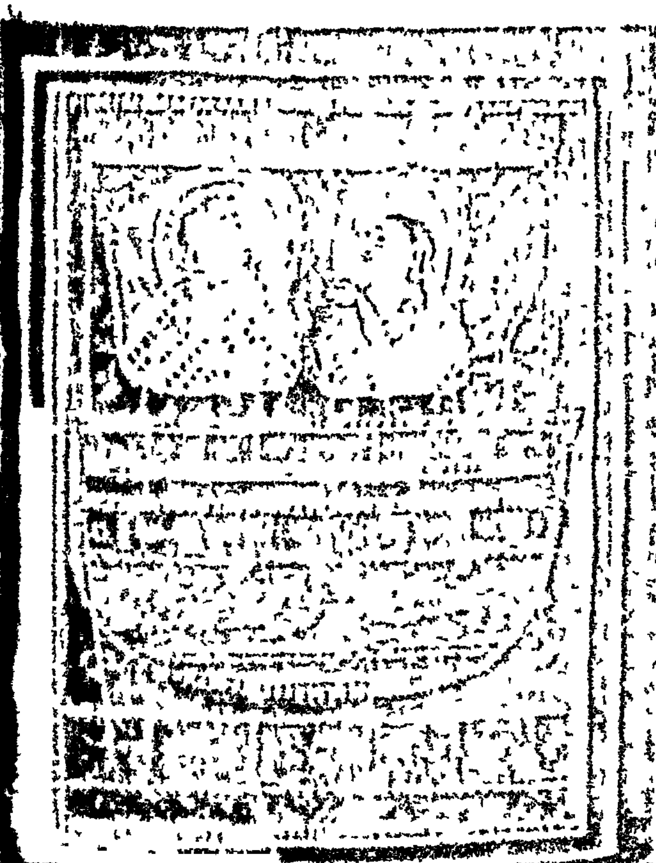


ण तिण्हं पि ॥१९॥ तिविहो व नवविहो वा सत्तावीसइविहेक्कसीओ वा । दुसओ तेयालो वा लेसाणं
होइ परिणामो ॥२०॥ पंचासवप्पवत्तो तीहिं अगुत्तो छसुं अविरओ य । तिव्वारंभपरिणओ [illegible]
सिओ नरो ॥२१॥ निद्धंधसपरिणामो निस्संसो अजिइंदिओ । एयजोगसमाउत्तो किण्हलेसं
तु परिणमे ॥२२॥ इस्सा अमरिस अतवो अ । [illegible]
पमत्ते रसलोलुए सायगवेसए य आरंभाओ अविर [illegible] वंकसमायारे । नियडिल्ले अणुज्जुए [illegible]
[illegible] लेसं तु परिणमे ॥ [illegible] उप्फालगदुट्ठवाई य तेणे यावि य मच्छरी
पलिउंचग ओवहिए मिच्छदिट्ठी अणारिए [illegible] नीयावित्ती अचवले अमाई अकुऊहले [illegible]
[illegible] एयजोगसमाउत्तो काउलेसं तु परिणमे [illegible]
[illegible] विणीयविणए दंते जोगवं उवहाणवं पियधम्मे दढधम्मे वज्जभीरू हिएसए [illegible]
एयजोगसमाउत्तो तेउलेसं तु परिणमे [illegible]
पयणुक्कोहमाणे य मायालोभे य पयणुए [illegible]

गयाजोगसमाउत्ता पम्हलेसं तु परिणमे ॥ [illegible] सुक्काणि [illegible] पसं-
तचित्ते दंतप्पा समिए गुत्ते य गुत्तिसु सरागे वीयरागे वा [illegible] उवसंते जिइंदिए एयजोगसमा-
उत्तो सुक्कलेसं तु परिणमे ॥ असंखिज्जाणोसप्पिणीण उस्सप्पिणीण जे समया संखा-
ईया लोया लेसाण हवंति ठाणाइं ॥ मुहुत्तद्धं तु जहन्ना तेत्तीसं सागरा मुहुत्तहिया
उक्कोसा होइ ठिती नायव्वा किण्हलेसाए ॥ मुहुत्तद्धं तु जहन्ना दस उदही प-
लियमसंखभागमब्भहिया उक्कोसा होइ ठिई नायव्वा नीललेसाए ॥
मुहुत्तद्धं तु जहन्ना ॥ तिन्नुदहीपलियमसंखभागमब्भहिया उक्कोसा होइ ठिई
नायव्वा काउलेसाए ॥ मुहुत्तद्धं तु जहन्ना दोन्नुदहीपलियमसंखभागमब्भहिया उ-
क्कोसा होइ ठिई नायव्वा तेउलेसाए ॥ मुहुत्तद्धं तु जहन्ना दस उदही होंति मुहुत्तहिया
उक्कोसा होइ ठिई नायव्वा पम्हलेसाए ॥ मुहुत्तद्धं तु जहन्ना तेत्तीसं सागरा मुहुत्तहि-
या ॥ उक्कोसा होइ ठिई नायव्वा सुक्कलेसाए ॥ एसा खलु लेसाणं ओहेण ठिई उ व-

न्निया होइ चउसु वि गईसु एत्तो लेसाण ठिइं तु वोच्छामि ॥ दसवाससहस्साइं काउठिई जहन्नि-
या होइ ॥ तिन्नुदही पलिओवम असंखभागं च उक्कोसा ॥ तिन्नुदही पलिओवम असंख-
भागो जहन्न नीलठिई ॥ दसउदही पलिओवम असंखभागं च उक्कोसा ॥ दसउदही पलिओव-
म असंखभागो जहन्निया होइ ॥ तित्तीसं सागराउ उक्कोसा होइ कण्हाए ॥ एसा ने-
रइयाणं लेसाण ठिई उ वन्निया होइ ॥ तेण परं वुच्छामि तिरियमणुस्साण देवाणं
अंतोमुहुत्तमद्धं ॥ लेसाण ठिई जहिं जहिं जाउ तिरियाण नराणं वा व-
ज्जित्ता केवलं लेसं ॥ मुहुत्तद्धं तु जहन्ना उक्कोसा होइ पुव्वकोडी उ । नव-
हि वरिसेहिं ऊणा । णायव्वा सुक्कलेसाए ॥ एसा तिरियनराणं लेसाण ठिई उ व-
न्निया होइ ॥ तेण परं वुच्छामि लेसाण ठिई उ देवाणं ॥ दसवाससहस्साइं किण्हाए
ठिई जहन्निया होइ ॥ पलियमसंखिज्जइमो उक्कोसा होइ किण्हाए ॥ जा किण्हाए
ठिई खलु उक्कोसा सा उ समयमब्भहिया । जहन्नेणं नीलाए पलियमसंखं च उक्को-

लापंठिईखलु उक्कोसस्सयप्पसठिया इयत्नणकाउ पलिअनस्सवउल्लेष पं
तणउरखु सागतिउलेसा. जहास्तुरसुणाणं लवणउसाण पनर जाउस्तणणणं व
पयपलिउसंकह्नं उक्कोसासागराउ दोष्ठिया पलिउसस्सव्वाणं जाउसाणणंन्न
पापनदसवाससहस्साइं तेउठिईजहन्निय लोइ दोणुदवीपलिउवम अस्संखनाग
उक्कोसा पन्नजालिकएणि ईखलु उक्को माउसस्सयमछिया इंदान्तणमपठ
दसउस जन्नद्विया इउक्कोसा पण्णा पन्नाणखलु उक्कोसाउ गेसयमप्पढि
या जहन्तणंस्तुकाणातंतीसउसजन्नम न्नद्विया कन्हानीलाकाउ तिन्नि
एयाउअहमलेसाउ एयाहितिहिजीवा दोग्गतिउववज्जइ तेउपन्हासुक्क
तिन्नि वियाउधम्मलेसाउ एयाहितिहिजीवा सोगइउववज्जइ लेसाहि सव्वाहि
पढमेसमयसिपरणीयाहिउ नहुकस्सइउववाउ परेभवेअत्थिजीवस्स लेसाहिं
सव्वाहिंचरिमेसमयंसिपरणीयाहिउ नाविकस्सइउववाउ परेभवेअत्थिजीव



स्स पाणअंतोमुहुत्तंमिगए अंतोमुहुत्तंमि लेसाहिं
परिणयाहिं जीवागच्छंतिपरलोयं तम्हाएया
लेसाणं अणुनावंवियाणिया अप्पसत्थाउवज्जित्ता प
साउअहि ठएन्निमुणि
उ णदसमयपरासलेसा अजाणंणिसि
एउ मायरंतो निन्दू जन्नलेसाइ
व ति हेसपरिवह पढमजिणव
मसंबवि याणि ाजिदिमहलिमणो
वहिसं अत्तीयं वुधच्छवत्तमिंगए हमाना
नवासेड उपरिवह ाया
श्रावणमासिया सेकवाड पिड

०ड्डिएाध।इंदियाणिउ तिरकूस्स,तार संमित्तवस्सए।ऊछराइतिगएत्रे॥कसल।तद्रिदहणा।
णसुनगालेवा।कूरकम्हालवएकए।णायद्यरिकिपद्धडवा॥गमंत नुनिगवए॥णफासुदंडि
अ्रणवादि।इह्वीदिअणतिहूणत्तहसंकाणएवासं।लिरकूपरमसेडए॥णासथंगिनाइक्क
विछा।नवअनंदिकारए॥गिदिकम्मसमारत   न्त्वयाणदिस्पएवहा॥तिमाणंवावत
एवासहमाणवाथसणय।तह्वाडिसमारत   संडेत्रएरिवद्धए॥ता।ऊवनूणा
णसुापयाणपयावणसुय।याणहे,यदय   छएाणएएणणयावा॥इनत
नेनिस्सयाडीवा।ऊदवाकठनिस्सियाद्विमं।   तलवणणसुातम्हानिरकनएवाव
एाणा।निसणमहवउसार।वजएणविणम्मण   नत्रिजाइसमसाज्ञातम्हाडाएनवंव
एा॥म।हिरणडायरूवंच।मणसाविनएइए॥समत्तिठकंवणनिरकाकरएकवविकए॥
॥नकिणालोकइत्तहोड्रविक्कणलायवाणउ।कयाविकंसिवहला।लिरकूनदवडतारिम
॥४॥लिरकयहनकिंयह।तिरकूणनिरकूवन्निणा॥कवविकउमहादासा।निरकूवनीरुह्वा॥

वहाथ।समुदाणंउवसेसिठा।ऊवातुक्कगोंदिय।लालालंनिसेवहा॥एंडवाउवव
॥१६॥अलोलूणरलोगिठा।जिमादंतयसुछिए।नरसठाएहुजिद्या।ऊठाछाएसकाबुद्धि
॥१७॥अड्डणंरयणावव।वंदणंड्डयणंतहा।उहीसक्कारसम्माणं।मणसाविनएछए॥
कामाणसियाएआ॥अनियाणाअकिंवणा।   वासठकापविकारछा।जावकालस्सएज्जव
॥१९॥निद्धदिणकआहारं।कालधम्मेण   उवछिगावउकणमणुसाहिं।एकडुल
विमुक्कडीलए।निमसो निरहंकारो।व   यरागो आसवो।सपत्तकवलं
णाासासयपरिनिव्वडनिवुमि॥रम॥अ   ऋणारुवउकसाएाजीवाजीवविहत्ति।
सुणोहमेएगमणा।जंजाणिऊणंमिरकू।   सम्मंजयइसंजमे॥जीवावेवअजीवा
य।एसलोगेवियाहिया।लोएगदेसलोएअ्रातिइएगासेविहत्रअ॥दव्वउखेत्तउवे
कालउभावउतहा।परूवणातेसिभव।जीवाणमजीवाणय॥रू।विणे।विवहवे
जीवादवियावाव।अरूवादसहाहुवा॥स्वणिवि।ववविहा॥ओधम्माहि

[illegible]ताश्राहिए॥ श्रुधम्मत स्साहिमय नमः [illegible] श्राहिए ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ अस्साधम्मागासा [illegible] [illegible]
[illegible] समयविमंतरय [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible] कालविसासेत्रु [illegible]
[illegible] पडुच्चगाइया [illegible]
[illegible]
कालसुक्कोसं [illegible] श्रुहीवाण [illegible]
कालसुक्कोसं [illegible] श्रुहीवाण [illegible]
[illegible] परिणामो [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
परिमंडला [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ओ। भइए से वन्नओ रसओ फासओ चेव भइए संठाणओ विय॥२८॥ रसओ तित्तए जे उ भइए से उ वन्नओ [illegible]
उ गंधओ फासओ चेव भइए संठाणओ विय॥ रसओ कडुए जे उ भइए से उ वन्नओ गंधओ फासओ [illegible]
भइए संठाणओ विय॥ रसओ कसाए जे उ भइए से उ वन्नओ गंधओ फासओ चेव [illegible]
विय॥ रसओ अंबिले जे उ भइए से उ वन्नओ॥ गंधओ फासओ चेव भइए संठाणओ [illegible]
रसओ महुरए जे उ भइए से उ वन्नओ। गंध॥ ओ फासओ चेव भइए संठाणओ विय॥ [illegible]
फासओ मउए जे उ भइए से उ वन्न ओ गंधओ रसओ चेव भइए संठाणओ विय [illegible]
फासओ गुरुए जे उ भइए से उ वन्न ओ गंधओ रसओ चेव भइए संठाणओ [illegible]
फासओ लहुए जे उ भइए से उ वन्नओ। गंधओ रसओ चेव भइए संठाणओ विय [illegible]
निद्धओ जे उ भइए से उ वन्नओ। गंधओ रसओ चेव भइए संठाणओ विय॥ [illegible]
भइए से उ वन्नओ॥ गंधओ रसओ चेव भइए संठाणओ विया [illegible]
गंधओ रसओ चेव भइए संठाणओ विया॥४०॥ फासओ लुक्खए जे उ भइए से उ वन्नओ [illegible]

संठाणओ विया॥४१॥ परिमंडलसंठाणे भइए से उ वन्नओ। गंधओ रसओ चेव भइए फासओ विय॥ [illegible]
ठाणओ वट्टे भइए से उ वन्नओ॥ गंधओ रसओ चेव भइए फासओ विय॥ [illegible]
से उ वन्नओ॥ गंधओ रसओ चेव भइए फासओ विय॥ संठाणओ चउरंसे भइए से उ वन्न [illegible]
वा भइए फासओ विया॥ जे आययसंठाणे भइए से उ वन्नओ गंधओ रसओ चेव भइए फासओ [illegible]
ओ विया॥ एसा अजीवविभत्ती समासेण वियाहिया॥ इत्तो जीवविभत्तिं [illegible]
सो॥ संसारत्था य सिद्धा य दुविहा जीवा वियाहिया [illegible]
णा॥ इत्थी पुरिससिद्धा य तहेव य नपुंसगा॥ [illegible]
सलिंगे अन्नलिंगे य गिहिलिंगे तहेव य॥ उक्कोसोगाहणाए य [illegible]
य तिरियं च समुद्दंमि जलंमि य॥ दस चेव नपुंसेसु वीसं इत्थियासु य [illegible]
समएणेगेण सिज्झई॥ चत्तारि य गिहिलिंगे अन्नलिंगे दसेव य [illegible]
समएणेगेण सिज्झई॥ [illegible]

मंडलाउ कट्टलोए उववज्जइ हंतउ जोवी। समोहत्तो वि उववज्जइ अहुट्टइ सुहि वालग्ग [illegible]
गणत्तं असंखग्गा सुइ ॥ ७ ॥ कइ णं भंते दव्या सिद्धा किं दिसिया उ पाणया [illegible]
गोयमा सिज्झइ ॥ ८ ॥ आलोए पडिहया सिद्धा लोयग्गे य पइट्ठिया इहं बोंदिं चइत्ता णं तत्थ [illegible]
गंतूण सिज्झइ ॥ ९ ॥ बारस सिद्धि जोयणाइं सिद्धा तउ उप्पवेसं निम्मला पुढवी [illegible]
संठिया ॥ १० ॥ पणयाल सयसहस्सा जोयण [illegible] णाणं हुज्जा य हुट्टा [illegible]
तिगुणो साहिय परिरउ ॥ ११ ॥ अट्ठ जोयण बाहल्ला सा मज्झंमि वियाहिया [illegible]
परिहायंती चरिमंते मच्छिय पत्ताउ तणुयर ॥ १२ ॥ संखंक कुंद [illegible]
निम्मला सुहा वि य ॥ उत्ताण य छत्त संठिया भणिया जिणवरेहिं [illegible]
जंबू णंतिम्मि लोगंते सा वियाहिया ॥ सीयाए जोयणे तत्तो लोयंतउ वियाहिओ [illegible]
उवरिमो जो गाउ तस्स ॥ कोसस्स छब्भाए सिद्धाणोगाहणा भवे [illegible]
गाणा भवइ सिद्धाणं ॥ भवपवंच उम्मुक्का सिद्धि वरगइं गया ॥ [illegible]

वा अमिश्र तिनाम दोणि तालं ते व सिद्धाणोगाहणा भणिया [illegible]
भागपरिहीणा ॥ अपडिहय सिद्ध सिया [illegible]
भवमप्पा ॥ अइसयरूसम निविड [illegible]
सा सिद्धि वर गई गया ॥ [illegible]
वराति विकसंति ॥ [illegible]
नलियमुणी हमे ॥ [illegible]
पत्तंमि ॥ [illegible]
बोहा ॥ मणणमनोविदादिनं ॥ [illegible]
णिम हिया ॥ खराहना सुइ विदा ॥ [illegible]
ये तच नउमी मग ॥ रूपवंत वाल वदनि [illegible]
सव्वा ॥ अप्रवंदनवाचना [illegible]

...हे य लोहियक्खे य। मरगय मसारगल्ले भुयमोयग इंदनीले य॥ चंदणगेरुय हंसगब्भ
पुलए सोगंधिए य बोद्धव्वे। चंदप्पभ वेरुलिए जलकंते सूरकंते य॥ एए खरपुढवीए
भेया छत्तीसमाहिया। एगविहमनाणत्ता सुहुमा तत्थ वियाहिया॥ सुहुमा सव्वलोगंमि लो-
गदेसे य बायरा। इत्तो कालविभागं तु तेसिं वुच्छं चउव्विहं॥ संतइं पप्पणाईया अपज्ज-
वसियावि य। ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसियावि य॥ एएसिं वन्नओ चेव गं-
धओ रसफासओ। संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्ससो॥ बावीससह-
स्साइं वासाणुक्कोसिया भवे। आउठिई पुढवीणं अंतोमुहुत्तं जहन्नयं॥ असं-
खकालमुक्कोसं अंतोमुहुत्तं जहन्नयं। कायठिई पुढवीणं तं कायं तु अमुंचओ॥ अ-
णंतकालमुक्कोसं अंतोमुहुत्तं जहन्नयं। विजढंमि सए काए पुढवीजीवाण अंतरं॥
एएसिं वन्नओ चेव गंधओ रसफासओ। संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्ससो॥ दुवि-
हा आउजीवा उ सुहुमा बायरा तहा। पज्जत्तमपज्जत्ता एवमेव दुहा पुणो॥ बायरा जे उ पज्जत्ता

पंचहा परिकित्तिया। सुद्धोदए य उस्से हरतणू महिया हिमे॥ एगविहमनाणत्ता सुहुमा त-
त्थ वियाहिया। सुहुमा सव्वलोगंमि लोगदेसे य बायरा॥ संतइं पप्पणाईया अपज्ज-
वसियावि य। ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसियावि य॥ एएसिं वन्नओ चेव गंधओ रस-
फासओ। संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्ससो॥ सत्तेव सहस्साइं वासाणु-
क्कोसिया भवे। आउठिई आऊणं अंतोमुहुत्तं जहन्नयं॥ असंखकालमुक्कोसं अं-
तोमुहुत्तं जहन्नयं। कायठिई आऊणं तं कायं तु अमुंचओ॥ अणंतकालमुक्कोसं अं-
तोमुहुत्तं जहन्नयं। विजढंमि सए काए आउजीवाण अंतरं॥ दुवि-
हा वणस्सईजीवा सुहुमा बायरा तहा। पज्जत्तमपज्जत्ता एवमेव दुहा पुणो॥ बायरा जे
उ पज्जत्ता दुविहा ते वियाहिया। साहारणसरीरा य पत्तेगा य तहेव य॥ पत्तेगसरी-
रा उ णेगहा ते पकित्तिया। रुक्खा गुच्छा य गुम्मा य लया वल्ली तणा तहा॥ वलय पव्वगा
कुहणा जलरुहा ओसही तहा। हरियकाया य बोद्धव्वा पत्तेया इति आहिया॥

णसं [illegible] णागसा [illegible] किलिया आणुपुव्वी [illegible] तद्दव्व पण [illegible]
[illegible] त्ती पत्तद्वत [illegible] कदलीयक्कट्ठ [illegible]
ठगायतद्दव्व [illegible] कदरुगगातदा [illegible] तोयाखहा [illegible]
व्या सुसद्धेवदलिसय गणसातगतसादवव [illegible] पगविदगणगले सुहुम [illegible] विदाहिवा
सुहमसंपरागसि [illegible] तति पयणा। दोया अपज्जत्तसिया [illegible]
दोया अपज्जत्तविसियाविय [illegible] गतो मवक्कत [illegible] गधरससफासव [illegible]
[illegible] तिदाण [illegible] दसविदसदव्वाई वासाणुकासियालव
वाणी [illegible] आउ अंतोमुहुत्त [illegible] अणतकालमुक्कोस अंतोमुहुत्त [illegible]
[illegible] असंखकालमुक्कोसं अंतोमुहुत्त [illegible]
या विसेस [illegible] पणगडीवाणअंतरे [illegible] समाणपविदयाहि
या [illegible] अणुपुव्व [illegible] तिकागकयाविखहा [illegible]

तहा [illegible] तिगिसदसुणदसमाह [illegible] सुहुमसंपरायवतदा [illegible]
पय [illegible] वादरा [illegible] विदाहिया [illegible]
अ [illegible] तस्साहि [illegible] णगवगण [illegible]
वोहुया [illegible] सुहुमासवलागसि पगादेसा [illegible] पणगकालविताव [illegible]
[illegible] अपज्जत्तवसि [illegible] याविय [illegible]
[illegible] वियाहिया [illegible]
[illegible] असंखकालमुक्कोसं अंतोमुहुत्त [illegible]
[illegible] अणतकालमुक्कोसं अंतोमुहुत्त [illegible]
[illegible] गधरससफास [illegible]
[illegible] सुहुमसंपरायवतद्दा [illegible]
वादरा [illegible]

गमाएवा।णगवाणसमादत्र।पणिदसनाणना।सुकसा।नविद्यादिया ९७, सुदमायसवान्नामि
४ पमावुमियवादवा पत्नाकानविनागंतु।तसिमावत्रविदं । संतनिवणमिडया। [illegible]
[illegible] मियाविया।विडेगसुह सादीया सपहावसियाविया । [illegible]
[illegible] व्याकविईनाउ।ण ब्रवसुक्रनडवविया । [illegible]
[illegible] कायविईताऊण तवायतुसुं [illegible] [illegible]
[illegible] विडवमिणपकाण।एतडु [illegible] [illegible]
[illegible] रमफासुड। [illegible] विद [illegible] [illegible]
[illegible] तपकिविया [illegible] [illegible] [illegible]
विनातयविकिविया पहवनयपहवा।तसिलावणसुणानास [illegible]
ववाक्षिलमामाड [illegible]
गावत्रवातवियावसडमा [illegible] डविवदियाएण।ण

गवाएवमाइत्र।लाएगावहानतसान। [illegible] विद्यादिया ९७, [illegible]
याविया।विईपडुवसादीया सपहवविद्याविया [illegible]
दिया।विदियाव्याविति ब्रताकुकनडहवं [illegible]
[illegible] विदियकायविईतिकायतुसुह [illegible]
[illegible] विडवजोवाण [illegible]
[illegible] सगणा [illegible]
[illegible] विकिविया पहवनयपहवा।तसि [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] लाएगा [illegible] विद्यादिया [illegible]
वमियाविया।विईपहुवसादीया, सपहवमियाविया [illegible]

[illegible]

[illegible]

सागरोवमा॥ उक्कोसेणं विद्याहिया ॥ ... सागरोवमा ॥

... उक्कोसेणं विद्याहिया ... सागरोवमा ॥ ... विद्याहिया ... सागरोवमा ॥ ... विद्याहिया ... सागरोवमा ॥ ... विद्याहिया ...

[illegible]

२४॥ ... उक्कोसेणं विद्याहिया ॥ ... उक्कोसेणं विद्याहिया ॥ ...

[illegible]

यगात्सु[illegible]तवेधव तमेउलानयपकीय [illegible]
[illegible]त्रहिद्धा [illegible] लापगाहसातम्पान गमहब्रह्मियाहि [illegible]
बिद्धा [illegible] ग्यानीया श्रुपनविपिब्रह्मीया [illegible]
पलित्रवंमत्सा साणात्र श्रपेखिह्ना ५णनव । [illegible]
[illegible]पपमिवनाउलव गंधत्ररसफासत्र स [illegible]
[illegible]श्रुयात्रविद्वलयान तामकिन्न ५त्र [illegible]
याहैहा [illegible] गस्रवङ्कतियाभ्रत्र लिविद्र [illegible]
रदोवयातद्दा [illegible] युणरस नीसविदा लिया। [illegible]
मवियाहिया [illegible] गस्रवङ्कतियापप सप्तुसायवियाहिया [illegible]
[illegible]त्राधयालागस्स पणा द्रसंमि लसह्मविवियाहिया [illegible]
हा[illegible]मतस्यधाणादीया श्रुपद्मवलियाविय [illegible]

लित्रहमाउतिन्नि उह्नालमणवियाहिया श्रात्रतिमपुयाण [illegible]
उवमाउतिनित्र उह्नालिमावियाहिया पुह्नकोहि [illegible]
यह्नतीमप्सुयाण श्रतरेतलिसमलव श्रणतकाल [illegible]
मवन्नत्रलव गंधत्ररसफासत्र सहाणलिद [illegible]
उह्निदाबुह्ना लसकिन्नियत्रहुण लोय [illegible]
[illegible]पन्हदमहाउवणवालिव श्रत्रहिदा [illegible]
वह्नविमाणोयासु रायपत्र श्रसुरानागत्रुव [illegible]
मावा नाव णियात्रवणवासिणाणं [illegible]
सामहाकगाया गंधव्वा श्रहविवाणमतरा [illegible]
हाविया विया रिणाव्वद पवहाडाडस्सातदा [illegible]
वया कणावगायरवांधव्वा कप्पातीतराहातदा [illegible]

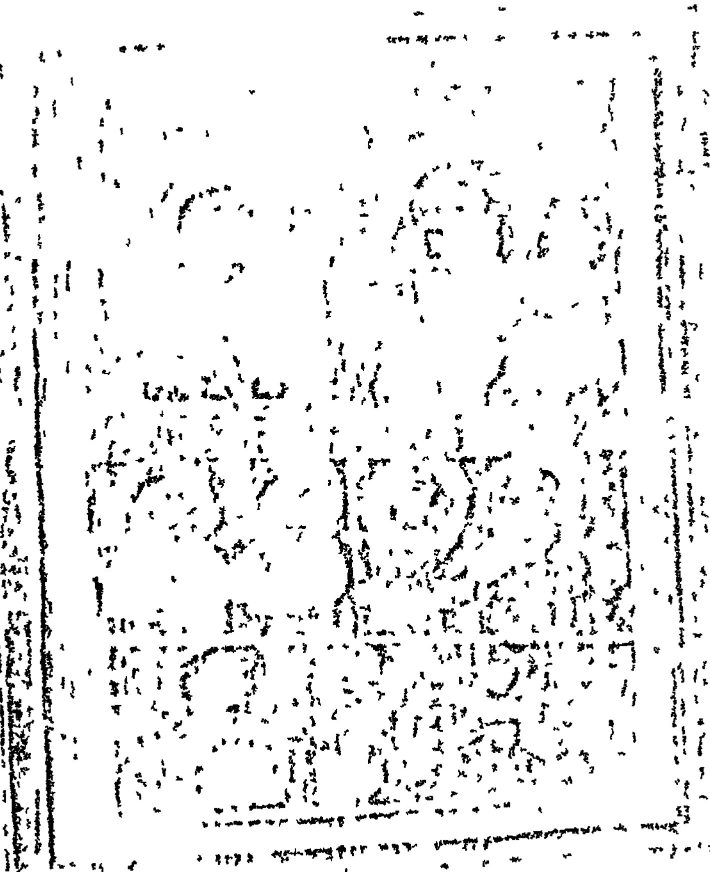
तहा [illegible]
तहा आ[illegible]
दिया [illegible]
मालहा [illegible]
गुडवमो [illegible] विडयादिडयंता [illegible]
उत्तरकुरा [illegible]
सहतपरिकिलिया [illegible]
पडवमियाविय [illegible]
कासेण तसादिय । अणुरागिल्हलण [illegible]
कासेणवियाहिया [illegible]
उक्कासेणठिलद [illegible]

[illegible]उक्कोसेणमाहियं पलिउवमस्स [illegible]
[illegible]दिया [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] सागरा [illegible]
[illegible] सागरोवमा [illegible]
[illegible] सागरोवमा [illegible]
[illegible] सागरोवमा [illegible]
दिया [illegible] सागरोवमा [illegible]
दिया [illegible] सागरोवमा [illegible]
दिया [illegible] सागरोवमा [illegible]

ट्ठा आरणंमि उक्कोसेणं वीससती सागरोवमा ।८४। बावीसं सागराऊ उक्कोसेणं ठियादिया अच्चु
यंमि उक्कोसेणं इगवीसं सागरोवमा ।८५। तेवीसं सागराऊ उक्कोसेणं ठिई नाव पढमंमि उक्कोसे
णं बावीसं सागरोवमा ।८६। चउवीसं सागराऊ उक्कोसेणं ठियादिया बितीयंमि उक्कोसेणं ते
वीसं सागरोवमा ।८७। पणवीसं सागराऊ उक्कोसेणं ठियादिया तइयंमि उक्कोसेणं चउ
वीसं सागरोवमा ।८८। छव्वीसं सागराऊ उक्कोसेणं ठिई नाव चउत्थंमि उक्कोसेणं सा
गरा पणवीसई ।८९। सागरा सत्तावीसं उ उक्कोसेणं ठिई नाव पंचमंमि उ
क्कोसेणं सागरा छव्वीसई ।९०। सागरा अट्ठावीसं उ उक्कोसेणं ठिई नाव छट्ठंमि उ
क्कोसेणं सागरा सत्तावीसई ।९१। सागरा अउणतीसं उ उक्कोसेणं ठिई नाव सत्तमंमि
उक्कोसेणं सागरा अट्ठावीसई ।९२। तीसं तु सागराई उक्कोसेणं ठिई नाव अट्ठमंमि उक्कोसे
णं सागरा अउणतीसई ।९३। सागराए कतीसं उ उक्कोसेणं ठिई नाव नवमंमि उक्कोसेणं तीसं
ति सागरोवमा ।९४। तेत्तीसं सागराऊ उक्कोसेणं ठिई नाव चउसु वि विजयाईसु उक्कोसेणं इक्क

तीसं सा ।९५। तेत्तीसं सागराऊ अजहन्नमणुक्कोसिया नाव महाविमाणे सव्वट्ठे ठिई इक्कतुक्कोसियानवे ।९
६। जा चेव य आउठिई देवाणं वियाहिया सा तेसिं कायठिई उक्कोसियानवे ।९७। अणं
तकालमुक्कोसं अंतोमुहुत्तं जहन्नयं विजढंमि सए काए देवाणं हुज्ज अंतरं ।९८। अणंतका
लमुक्कोसं वासपुहुत्तं जहन्नयं आणयाईण कप्पाणं गेविज्जाणं तु अंतरं ।९९। संखि
ज्जसागरुक्कोसं वासपुहुत्तं जहन्नयं अणुत्तराण देवाणं अंतरं तु वियाहियं ।१००।
एएसिं वन्नउ चेव गंधउ रसफासउ संठाणादेसउ वावि विहाणाइं सहस्ससो ।१०१।
संसारत्था य सिद्धा य इति जीवा वियाहिया रूविणो चेवरूवी य अजीवा दुविहा वि य ।१०२।
इइ जीवमजीवे य सुच्चा सद्दहिऊण य सव्वनयाण अणुमए रमिज्जा संजमे मुणी ।१०३। तओ
बहूणि वासाणि सामन्नमणुपालिया इमेण कम्मजोगेण अप्पाणं संलिहे मुणी ।१०४। बारसे
व उ वासाई संलेहुक्कोसिया भवे संवच्छरं मज्झिमिया छम्मासा य जहन्निया ।१०५। पढमे वास
चउक्कंमि विगईनिज्जूहणं करे बिइए वासचउक्कंमि विचित्तं तु तवं चरे ।१०६।

[illegible] नउ [illegible] हेउ, नाइ विणिडनवंवर
[illegible] न उमंतक्क रहंत विकिहत्तनवचए नरिसथे
[illegible] नसिसेतहुलकार [illegible] कोइसडीए
[illegible] कहुसवकन सुगीसालिहमा [illegible] णिए
[illegible] तवहर [illegible] केदग्गस [illegible] गनि
उग, हिलिमियसाहसाहुरहेव ए [illegible]
याउडुगाइउमरणांमिविराहिएक [illegible] न
गलिद्वादंसणरन्नासिलिया णाकाहले [illegible] स इय
डंसरतिडीवा तलिंगुणडल्लदावोवी ॥११॥ सम्मदं
सणरन्ना अनियाणा सकालसमोगाढा इयक्र
मरतिडीवा सुलहातसिंसयबोही ॥१२॥ मिन्छादं



[illegible] इयकमरंतिडीवा तलिंगुणडल्लदा [illegible]
मणरन्ना सनियाणा किण्हलेसमोगाढा इयकमरंतिडीवा तलिंगुणडल्लदा [illegible]
यणे अणुरत्ता जिणवयणं जे करिति लावेण अमला असंकिलिहा ते हुंति [illegible]
बालमरणाणि बहुसो अकाममरणाणि चेव बहुयाणि मरिहंति ते वराया [illegible]
पालतिआ [illegible] बहु आगमविन्नाणा समाहिउ [illegible] [illegible]
आलोयणं सोउ [illegible] केदप्प कुक्कुयाइं त [illegible]
य परकंदप्प भावणं कुणइ [illegible] भोता [illegible]
स इहिदकाखात्ति उरी साद कुणइ [illegible] ना [illegible]
णा साइ अवनवाई किब्बिसियभावणं कुणइ [illegible]
[illegible] पडिणीए पाहिकारणा दिक्कारियभावणं कुणइ [illegible] सुत्तं [illegible]
[illegible] वकुलपावमाय, अणाचारे [illegible] वा, कुमरण [illegible]
[illegible] ए यी रनिबुए बहामन्न तरस्साए [illegible]